RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 January 2018

अंक - 7 (मासिक) वर्ष - 13 जनवरी 2018 मूल्य 20/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2017

सेवा पथ के महानायक
प्रदीप राठी

दवा उद्योग के नक्षत्र
विष्णुकांत भूतड़ा

सहकारिता के धूमकेतु
भाईजी राधेश्याम चांडक

'शक्ति' ने दिखाई प्रतिभा
ऊर्जिता 2017

उद्यमिता का नवभोर
बिजकॉन

BiZ CON 2018

स्वागतम् 2018

पुण्य स्मरण

श्री माहेश्वरी टाईम्स एवं ऋषिमुनि प्रकाशन समूह के प्रेरणा-स्रोत

परम श्रद्धेय
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
(पंचम पुण्यतिथि)

परम श्रद्धेय
स्व. श्री मदनलाल पलौड़
(तृतीय पुण्यतिथि)

आपसे मिली प्रेरणा
दीपक की तरह करती रहेगी रोशन हमारी राहें.

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-7 ▸▸ जनवरी 2018 ▸▸ वर्ष-13

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
रोहित सोमानी, इन्दौर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

2018 नववर्ष

नव उत्साह व नव जागृति का पल्लवन करें

श्री माहेश्वरी टाईम्स के
समस्त सुधी पाठकों को
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

इनके हाथ-सबके साथ

देश में इस समय एक नारा प्रचलित है, 'सबके साथ सबका विकास।' सरकार अपने इस नारे को कितना फलीभूत कर पा रही है, यह अनुभूति तो संभवतः सभी को होगी लेकिन श्री माहेश्वरी टाईम्स ने समाज के ऐसी विभूतियों को इस साल का 'माहेश्वरी ऑफ द इयर अवार्ड' देना तय किया है, जिन्होंने अपने स्तर पर सबका विकास करने का सपना संयोजा और उसे पूरा भी कर दिखाया। निश्चित ही उनके प्रयासों से लाभान्वित होने वालों की तादाद काफी हैं यह सिलसिला रुका नहीं है।

इनमें पहले हम बात करते हैं, बुलढाना के राधेश्याम जी चांडक की। सहकारिता के माध्यम से उन्होंने एशिया की सबसे बड़ी संस्था खड़ी की और आज यह संस्था कई क्षेत्रों में सफलता के साथ काम करते हुए सहकारिता के मूल उद्देश्यों को पूरा कर रही है। संस्था ने साबित किया कि सहकारिता वह माध्यम है, जिससे अधिकतम लोगों को फायदा दिया जा सकता है। सहकारिता के के क्षेत्र में संस्था ने जो कीर्तिमान स्थापित किया है, उन तक पहुंच पाना इस क्षेत्र में कार्यरत अन्य संस्थाओं के लिए भी चुनौती है और प्रेरणा का। आम आदमी के लिए भाई जी ने जो काम किए वह निःसंदेह अनुकरणीय है। खासकर उन युवाओं के लिये जो सहकारिता के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। इसी कड़ी में लातूर के प्रदीप राठी का नाम है। उन्होंने कमजोर वर्ग के विकास के लिए जो किया वह शब्दों में बांध पाना मुश्किल है। राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय होते हुए भी वे समाजसेवा के संकल्प से बंधे रहे। यही कारण है कि सरकारी आयोजनों का सौ प्रतिशत फायदा आम लोगों तक पहुंचाने में वे कामयाब रहे। बच्चों, महिलाओं और निराश्रितजनों के लिए मन में वेदना लेकर श्री राठी ने स्तुत्य कार्य किए। उन्होंने सर्वहारा वर्ग के उत्थान के लिए अपने स्तर पर भी उद्यम किए हैं ताकि उनका हाथ सबके साथ मिल सके। अवार्ड श्रेणी में रायचूर के विष्णुकांत भूतड़ा का चयन उनकी उद्यम शीलता और सामाजिक सरोकार के प्रति समर्पण के लिए किया गया। दवा उद्योग जैसे कठिन क्षेत्र में उन्होंने अपनी उद्यम शीलता से सफलता पाई और अपनी इस सफलता का फायदा समाज को भी पहुंचाया। इन्हीं गुणों के कारण कई पुरस्कार भी उन्हें मिल चुके हैं। सभी अवार्डी विभूतियों को हमारी बधाई और शुभकामनाएं भी।

यहां महिला संगठन के कोलकाता में हुए 'ऊर्जिता 2017' आयोजन का उल्लेख इसलिए जरूरी है कि संगठन ने महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का भरपूर मौका उपलब्ध कराया। यहां औद्योगिक मेले के साथ खेलकूद महोत्सव का समावेश खास तौर से उल्लेखनीय है, जहां महिलाओं ने खुलकर अपनी प्रतिभा दिखाई है। इसके अलावा भी आयोजन के कई रंग बिखरे जिनमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, परिणय संबंध सम्मेलन आदि उल्लेखनीय हैं। प्रथम कार्यकारिणी की बैठक भी हुई। इन सुखद क्षणों में विषाद का एक पल उज्जैन के श्रद्धेय श्री मंत्री के देवलोग गमन का भी है। उन्होंने जीवन भर समाज के लिए बहुत कुछ किया। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

इस अंक में समाज की विभूतियों के परिचय के साथ अन्य आलेख व नियमित स्तंभ के साथ और भी पठनीय सामग्री का समावेश किया गया है, निश्चित ही यह आपको पसंद आएगी। नववर्ष पर ज्योतिष पक्ष से आप ग्रहों की चाल जान सकेंगे। अंत में नववर्ष की सभी को शुभकामनाएं।

जय महेश!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

प्रख्यात समाजसेवी तथा प्रदेश कांग्रेस में राजनीति के गुरु माने जाने वाले स्व. श्री गोविन्ददास सोमानी (हरसूद) के सुपुत्र इन्दौर निवासी श्री रोहित सोमानी युवा पीढ़ी के एक ऐसे चिंतक हैं, जो समाज के हर वर्ग के विकास का सपना संजोये हुए हैं। बी.बी.ए. तथा एम.आईबी. तक शिक्षा ग्रहण करने के बाद यूरोप में रहे। वहां रहकर श्री सोमानी ने अपने आपको समय के साथ रखने के लिये ऑरेकल, वीबी आदि कई सॉफ्टवेयर कोर्स में डिप्लोमा भी प्राप्त किया। आप वर्तमान में सोमानी इस्टेट तथा श्री वसती टेक्नॉलोजी लि. के एम.डी. होकर उत्तर भारत के व्यवसायियों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। आपने आईटी, शिक्षा व फायनेंस तथा कृषि उन्मुखी तकनीकी के क्षेत्र में भी कई नये प्रकल्पों की शुरुआत की है। आपको ऊर्जा संरक्षण के लिये भारत सरकार द्वारा 'एक्सीलेंस अवार्ड' राऊँड टेबल इंडिया द्वारा 'स्टॉच स्पार्टन', 'एचआरडी ट्राफी' तथा पब्लिसिटी ट्राफी द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। आप कई समाजसेवी, धार्मिक तथा सीएसआर गतिविधियों से भी सम्बद्ध हैं। इसके अन्तर्गत गत 4 वर्षों से रक्तदान शिविर तथा केंसर रोगियों के लिये निःशुल्क चिकित्सा व काउंसलिंग शिविर का आयोजन कर रहे हैं। अहिल्या माता गौशाला ट्रस्ट तथा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में भी सहयोगी बने हुए हैं। पद्मश्री बंशीलाल जी राठी की प्रेरणा से आप श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र में संरक्षक सदस्य के रूप में भी अपना योगदान दे रहे हैं।

सफलता को सार्थक करें युवा

"माहेश्वरी" वास्तव में एक शब्द मात्र नहीं है। यह तो अपने आप में परम मानवता व मानव सेवा का शिव के आदर्शों पर केन्द्रित सेवा पथ भी प्रदर्शित करता है। भगवान महेश ने जैसे स्वयं ने विषपान करके भी जगत का कल्याण किया, ठीक उसी तरह इस समाज में ऐसी कई गौरवशाली हस्तियाँ उत्पन्न हुई हैं और आज भी हो रही है, जिन्होंने अथक प्रयत्नों से कमाये धन को ही नहीं बल्कि तन व मन को भी मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया है। लेकिन दुर्भाग्य है कि आज की अधिकांश युवा पीढ़ी तक यह जानकारी नहीं पहुँचती अन्यथा उन्हें भी अपने आपको 'माहेश्वरी" होने का गर्व होगा ही। वास्तव में यह आवश्यकता भी है कि हम अपने आपको जानें। यही कार्य श्री माहेश्वरी टाईम्स प्रतिवर्ष समाज की गौरवशाली विभूतियों को "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" से सम्मानित कर कर रही है। इसके लिये सम्पूर्ण सम्पादक मंडल बधाई का पात्र है।

मैं "माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2017" से सम्मानित हो रही विभूतियों श्री प्रदीप राठी (लातूर), भाईजी श्री राधेश्याम चाँडक (बुलढाणा) तथा श्री विष्णुकांत भूतड़ा (रायचूर) को बधाई देता हूँ। साथ ही यह आशा करता हूँ कि उनका व्यक्तित्व समाज की युवा पीढ़ी को मार्गदर्शित करेगा। इनमें से भाईजी व श्री राठी से तो मैं व्यक्तिगत रूप से भी परिचित हूँ। लगभग 5 वर्ष पूर्व श्री प्रकाश बाहेती (खंडवा) के यहाँ उनसे प्रथम परिचय हुआ। इस प्रथम परिचय में ही उनके सरल-सहज स्वभाव से प्रभावित हुए बिना न रह सका। फिर जब बुलढाणा गया और वहाँ किसानों, असहाय महिलाओं तथा गायों की सेवा के प्रकल्प, वेदशाला आदि देखे तो भाव विभोर हो गया। 6 हजार से अधिक लोगों को रोजगार व लाखों लोगों को आर्थिक सम्बल दे रही बुलढ़ाणा अर्बन कोआपरेटिव सोसायटी की एशिया की प्रथम बैंक होने की स्थिति व विकास यात्रा को देखकर उनको शुभकामनाएं दी।

श्री प्रदीप राठी के तो मैं गत 15 वर्षों से सान्निध्य में हूँ। आप मेरे श्वसुर हैं। मैंने तो यह महसूस किया कि राठी वास्तव में पारिवारिकता, सामाजिकता, धार्मिकता तथा राजनीति के एक ऐसे विलक्षण संगम है, जो विशेषता अन्यत्र दुर्लभ हैं। सम्पन्नता का सदुपयोग मानवता की सेवा ही है, इस आदर्श को तो जैसे उन्होंने अपनी करनी से चरितार्थ कर दिखाया है। यदि मैं यह कहूँ कि सैंकड़ों केबिनेट मंत्री व प्रशासनिक अधिकारी मिलकर भी उनके व्यक्तित्व की बराबरी नहीं कर सकते, ऐसा उनका विशाल व्यक्तित्व है, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। उन्होंने तो लगभग हर वर्ग की सेवा की है, यहाँ तक की कुष्ठ रोगियो का पुनर्वास भी किया। उनका व्यक्तित्व वास्तव में ऐसा बरगद का पेड़ है, जो हर जरूरतमंद को अपनत्व की छांव दे रहा है। अष्ट विनायक ट्रस्ट द्वारा संचालित स्कूल, मंदिर, धर्मशाला आदि प्रकल्प आपको अविस्मरणीय बनाते हैं। लातूर अर्बन कोआपरेटिव बैंक भी इन्ही में से उनकी एक देन है।

मैं तो युवा पीढ़ी से यही अनुरोध करना चाहूँगा कि समाज के "बिजकॉन" जैसे वृहद आयोजनों का लाभ लें और आर्थिक उन्नति के नये आयाम स्थापित करें। इसके लिये समय के साथ नई तकनीकों को अपनाते रहना भी जरूरी है। लेकिन इसके साथ अपने संस्कारों व माता-पिता को भी नहीं भूले। याद रखें हमारे ये संस्कार न सिर्फ हमारी पहचान हैं, बल्कि वह शक्ति हैं, जो हमें सफलता के शिखर पर पहुँचाने में समर्थ हैं। इसका जीवंत उदाहरण हमारा गौरवशाली इतिहास स्वयं है। अंत में मालेगाँव जिला नाशिक के ख्यात समाजसेवी व उद्यमी तथा मामाश्री नंदलालजी काबरा को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिनका मुझे सदैव मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त होता रहा। जय महेश! जय माँ भारती!

रोहित सोमानी
अतिथि सम्पादक

श्री विशु माताजी

श्री विशुमाता भट्टड़ खाँप की कुलदेवी हैं। अन्य समाज के लोग भी माताजी के प्रति गहरी आस्था रखते हैं। मलहर, सुदा, बिसानी, जेठा व मेहरा खाँप भी उन्हें मानती हैं।

श्री विशुमाता का मंदिर जैसलमेर (राजस्थान) में गड़ीसर तालाब के पीछे स्थित है। यह मंदिर तो प्राचीन है, लेकिन समय-समय पर मंदिर में कुछ परिवर्तन होते रहे हैं। यह मंदिर क्षेत्र में चमत्कारी माना जाता है।

कहाँ ठहरें

पहले यहाँ ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं थी, लेकिन 4-5 साल में मंदिर परिसर में भव्य धर्मशाला का निर्माण हुआ है। इस धर्मशाला में एक हॉल, एक किचन सहित 20 कमरे है। इनमें ठहरने की उचित व्यवस्था है। अतः अब बाहर से आने वाले यात्री यहाँ ठहर सकते हैं। शहर में होटल आदि व्यवस्था भी है।

उत्सव आयोजन

नवरात्रि में यहाँ विशेष आयोजन होते हैं। अतः नवरात्रि में जो यात्री यहाँ आते हैं, उनके रहने व प्रसादी की व्यवस्था 9 दिन तक मंदिर में ही की जाती है।

कैसे पहुँचे

जैसलमेर रेल व सड़क मार्ग से जुड़ा है। समीपस्थ शहर जोधपुर में एयरपोर्ट भी है। जोधपुर से 300 किमी. दूर है। चार ट्रेन रोज जाती है। गुजरात के पालनपुर से 400 किमी. दूर है। यहां से बस सुविधा है अहमदाबाद से 530 किमी दूर है। यहां से रात को बस जाती है।

संपर्क अधिक जानकारी के लिए कीर्ति माहेश्वरी मुंबई उपाध्यक्ष विशु माता मंदिर कमेटी जैसलमेर से मो. 9833170333 द्वारा संपर्क किया जा सकता है।

ऊर्जिता 2017 ने दिखाई समाज की प्रतिभा

कोलकाता। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अपने एकादश सत्र की प्रथम कार्यकारिणी बैठक के साथ महिलाओं को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर दिया गया। इसके अन्तर्गत 15-20 दिसम्बर तक औद्योगिक मेला MITEXPO, खेलकूद महोत्सव आदि का आयोजन किया गया।

कोलकाता शहर भी माहेश्वरी महिलाओं की एकता व शक्ति-सामर्थ्य को देखकर दंग रह गया। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के आयोजन में महिलाओं की औद्योगिक क्षमता, खेल प्रतिभा तथा ऊर्जा का प्रदर्शित होने का अवसर मिला।

औद्योगिक मेले से शुरुआत

प्रथम दिवस - 15 दिसम्बर को सायंकाल 7 बजे औद्योगिक मेले का उद्घाटन शांता सारड़ा के हाथो से हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारत की गौरव पद्मभूषण एम.सी. मेरीकॉम थी। उनके उद्बोधन से महिलाओं का उत्साहवर्धन हुआ। हेमन्त बांगड़, कमल गांधी, रामेश्वर काबरा, देवीशंकर मूंदड़ा, श्रीकृष्ण मल्ल और अशोक गोयनका विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथियों के स्वागत सम्मान हेतु आंचलिक रैली निकाली गई। इसमें हर अंचल की अपनी वेशभूषा तथा सभी खिलाड़ियों द्वारा 'मार्च पास्ट' की प्रस्तुति विभिन्न संदेशों द्वारा दी गई। इसका निर्देशन - सोनाली मूंदड़ा तथा संचालन - मोनालिसा मिमानी ने किया। मशालधारक - निशा मोहता व सुनीति दम्मानी थे। औद्योगिक मेले में 150 स्टॉल लगी थी। निशा लड्ढा, सोनाली मूंदड़ा, रेखा मिमानी, कुसुम मूंदड़ा, मीना राठी द्वारा मेले के उद्घाटन में 'स्वागत सुरभि' की सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। 16 से 18 दिसम्बर तक संवरणा समिति द्वारा परिणय सम्बन्ध सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इसमें कई सम्बन्ध स्थापित हुए।

अगले दिन बैठक का शुभारंभ

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यकारिणी बैठक संवर्धन-2017 का आयोजन 16 से 18 दिसम्बर तक प्रतिदिन प्रातः 10 से 2 बजे तक हुआ। ट्रेनों व फ्लाईट के लेट होने के कारण अलग-अलग प्रदेश के साथ अलग-अलग बैठक हुई तथा शंका समाधान किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा किया गया। इसमें सर्वप्रथम समाज के दिवंगतों को दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अध्यक्षीय उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी द्वारा उज्जैन एवं भोपाल की बैठक का जिक्र किया गया तथा प्रदेशों के कार्यक्रमों की सराहना भी की गई। उन्होंने कहा कि जो प्रदेश धीमी गति से चल रहे हैं, वो अपनी गति पकड़े और अगर हमें लगे कि वो काम नहीं कर सकते हैं और 3 बैठकों में नियमित नहीं आते हैं, तो उन्हें हटाया जा सकेगा। पश्चिमी उत्तरप्रदेश से तदर्थ कमेटी को हटा दिया गया है तथा पूर्ण अधिकार अध्यक्ष मंत्री को दिये गये है।

प्रतियोगिताओ का भी चला दौर

इसी दिन प्रदेशों की रिपोर्टिंग प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इसमें निर्णायक गीता मूंदड़ा व सुशीला काबरा थी। इसमें दक्षिणी राजस्थान (उदयपुर) प्रथम, विदर्भ और दिल्ली (द्वितीय) तथा गुजरात और महाराष्ट्र प्रदेश (तृतीय) स्थान पर रहे।

दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक अखिल भारतवर्षीय महिला सेवा ट्रस्ट की बैठक ट्रस्ट अध्यक्ष रत्नीदेवी काबरा की अध्यक्षता व मार्गदर्शक गीता मूंदड़ा की उपस्थिति में सम्पन्न हुई

तृतीय दिवस नारी सशक्तिकरण के नाम

तृतीय दिवस 17 दिसम्बर प्रातः 10 बजे से 'सशक्त नारी-सुदृढ़परिवार' विषय पर सामाजिक मंथन के लिये परिसंवाद का आयोजन हुआ। इसमें डॉ. अनुराधा जाजू, हैदराबाद (सायकोलॉजी कन्सलटेंट), वंदना लड्ढ, इन्दौर (प्रसिद्ध महिला उद्यमी), डॉ. रजनी लखोटिया, जोधपुर (सर्जन व आध्यात्मिक वक्ता) तथा शान्ता सारड़ा, कोलकाता प्रमुख रूप से शामिल थीं। कार्यक्रम का संचालन बहुत ही खूबसूरत तरीके से उर्वशी साबू दिल्ली ने किया।

प्रतिभाओं का हुआ प्रदर्शन

इसी दिन तत्पश्चात रंगोली कार्यशाला 'संग रंगोली रंगे सहेली' का आयोजन दोपहर 2 बजे से हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन शरद गगरानी मुम्बई, भगवान सादानी, विट्ठल कोठारी ने किया। प्रशिक्षक गिनीज वर्ल्ड रिकार्डधारी कलाकार माधुरी सुदा अमरावती थी। इसके बाद उत्कृष्ठा द्वारा 'रेम्प शो' का आयोजन हुआ। इसमें परिधान एवं आभूषणों का विज्ञापन 17 दिसम्बर सायंकाल 6 बजे से प्रारंभ हुआ। प्रधान अतिथि सविता राठी तथा विशिष्ट अतिथि समाजसेवी गीता मूंदड़ा (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष), कान्ता गगरानी आगरा (उत्तरांचल उपाध्यक्ष) तथा ममता मोदानी भीलवाड़ा (पश्चिमांचल उपाध्यक्ष) थीं।

लोकनृत्य ने बांधा समां

राष्ट्रीय लोकनृत्य प्रतियोगिता 'भारत नृत्यम'' सुरभि समिति के अन्तर्गत 17 दिसम्बर सायंकाल 8 बजे से आयोजित हुई। इस कार्यक्रम की प्रमुख आकर्षण ईप्सिता शर्मा (सिने अभिनेत्री, मुम्बई), रानी हजारीका (गायिका मुम्बई) की उपस्थिति थी। प्रधान अतिथि के रूप में सत्यनारायण चाण्डक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कुसुम एस. मूंधड़ा, मंजू डागा, आशा राधड़, दिल्ली तथा सुषमा मूंदड़ा मुम्बई उपस्थित थीं। प्रेमा झंवर सुरभि समिति प्रभारी द्वारा 'सत्तू एवं राखी सजाओं' में 55 तरह की सजावट की गई। लोकनृत्य प्रतियोगिता में प्रथम - कोलकाता प्रदेश, द्वितीय - महाराष्ट्र, तृतीय - पूर्वोत्तर राजस्थान (जयपुर), चतुर्थ - आसाम तथा पंचम - मध्य उत्तर प्रदेश (कानपुर) रहे।

स्वाद सागर ने बताये गुर

अगले दिन 18 दिसम्बर को प्रातः 10 से 1 बजे तक कार्यकारिणी बैठक के तत्पश्चात कुकरी शो - ''स्वाद सागर'' का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम की आकर्षण ख्यात पाकशास्त्री - शोभा इन्दानी (पुना) की उपस्थिति थी। विशेष अतिथि - सुशीला राठी पुना-सचिव विद्या प्रचारक मंडल, सरोज दुजारी, सुमित्रा काबरा व कुसुम भण्डारी थी। व्यंजन प्रतियोगिता भी प्रातः 10 बजे से नॉन फायर आयटम कोलकाता प्रदेश द्वारा सम्पन्न हुई।

कव्वाली में भी सशक्तिकरण के सुर

लंच के बाद सुषमा समिति द्वारा नारी सशक्तिकरण के अन्तर्गत कव्वाली प्रतियोगिता ''नरोत्तमा'' आयोजित हुई। प्रधान अतिथि लता मोहता हिंगनघाट थी। सम्मानीय अतिथि मनमोहन मल्ल, इन्द्रकुमार डागा, शर्मिला राठी, फूलकंवर मूंदड़ा, राज झंवर, संजय लढ्ढा थे। कार्यक्रम का आकर्षण डोना सौरभ गांगुली उदीयमान नृत्यांगना कोलकाता थी। राजुदास विख्यात गजल गायक मुम्बई, मारूति मोहता विख्यात गायिका कोलकाता, समिति प्रभारी कमला मोहता नागपुर विशेष रूप से उपस्थित थे। इसमें प्रथम - कोलकाता प्रदेश, द्वितीय - पूर्वी मध्य प्रदेश, तृतीय - पूर्वोत्तर राजस्थान (जयपुर), चतुर्थ - पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंचम - मध्य उत्तरप्रदेश, षष्ठम - छत्तीसगढ़ तथा सप्तम - मुम्बई प्रदेश रहा। कोलकाता प्रदेश के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम समय संगम रात्रि 9 बजे से प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम निर्देशक - रैकी मूंदड़ा, वर्षा डागा थी।

अभिनव कार्यशाला के साथ खेलों के रंग

19 दिसम्बर प्रातः 11 बजे से अभिनव कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता ओरा इमेज कन्सल्टेंसी की समीरा गुप्ता तथा सविनय - गिरिजा सारड़ा सुश्रीता राष्ट्रीय प्रभारी नेपाल थी। इसी दिन दोपहर 2 बजे से सभी फायनल मैच प्रारंभ हुए। जो रात्रि 9 बजे तक सम्पन्न हुए। इसमें कैरम में रनर अॅप विजेता ज्योति मालू - दक्षिणांचल तथा विजेता अंकिता माहेश्वरी - मध्यांचल रही। चेस में विजेता - रनर अप वैष्णवी तोषनीवाल नांदेड़ दक्षिणांचल व विजेता पुष्पा मूंदड़ा मध्यांचल रही। तृतीय पुरस्कार पूजा लोहिया को प्रदान किया गया। इसी प्रकार बेडमिंटन में राधिका नावंदर दक्षिणांचल, क्रिकेट में मध्यांचल तथा बॉस्केटबाल स्पर्धा में पूर्वांचल विजेता रहा।

अंतिम दिन हुआ कार्यक्रम का समापन

पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह अंतिम दिवस 20 दिसम्बर प्रातः 11 बजे से सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि - देवीप्रसाद मूंदड़ा व गोविन्द माहेश्वरी (कोटा) डायरेक्टर ऐलन केरियर इन्स्टीट्यूट थे। विशेष अतिथि के रूप में सुशील बाहेती, रमाशंकर झंवर, हरिकिशन राठी व कैलाश काबरा, पुष्पा मूंदड़ा उपस्थित थे। श्री माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि बौद्धिक व मानसिक शक्ति के सशक्तिकरण में यह सुन्दर प्रयास है। कैलाश काबरा ने कहा कि उर्जिता कार्यक्रम हमारी बहनों को उर्जा प्रदान करेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी ने कहा कि कण-कण में भगवान बसते है। इतना बड़ा कार्यक्रम कोलकाता द्वारा किया गया। आयोजक वृहत्तर कोलकाता प्रदेश की टीम का इस अवसर पर सम्मान किया गया।

व्यवस्थाओं को सभी ने सराहा

कार्यक्रम में विशेष सरला काबरा, मंजू कोठारी, निर्मला मल्ल, सीमा भट्टड़, वर्षा मूंदड़ा, कृष्णा मूंदड़ा, शोभा लखोटिया, रेखा मिमानी, वर्षा डागा, सोनाली मूंदड़ा, निशा लड्ढा का रहा। इसमें शोभा सादानी की विशेष लगन व परिश्रम की भी सभी ने सराहना की। इन्द्रा-कमल गांधी, जोधराज लड्ढा, सूरज लड्ढा एवं श्रीमती रत्नादेवी रामेश्वर जी काबरा (आर.आर. केबल) का विशेष सहयोग रहा। इस 6 दिवसीय कार्यक्रम में लजीज भोजन के साथ-साथ मंनोरंजन से सभी सदस्याऐं अभिभूत हुईं।

परिचर्चा में उभरे बदलते दौर के स्वर

सभी प्रतिभागियों ने अपने दृष्टिकोण से सशक्तिकरण को परिभाषित किया। श्रीमती वंदना ने निर्णय लेने की क्षमता व स्वतंत्रता को सशक्तिकरण माना। श्रीमती अनुराधा का कहना था स्वतंत्रता स्वछंदता या उच्छंखलता न बने। श्रीमती रजनी ने पुरातनकाल की ओर ध्यान इंगित करते हुए बताया कि स्त्री तो शक्ति का ही रूप है। श्रीमती शांता ने भी इस पारंपरिक मत का समर्थन करते हुए अपनी बात कही। लगभग सभी प्रतिभागियों का मत था कि माता-पिता स्वयं उदाहरण बनेंगे तो बच्चे अच्छी बातें अवश्य ग्रहण करेंगे। लड़के-लड़कियों की परवरिश में अंतर को जहां कुछ प्राकृतिक कारणों से सही भी माना, वहीं बदलते घर बाहर के मापदंडों को ध्यान में रखते हुए यह मत सामने आया कि हम लड़कियों को बदलते माहौल के अनुसार ढालने की कोशिश तो कर रहे हैं किंतु लड़कों को नहीं। आवश्यकता है तो लड़कों को भी अधिक संवेदनशील बनाने की, गृह कार्य के मूल मंत्र समझाने की तथा हर स्त्री (माँ-बहन-पत्नी-पुत्री) को स्वयं से कम नहीं अपितु बराबर समझने की। केवल पढ़-लिखकर ऊंची डिग्री हांसिल करना ही नहीं, समझदारी व घर-बाहर दोनों के प्रति कर्तव्यपरायणता भी आवश्यक है। समानता ही नहीं, सामंजस्य पर जोर देना होगा। 50 वर्ष की आयु के बाद के जीवन पर भी प्रकाश डाला। पारिवारिक रिश्तों को लेकर भी चर्चा हुई।

कोलकाता में आयोजित अभा माहेश्वरी महिला संगठन का कार्यक्रम 'उर्जिता 2017' वास्तव में महिलाओं में नव ऊर्जा का संचार करने वाला सिद्ध हुआ। इसमें उन्हें अपने प्रतिभा को प्रदर्शित करने अवसर प्रदान करने का प्रयास भी किया गया। आईये जाने महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी से इस आयोजन को लेकर उनके मन की बात।

महिला संगठन का अनूठा प्रयास था ऊर्जिता 2017

उर्जिता 2017 (खेल महोत्सव) एवं प्रथम कार्यकारिणी बैठक की सुंदर सफलता को समेटकर हम कोलकाता से लौटे हैं। सत्रारंभ में हमने संगठन से एवं अपने आप से वादा किया था कि हम समाज की युवा बहनों को प्रतिभा प्रसारण के भरपूर अवसर देंगे। युवा पीढ़ी जो संगठन से विमुख होती जा रही है, उसे संगठन से जोड़ेंगे क्योंकि युवा पीढ़ी जिस समाज का हिस्सेदार नहीं बनती वह समाज लुप्तप्रायः हो जाता है। माहेश्वरी बहनें एवं बच्चियाँ खेलकूद के प्रति उनकी क्षमता उर्जित करने के लिए हमारी सुकीर्ति समिति की प्रभारी प्रमुख सोनानी मूंदड़ा ने आगे बढ़कर यह बीड़ा उठाया। उनकी कार्यक्षमता, सम्यक सोच, निष्ठा एवं लगन से संगठन पूर्ण परिचित था। जैसे ही उन्होंने इस खेलकूद महोत्सव की विस्तारित रूपरेखा प्रथम पदाधिकारी बैठक एवं सदन के सम्मुख रखी उत्साह व उमंग की लहर दौड़ पड़ी। अपनी समिति संयोजिका अरुणा लड्ढा, अन्नू बाहेती, विभा राठी, मोनिका आदि के साथ बैठकर विस्तृत विचार विमर्श के साथ मास्टर प्लान प्रस्तुत किया। पांच अंचल से पांच टीम, प्रदेश समितियाँ भी जुट गईं। हर प्रदेश ने प्रतियोगिताओं द्वारा आंचलिक टीम बनाई। नवयुवतियों का उत्साह चरम सीमा पर था। टीम मैनेजर जवाबदारी से जुड़ गए। प्रदेशाध्यक्ष, आंचलिक उपाध्यक्ष एवं संयुक्त सचिव अपनी टीम को उन्नत बनाने के प्रयासों में जुट गए। अंतरराष्ट्रीय खेलों की तर्ज पर खिलाड़ियों के रहने, खाने पीने एवं खेलने की अप्रतीम व्यवस्था की गई। प्रोफेशनल रैफरी बुलाए गए एवं स्वस्थ माहौल में क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, कैरम, चैस को प्रतियोगिता का हिस्सा बनाया गया।

उत्साह का पर्याय बना शुभारंभ

पांच दिन चलने वाले इस खेल महोत्सव का उद्घाटन जब विश्व विख्यात बॉक्सर मैरीकॉम ने किया तब उत्साहवर्धन चरम सीमा पर पहुँचा। मैरीकॉम ने 40 मिनट के अपने उद्बोधन में खेल का महत्व नारीशक्ति की चुनौतियाँ, सकारात्मक सोच के महत्व से खिलाड़ियों को अवगत कराया। मार्चपास्ट में समाज की दो विशिष्ट खेलकूद प्रतिभा की धनी बेटियों ने मशाल उठाई। मैरीकॉम ने मशाल प्रज्वलित कर जब उद्घाटन की घोषणा की तब कार्यक्रम का स्वरूप एवं सदन उत्साह अर्निवचनीय बन गया। चैंपियनशीप ट्रॉफी, खेल ट्रॉफी, वीमेन ऑफ द ईयर, व्यक्तिगत ट्रॉफी, सर्टिफिकेट, केश प्राइज से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। स्पेस क्लब के मालिकों एवं अधिकारियों ने इसे संभव बनाया। जाते वक्त हर खिलाड़ी यही पूछ रहा था, अब वापस यह आयोजन कब होगा। हर साल कीजिये, हर प्रदेश में कीजिये, जिलों, स्थानों में कीजिये जिससे हमारी तरह और बहुत से खिलाड़ी लाभ उठा सकें। हमारी कार्यकारिणी ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस अलख को हम स्थान-स्थान तक पहुँचाएँगे। हमारी सफलता, संतोष और सोच का इससे बढ़कर इनाम और क्या हो सकता है।

प्रथम कार्यकारिणी बैठक का पंद्रह तारीख सुबह विघ्नहर्ता गणेशजी के पूजन एवं भोग से शुभारंभ हुआ। संध्या आकर्षण रंगारंग कार्यक्रम के मध्य उद्योग मेले का आरंभ हुआ। 16 दिसंबर सुबह कार्यकारिणी बैठक आरंभ हुई। 17 दिसंबर की सुबह स्पेस क्लब में खेलों का प्रारंभ एवं विदुषी सरला बिरला प्रांगण में कार्यकारिणी बैठक दस से 12 बजे तक चली।

सशक्त नारी सुदृढ़परिवार-परिसंवाद

12 बजे प्रारंभ हुआ एक उच्चस्तरीय परिसंवाद, व्यासपीठ पर हमारी अपनी ही बहनें वे विदुषी बनहें जो पिछले एवं इस सत्र में हमारे साथ जुड़ी हैं। मुख्य अतिथि थीं हमारी अपनी मां रत्नीदेवी काबरा एवं विद्वान छपते-छपते अखबार एवं टीवी चैनल के नेवरजी थे। संचालन किया सुश्रीता समिति की संयोजक डॉ. उर्वशी साबू ने जो दिल्ली यूनिवर्सिटी में इंग्लिश लिट्रेचर की प्रोफेसर विचारक, उच्च कोटि की लेखक एवं वक्ता तथा बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी हैं। मनावैज्ञानिक के तौर पर सुलेखा समिति की संयोजिका डॉ. अनुराधा जाजू आप स्वतंत्र

व्यवसाय में है, परिवार एवं व्यवसाय की जवाबदारी सहज ढंग से उठा रही है एवं सर्टिफाइड मनोवैज्ञानिक हैं, काउंसलर है। एनजीओ से जुड़ी हैं। डॉक्टर के रूप में उपस्थित थीं सर्जन डॉ. रजनी लखोटिया हमारी सौष्ठा समिति की संयोजिका, पेशे से सर्जन, मास्टर्स इन वोकल म्यूजिक एवं भगवत गीता तथा रामचरित मानस के माध्यम से जीवन दर्शन समझाने वाली मुख्य वक्ता। बिजनेस वूमन वंदना लड्ढा जो परिवार के साथ-साथ ट्रांसपोर्ट जैसा कठिन व्यवसाय संभाल रही हैं। गृहिणी एवं वरिष्ठ महिला का प्रतिनिधित्व कर रही थीं शांता सारडा।

उपादेयता पर खरा उतरा

इसकी उपादेयता मात्र इससे स्पष्ट हो सकती है कि 12 से 2 बजे तक होने वाले इस परिसंवाद को सदन खत्म ही नहीं होने दे रहा था। जब हमने कहा कि भोजन का समय हो गया है तो बहनों का उत्तर था कि पेट की भूख तो रोज शांत करते हैं, दिल दिमाग की भूख आज शांत होने दीजिये। 3.30 घंटे सदन में संपूर्ण शांति, प्रश्नोत्तर के दौर, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि द्वारा समीक्षा। महिलाओं की शंका का समाधान दूसरे दिन तक चलता रहा। एक स्तरीय परिसंवाद जो समाज को सही दिशा प्रदान करेगा।

महिलाओं ने सीखे मार्केटिंग के गुर

मेले में भाग लेने वाली एवं कोलकाता में बुटिक चलाने वाली बहनों ने अपने वस्त्रों को प्रदर्शन आकर्षक फैशन शो द्वारा किया। हमारा उद्देश्य था कि हम अपनी बहनों का सामान खरीदकर उनका उत्साहवर्धन करें एवं एक ई मार्केटिंग की शृंखला को आगे बढ़ाएंगे। सुश्रीता समिति प्रमुख गिरिजा सारडा एवं संयोजिकाओं शोभा लाहोटी, नम्रता बियानी, उर्वशी साबू, नीलिना मंत्री, स्वाति काबरा की मेहनत और सोच रंग लाई। एमआइटएक्सपो एवं इंडिया हाट के रूप में उद्योग मेले का आयोजन सफल रहा। कुछ असामाजिक तत्वों ने परेशान किया किंतु सुश्रीता समिति व आयोजकों ने इसे संभाल लिया।

कलाकारों ने मन मोहा

सुरभि समिति के अंतर्गत अनेकता में एकता एवं माहेश्वरी समाज का अपनी कर्मभूमि से जुड़ना उसे आत्सात करना उसमें रच-बस जाना दर्शाया लोकनृत्य प्रतियोगिता ने। 20 से 68 वर्ष तक बहनों ने इस नृत्य स्पर्धा में भाग लिया। मशहूर नायिका रानी हजारिका ने अपनी लोक संगीत गायिकी से बहनों का उत्साहवर्धन किया। कार्यकारिणी बैठक का तृतीय दिन प्रदेश अध्यक्षों एवं सचिव की कार्यवृतांत वाचन से आरंभ हुआ। तीन मिनट में बहनों ने अपने विशद कार्यों को गागर में सागर भर प्रस्तुत किया। युवा बहनों में पाक कला के प्रति रुचि बढ़ाने हेतु पाक प्रतियोगिता का आयोजन प्रोफेशन हाउस वाइफ स्माल किड्स कैटेगिरी में किया गया। साथ ही मशहूर पाक विशेषज्ञ शोभा ईनानी की कुकिंग वर्कशॉप रखी गई।

नारी सशक्तीकरण का उत्साह

सुषमा समिति के अंतर्गत नारीसशक्तीकरण हेतु बहनों द्वारा लिखकर कव्वाली के रूप में जब प्रस्तुत किया गया तो पूरा सदन झूम उठा। कमला मोहता एवं उनकी टीम से वर्षा डागा, सुनीता तापड़िया ने कार्यक्रम को सफलता प्रदान कराई। कोलकाता की बहनों ने सुंदर नृत्य नाटिका पेश की। इमेज कंसल्टेंट डॉ. समीरा गुप्ता जिन्हें विशेष रूप से दिल्ली से आमंत्रित किया था उन्होंने बहनों को व्यक्तित्व विकास, सुंदर छवि निर्माण के गुर बड़े ही सहज एवं सरल ढंग से महिलाओं को जोड़ते हुए समझाए। 19 दिसंबर को बहनों का उत्साह फूट पड़ा रहा था क्योंकि सभी खेलों के फाइनल हो रहे थे। बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए बहनों की भीड़ कोर्ट ग्राउंड में उमड़ पड़ी। उत्साह और मस्ती का सुंदर आलम था। शाम 7 बजे संपूर्ण खेल संपन्न हुए। खिलाड़ी की भावना के साथ हार जीत को भुलाकर खिलाड़ियों एवं संगठन की बहनों से कैंप फायर का आनंद एक-दूसरे से घुल-मिलकर उठाया।

सभी के साथ ने किया सफल

20 दिसंबर की सुबह समापन समारोह रानी काबरा, लता मोहता, पुष्पा मूंदड़ा, गोविंद माहेश्वरी, कमल गांधी, काबराजी (असम), उमाशंकर झँवर, देवीप्रसाद मूंदड़ा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। पांच दिनी यह कार्यक्रम बहुआयामी प्रयोजनों के साथ पूरा हुआ। इसकी सफलता संगठन की बहनों की अथक मेहनत का प्रयास है और यदि कोई कमी रह गई हो तो वो मेरी सीमित सीमाएँ हैं।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

बिजकॉन–2018 का होगा आयोजन

देश विदेश की ख्यात हस्तियाँ दिखाऐंगी व्यवसाय की नई राहें

सूरत. समाज के उभरते हुए उद्यमियों द्वारा स्थापित संस्था द्वारा " बिजकॉन-2018" का आयोजन आगामी 13 जनवरी को सूरत के "द ग्रांड भगवती" में होगा। इसमें कई ख्यात वक्ता तो अपने व्यक्तव्य से मार्गदर्शन देंगे ही साथ ही समूह चर्चा में व्यवसाय की नवीन राहें भी दिखाई देंगी।

"बिजकॉन" का आयोजन गत कुछ वर्षों से प्रतिवर्ष हो रहा है। इस बार इसका आयोजन सूरत में हो रहा है। इसके आयोजन में बिजकॉन के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश लखोटिया, चेयरमैन श्याम राठी, कोचेयरमैन नवल राठी तथा चीफ कोर्डिनेटर मनीष जाजू प्रमुख भूमिका निभाऐंगे। इसमें शामिल होने के लिए पंजीयन शुल्क पुरुष-2500 रुपए, महिला-2000 रुपए तथा विद्यार्थियों के लिये 1500 रुपए रखा गया है। उपलब्ध होने पर स्थानीय माहेश्वरी भवन में आवास व्यवस्था हो सकेगी।

कई ख्यात हस्तियों का साथ

इस आयोजन का प्रमुख प्रस्तुतकर्ता "आरआर ग्लोबल (रामरत्न ग्रुप) होगा। प्लेटीनम स्पॉन्सर 'जय जगदंबा इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स लि.' तथा सिल्वर स्पॉन्सर 'सूर्या एक्सिम लि'., 'एमआईजी पुणे', 'माहेश्वरी स्टार्टअप फाउंडेशन (एमएसएफ) पुणे' तथा 'वेंचर मेंटर्स' होंगे। इस आयोजन में सुबह 8.31 से 4.30 शाम तक देश के कई ख्यात वक्ता अपना मार्गदर्शन देंगे। इनमें रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर एस.एस. मूंदड़ा, सारड़ा इनर्जी एंड मिनरल्स लि. के सी.एम.डी. कमल किशोर सारडा, आर.आर. कॉबेल लि. के एम.डी. श्रीगोपाल काबरा, रिलायंस केपिटल के सलाहकार मधुसूदन केला, स्वीस सिंगापुर ओवरसिज के एम.डी. राजेश सोमानी, मानधन रिटेल वेंचर लि. के एम.डी. मनीष मानधना तथा वेगा ऑटो एसेसरीज प्रा.लि. के एम.डी. दिलीप चांडक जैसी ख्यात हस्तियाँ शामिल हैं। ये अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में अपने व्याख्यान द्वारा मार्गदर्शन प्रदान करेंगें।

समूह चर्चा से भी मार्गदर्शन

इसमें शाम 5.10 बजे से रात 8.30 बजे तक डिनर तक सत्र "एरिया ऑफ इन्ट्रेस्ट" के अंतर्गत ग्रुप डिस्कशन में विभिन्न उद्योग क्षेत्र की विभूतियों के साथ समूह चर्चा का अवसर मिलेगा। इसमें "ई-व्हीकल, चार्जिंग स्टेशन व रिनीवेबल एनर्जी" के अंतर्गत अनुराग मूंदड़ा, इंदौर तथा बजरंग लोहिया-पुणे, "इन्फार्मेशन टेक्नॉलोजी एंड मीडिया" में आनंद दम्मानी इंदौर, अश्विन चांडक-पुणे तथा कपिल माहेश्वरी, "एग्रीकल्चर-फूड इंडस्ट्री" के अंतर्गत महेश पेड़िवाल -कोलकाता, रमाकांत कासट तथा आनंद करवा-पुणे, "इम्पोर्ट" में गिरधर झंवर-चाईना, ललित पड़िवाल-पुणे तथा पंकज माहेश्वरी, "कोलाबरेशन एंड सी.एस.आर." में जितेंद्र मुछाल-यूएसए, बी.आर. जाजू-मुंबई तथा योगेश बिड़ला-जोधपुर, "फायनेंस एंड इन्वेस्टमेंट स्ट्रेट्जीस" में आशीष माहेश्वरी, गोविंद झंवर तथा योगेश बिड़ला जोधपुर, "स्किल डिवलपमेंट" में राजेंद्र तापड़िया-पुणे तथा राजेश माहेश्वरी के साथ समूह चर्चा में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। इसमें सदस्य अपनी इच्छानुसार क्षेत्र का चयन कर सकेंगे।

नव उद्यमियों के प्रोत्साहन के लिये बहुत कुछ

पारिवारिक व्यवसाय को नई पीढ़ी के साथ कैसे चलाया जाए और पुरानी पीढ़ी नई "टेक सेवी" पीढ़ी को अपने अनुभवों से कैसे मार्गदर्शन प्रदान करें? इसको लेकर "क्रिएटिव थियेटर परफार्मेंस" के अंतर्गत दोपहर 2.01 से 2.30 बजे तक प्रदर्शन किया जाएगा। उद्यमियों के लिए माहेश्वरी स्टार्टर्स फाउंडेशन द्वारा बनी युवाओं के नये बिजनेस आयडियाज को प्रोत्साहन देने के लिये "हूज द स्मार्टेस्ट स्टार्टअप ऑफ द कान्टेस्ट" का भी आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का विशेष आकर्षण डायमंड फैक्ट्री भ्रमण, सूरत में व्यवसाय के अवसर, फ्रेंचाईजी अवसर तथा नेटवर्किंग डिनर होगा।

महासभा करेगी 'सोमनाथ सम्मेलन' का आयोजन

अभा माहेश्वरी महासभा की बैठक का होगा आयोजन, बेवसाइट से भी देंगे जानकारी

वडोदरा. अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र की चतुर्थ कार्यसमिति बैठक का आयोजन आगामी 24 फरवरी तथा तृतीय कार्यकारी मंडल बैठक का आयोजन 25 फरवरी 2018 को सोमनाथ सम्मेलन के रूप में सोमनाथ में होगा। इस बैठक का आयोजन गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा के संयोजन में होगा।

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष त्रिभुवन काबरा तथा मंत्री कृष्णकुमार चांडक ने बताया कि अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान सत्र की चतुर्थ कार्यसमिति तथा तृतीय कार्यकारी मंडल बैठक के संयोजन का सुअवसर प्रदेश को मिला है। इसका आयोजन प्रथम ज्योतिर्लिंग स्थल श्री सोमनाथ धाम के पावन सान्निध्य में होगा। इसके लिए प्रदेश सभा ने अपनी तैयारियाँ प्रारंभ कर दी है। इस आयोजन के स्वागत अध्यक्ष सुरेशचंद्र मूंधड़ा तथा स्वागत मंत्री राधेश्याम मणियार होंगे। इस आयोजन के संयोजन में महासभा के सहमंत्री शरद गट्टानी तथा कार्यसमिति सदस्य श्यामसुंदर राठी प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

ऐसी होगी व्यवस्था

इस बैठक "सोमनाथ सम्मेलन" की व्यवस्थाओं को लेकर एक बेवसाइट भी तैयार की जा रही है। इसके अंतर्गत सभी कार्यक्रम "श्री सोमनाथ माहेश्वरी भवन" प्रभास पाटन सोमनाथ में आयोजित होंगे। इस कार्यक्रम स्थल से मंदिर की दूरी अधिकतम आधा किमी ही है। अधिकतम आवास व्यवस्था यहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त आवास व्यवस्था इससे 1 किमी दूरी में ही रहेगी। आवास व्यवस्था कार्यसमिति सदस्यों के लिए 23 फरवरी सुबह 11 बजे से 26 फरवरी सुबह 10 बजे तक तथा कार्यकारी मंडल सदस्यों के लिए 24 फरवरी सुबह 11 बजे से 26 फरवरी सुबह 10 बजे तक रहेगी। आवास व्यवस्था सिर्फ सदस्यों के लिए ही रहेगी। साथ आने वाले मेहमानों की आवास व्यवस्था उन्हें स्वयं करनी होगी। वापसी यात्रा की भोजन व्यवस्था पूर्व सूचना पर उपलब्ध रहेगी।

कैसे पहुँचें

सोमनाथ देश के लगभग अधिकांश शहरों से रेलमार्ग से भी सम्बद्ध है। आयोजन संस्था द्वारा सोमनाथ आवागमन के लिए रेल समय सारिणी भी प्रेषित की गई है। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन सोमनाथ व वेरावल है। यातायात समिति के सदस्य आगंतुकों का स्वागत दोनों रेलवे स्टेशन पर करेंगे। सुबसे नजदीकी एयरपोर्ट पोरबंदर व राजकोट है। एयरपोर्ट से सोमनाथ तक की व्यवस्था आपको स्वयं करनी होगी। सोमनाथ के लिए अहमदाबाद व राजकोट से टू बाय टू व शयन बस सेवा जीएसआरटीएस तथा प्राइवेट बस की नियमित सर्विस है। सदस्य कार से यात्रा करना चाहें तो वह सुविधा भी टूर ट्रेवल ऑपरेटर द्वारा सशुल्क रहेगी। व्यवस्था की अधिक जानकारी के लिए कृष्णकुमार चांडक, श्यामसुंदर राठी व शरद गट्टानी से संपर्क किया जा सकता है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का कोई विकल्प नहीं – भूतड़ा

उज्जैन। राजस्थान में मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का कोई विकल्प नहीं है। उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में पहले से ज्यादा सीटों पर चुनाव जीत कर बहुमत प्राप्त करेगी।

यह बात राजस्थान भाजपा के कोषाध्यक्ष एवं माहेश्वरी समाज के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने उज्जैन आगमन पर चर्चा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में वसुंधरा राजे सिंधिया ने प्रदेश में जो विकास कार्य किए हैं और आमजन को कल्याणकारी योजना का लाभ दिलवाया है उससे भाजपा का जनाधार और बढ़ा है। जब उनसे पूछा गया कि मुख्यमंत्री से पार्टी कुछ नेताओं की नाराजगी बनी हुई है। इस पर उन्होंने कहा कि हो सकता है कुछ नेता नाराज हो, लेकिन चुनाव में सभी पार्टी के साथ रहते हैं। श्री भूतड़ा का श्री माहेश्वरी टाईम्स उज्जैन कार्यालय आगमन पर सम्पादक पुष्कर बाहेती, नवल माहेश्वरी, रामवल्लभ भूतड़ा, सीताराम भूतड़ा, जितेंद्र शर्मा (अलवर) एवं अन्य समाजजनों ने स्वागत किया। भूतड़ा ने उज्जैन में श्री महाकालेश्वर के दर्शन भी किए।

श्री बागड़ी का हुआ अभिनंदन

नागपुर. लायंस क्लब ऑफ नागपुर द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन में किया गया। कवि अशोक चक्रधर, हरिओम पंवार, डॉ. कीर्ति काले, जानी बैरागी, सुदीप भोला व डॉ. महेश तिवारी आदि ने अपनी कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को समां बांध दिया। मंच पर लायन शरद बागड़ी, गिरीश व्यास, सांसद अजय संचेती, अनिल सोले आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस व केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी उपस्थित थे। शरद बागड़ी को विभिन्न संस्थाओं से समाजसेवा में कई राष्ट्रीय पुरस्कार 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर', 'वेल्थ क्रियेटर ऑफ डिकेड', 'समाज-रत्न', 'समाज-भूषण', 'समाजसेवा-गौरव', 'जीवन गौरव' आदि प्राप्त हुए हैं। इन राष्ट्रीय पुरस्कारों का सम्मान करते हुए मंच पर उपस्थित सभी सांसद, आमदार व लायंस क्लब की ओर से विधायक गिरीश व्यास के हाथों शॉल-श्रीफल व स्मृति चिह्न से सत्कार किया।

सोमानी दाल बाजार व चैंबर ऑफ कॉमर्स सदस्य निर्वाचित

ग्वालियर. पिछले 53 वर्ष पुरानी दाल बाजार व्यापार समिति ग्वालियर के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें माहेश्वरी समाज के अश्विनीकुमार सोमानी सदस्य निर्वाचित हुए। उल्लेखनीय है कि दाल बाजार में मात्र केवल 2 माहेश्वरी मतदाता है। श्री सोमानी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंण्डस्ट्रीज ग्वालियर के भी कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इसके साथ जिला माहेश्वरी समाज उपाध्यक्ष व माहेश्वरी मित्र मंडल सचिव एवं बिरला नगर माहेश्वरी समाज ग्वालियर उपाध्यक्ष के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

राठी दम्पत्ति बने अध्यक्ष

उज्जैन. समाजसेवी नरेंद्र-शीला राठी सत्र 2017-18 के लिए माहेश्वरी सोशयल क्लब के सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए हैं। इस नियुक्ति पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सोडानी बंधु खेल रत्न से सम्मानित

भीलवाड़ा. ड्रॉप रॉ बॉल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर आई भारतीय टीम के कप्तान मोहित सोडानी एवं राजा ठाकुर सोडानी का सम्मान किया गया। अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब की भीलवाड़ा शाखा के तत्वावधान में सम्मान समारोह में भारतीय टीम के दोनों विजेता गोल्ड मेडलिस्ट कप्तानों को माहेश्वरी खेल रत्न अवॉर्ड भेंट किया गया। साथ ही अवॉर्ड के साथ प्रत्येक को पूर्व घोषित 21-21 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। इस राशि को दोनों खिलाड़ियों ने समाज के खेल विकास के लिए वापस भेंटकर दिया। दोनों खिलाड़ियों की दादी गीतादेवी सोडानी को भी उपरणा व सम्मान पत्र भेंटकर किया गया। अध्यक्षता क्लब के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश सोनी ने की। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष कुसुम राकेश जागेटिया एवं विशेष अतिथि संगठन सचिव खुशी राकेश देवपुरा एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट श्रद्धा सोमानी थे।

उत्कृष्टता अपना बखान खुद करती है। उत्कृष्टता हो तो उसके बारे में बताने की ज़रूरत नहीं होती। जहाँ बखान करने की ज़रूरत पड़े, वहाँ उत्कृष्टता आपको शायद ही मिले ?

श्रद्धांजलि अर्पित

रमेश-उर्मिला खडलोया (पुत्र-पुत्रवधू)
आशिश-मिनाक्षी खडलोया (पौत्र-पौत्रवधू)
अंकित-अंकिता खडलोया (पौत्र-पौत्रवधू)
पदमा-गोविन्दलाल लाहोटी (पुत्री-दामाद)
लक्ष्मीकांता बांगड़ (पुत्री)

फर्म - बछराज बद्रीनारायण खडलोया
2-4-118, रामगोपाल पेठ, सिकंद्राबाद - 500003
फोन - 98490-77450

युवा संघ ने किया प्रीमियर लीग का आयोजन

बैंगलोर. माहेश्वरी युवा संघ ने गत 17 दिसंबर को बैंगलोर यूनिवर्सिटी ग्राउंड पर माहेश्वरी प्रीमियर लीग 2017 क्रिकेट स्पर्धा का सफल आयोजन किया। प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक राठी ग्रेनाइटस के राकेश राठी और सह प्रायोजक तुलसीराम सारड़ा थे। कुल 8 टीमों ने प्रतिस्पर्धा में भाग लिया और फाइनल 'दे घुमा के' और 'तीन गुना लगान' के बीच खेला गया। यहां रोमांचक मुकाबले में तीन गुना लगान ने 15 रनों से जीत दर्ज की। उद्घाटन शांतिलाल गिल्डा, माहेश्वरी सभा अध्यक्ष बसंतकुमार सारड़ा, महिला मंडल उपाध्यक्षा कांता काबरा, युवा संघ अध्यक्ष रविकांत राठी, सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन बद्रीनारायण भंडारी, फाउंडेशन अध्यक्ष गौरीशंकर सारड़ा और सौहार्द को-ऑपरेटिव बैंक उपाध्यक्ष सुरेशकुमार लखोटिया ने किया। कार्यक्रम का संचालन अमित माहेश्वरी और सुनील सारड़ा ने किया। अनिल सारड़ा, अंकित लोहिया, अरविंद लोया, कृष्णा लाहोटी, वेदांत सामरिया, धीरज काबरा, दीपक मंत्री, प्रतीक हेड़ा आदि का विशेष योगदान रहा।

भूतपूर्व प्राचार्य श्री सी.के. झंवर उर्फ चंपालाल झंवर और शांताबाई झंवर

इनके विवाह की 63वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

और उत्तम स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना

चंपालाल झंवर और शांताबाई झंवर

-: विनित :-

पुत्र :	सारंग चंपालाल झंवर B.E., M.E.
पुत्री/ दामाद :	डॉ. सौ. कुसुम शारदा DGO एवं डॉ. चंद्रभानजी शारदा M.D. जयपुर
पुत्री/ दामाद :	डॉ. सौ.आरसी जाखोटीया एवं रामरतनजी जाखोटीया CA
पुत्री/ दामाद :	डॉ. सौ. अनुपमा सादाणी एवं डॉ. राजेश सादाणी, M.D.खोपोली राजनांदगांव
पुत्री/ दामाद :	सौ. साधना आसावा एवं श्री. सुनील वाय. आसावा, B.E. लातूर
दोहीते :	डॉ. सौरभ शारदा M.D. SR In AIIMS दिल्ली
	डॉ. रोहित जाखोटिया Final M.D. पुणे
दाहेती :	डॉ. रीधिमा जाखोटिया Doing M.D. पुणे
	डॉ. सोनम शारदा Final M.D. जयपुर
दोहीती :	डॉ. अंकिता सादाणी B.D.S. राजनांदगांव
	कु. एकता आसावा M.C.A. Doing Job in Bombay
दोहीते :	शुभम आसावा Final B.E. पुणे
दोहीती :	कु. अंशु सादाणी B.E. (Com.) Doing Job in Hydrabad
दोहीता :	चि. अनमोल सादाणी Studing M.B.B.S. Second Year
दोहीता :	चि. सार्थक सादाणी B.E. (Mech.)

नवीन कार्यकारिणी ने ग्रहण की शपथ

बेल्लमपल्ली. मचीरीयाल (के श्रीनिवासन) मंचिर्याल जिले के बेल्लमपल्ली माहेश्वरी समाज की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि आदिलाबाद जिले के माहेश्वरी समाज अध्यक्ष मूलचंद चितलांगी थे। इस अवसर पर संगठन के गौरव अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद सारड़ा, मुख्य सलाहकार घनश्यामदास लोहा, नंदलाल लाहोटी अध्यक्ष बालाप्रसाद सोनी, उपाध्यक्ष वेणुगोपाल झँवर, मंत्री राधेश्याम लाहोटी, कोषाध्यक्ष कमलकिशोर बजाज, सदस्य रामगोपाल लोया, बृजगोपाल लोया, रामायण जू सोनी, कमलकिशोर सारडा, बालाप्रसाद लोया, राजेश सोमानी, श्यामसुंदर बंग आदि पदाधिकारी मौजूद थे। मंच संचालन व आभार प्रदर्शन नथमलमल चांडक ने किया।

लखानी बने एशिया के बिजनेस लीडर

नईदिल्ली. गत दिनों कुआलालम्पुर मलेशिया में "एशियन बिजनेस लीडर्स कॉन्क्लेव 2017" का आयोजन हुआ। इसमें "विश्वराज ग्रुप" के अध्यक्ष व एमडी अरुण लखानी को "मोस्ट प्रॉमिसिंग बिजनेस लीडर ऑफ एशिया" के सम्मान से नवाजा गया। उन्हें मलेशिया के इंटरनेशनल ट्रेड व इंडस्ट्री मंत्री दातुक सेरी मुस्तफा मोहम्मद ने यह अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर भारत के साथ ही चीन, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, इंडोनेशिया, यूएई तथा ताइवान देशों के शीर्ष उद्योगपति उपस्थित थे।

श्री धनुर्मास उत्सव का हुआ आयोजन

पुणे. गत 16 दिसंबर से 14 जनवरी तक (मकर संक्रांति) तक धनुर्मास उत्सव श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर में मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत स्रोत पाठ सुबह 5.15 बजे, मंगला आरती सुबह 5.30 बजे, भोग (नेवैद्य) सुबह 6.30 बजे, श्री भगवान की आरती सुबह 6.50 बजे तथा प्रसाद वितरण सुबह 7.45 बजे होगा। आरती के बाद सुबह 6 बजे से 31 दिसंबर से 11 जनवरी तक प्रभात फेरी निकालेगी। उक्त जानकारी कार्य विश्वस्त हरिकिशन राठी, अध्यक्ष सुरेश नावंदर तथा सचिव रमेशचंद्र झँवर ने दी।

परिस्थितियों का उचित ढंग से सामना करने वाला व्यक्ति ही कार्यों को अच्छी तरह से संपन्न करता है?
'अपनी प्रतिभा पर यक़ीन करें'

'युवा मन' में दिखाई उद्योगों की राज

रायपुर. गत 23, 24 दिसंबर को माहेश्वरी समाज के 2 दिवसीय कार्यक्रम ''युवा मन'' में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल उपस्थित थे। इस बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन माहेश्वरी युवाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक करने हेतु किया गया था। अपने संक्षिप्त उद्‌बोधन में श्री अग्रवाल ने युवाओं को औद्योगिक निवेश हेतु शासन प्रशासन की नीतियों के माध्यम से हर संभव सहायता प्रदान करने तथा उद्योग लगाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के प्रदेशाध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा, उपाध्यक्ष विजय दम्मानी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव चांडक, अखिल भारतीय सभा उपाध्यक्ष मोहनलाल राठी, महिला संगठन अध्यक्ष आशा डोडिया, प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष राजेश मंत्री, युवा संगठन महामंत्री स्वराज माहेश्वरी, युवा संगठन उपाध्यक्ष भरत तोतला, संगठन मंत्री दीपक चांडक सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन एवं युवाजन मौजूद थे।

पोष बड़ा महोत्सव का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. काशीपुरी वकील कॉलोनी, माहेश्वरी महिला मंडल एवं शारदा दरगड़ द्वारा पौष काशीपुरी राधा-कृष्ण मंदिर में पौष बड़ा महोत्सव मनाया गया। अध्यक्ष गायत्री बिड़ला ने बताया कि सचिव शीला जागेटिया एवं सभी सदस्याओं द्वारा आकर्षक झाँकी सजाकर प्रेमपूर्वक प्रसाद वितरण किया गया। सीमा सोनी द्वारा मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी गई।

माहेश्वरी पंचायत के चुनाव सम्पन्न

उदयपुर. माहेश्वरी पंचायत हिरण मगरी के द्विवार्षिक चुनाव गत 1 अक्टूबर को सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष भगवानदास मोहता, कोषाध्यक्ष सुशील समदानी, सचिव महेश आसावा, उपाध्यक्ष रामबाबू खटौड़, सहसचिव बालमुकुंद मंडोवरा, संगठन सचिव अरविंद लाठी, प्रचार सचिव बलवंत काबरा, क्रीड़ा सचिव विनोद सारड़ा, शिक्षा एवं सांस्कृतिक सचिव नरेश तोतला चुने गए।

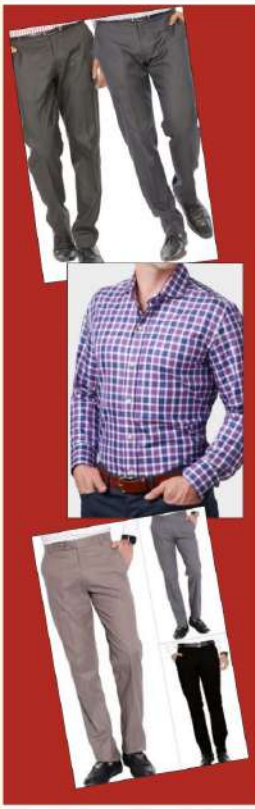

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

सज्जन सिटेक्स प्रा.लि.

F-3, 1st Floor, Nolkha Tower, B.T.M., Bhilwara (RAJ.)
Ph. – 01482-248899, Mo. : 90015-56699

परशराम लढ़ा
94133-56699

संजय लढ़ा
99826-56699

अंकित लढ़ा
90015-56699

नागपुर ने किया कस्तूरचंद डागा का स्मरण

नागपुर. सन् 1855-1917 के बीच के ख्यात उद्योगपति व बैंकर स्व. सर श्री कस्तूरचंदजी डागा का नागपुर नगर निगम तथा डागा परिवार के वंशजों की ओर से 100वीं पुण्यतिथि पर उनके योगदानों का स्मरण किया गया। स्थानीय डागा पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उनके वंशज ख्यात उद्यमी गोविंद डागा ने की। मुख्य अतिथि केंद्रीय सड़क परिवहन व शिपिंग मंत्री नितिन गडकरी तथा विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस थे। अतिथियों ने स्व. श्री डागा के योगदानों पर प्रकाश डाला और लोगों से उनके पदचिह्नों पर चलने की अपील की। उल्लेखनीय है कि उनके योगदानों में शामिल डागा हास्पिटल तथा लेडी अमृताबाई डागा कॉलेज तथा कस्तूरचंद पार्क वर्तमान में शासन के अंतर्गत संचालित होकर आमजन को सतत सेवा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने पैतृक नगर बीकानेर में रेल लाइन डालने हेतु भी आर्थिक सहयोग दिया था।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

शुजालपुर. गत 4 दिसंबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शुभारंभ राठी मोट्र्स प्रमुख अनूप राठी द्वारा किया गया। राठी मोट्र्स पर उपस्थित सभी कर्मचारियों को रक्तदान से संबंधित जानकारी जया माहेश्वरी काउंसलर आईसीटीसी द्वारा दी गई। 8 दिसंबर को एचडीएफसी बैंक एवं सिविल अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. जीएल सोढ़ी सीएमएचओ शाजापुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर आईसीटीसी काउंसरल श्रीमती माहेश्वरी द्वारा लोगों को रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया गया। 15 दिसंबर को हिंदू महासंघ व सिविल अस्पताल के तत्वावधान में शुजालपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती माहेश्वरी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रक्तदान हेतु रक्तदाताओं को प्रेरित किया एवं उनकी भ्रांतियों को दूर किया। कुल 35 यूनिट रक्तदान हुआ।

क्रिएशन 2017 का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. राष्ट्रीय साहित्य संस्कृति कला एवं आधुनिक परिषद के संदर्भ में रचनात्मकर्ता एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों से परिपूर्ण श्री महेश पब्लिक स्कूल के वार्षिक समारोह 2017 का आयोजन महेश पब्लिक स्कूल प्रांगण में किया गया। समारोह का शुभारंभ समिति के अध्यक्ष, सदस्यों एवं समाज के गणमान्यजों द्वारा मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। अध्यक्ष के तौर पर अपना वक्तव्य राधेश्याम चेचाणी ने दिया। समारोह में अभा माहेश्वरी महासभा के उपाध्यक्ष देवकरण गग्गड़, दक्षिण राजस्थान प्रदेश सभा के अध्यक्ष कैलाश कोठारी, जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू, नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया, संस्था उपाध्यक्ष केजी सोनी, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मूंदड़ा, संचालक सदस्रू दिलीप तोषनीवाल, दिनेश शारदा, गोपालदास सोमानी, ओमप्रकाश मालू, रामकुंवर जागेठिया, चंद्रप्रकाश काल्या आदि मौजूद थे।

महिलाओं ने किया कंबल वितरण

वरंगल. माहेश्वरी महिला मंडल एवं राजस्थनी महिला मंडल सदस्यों ने कड़ाके की ठंडी में गरीब राहगीरों को कंबल बांटे। इस तरह के कार्यक्रम हर वर्ष कर रहे हैं। जानकारी देते हुए पूर्व आध्यक्षा चंदा सोनी ने बताया कि कार्यक्रम में माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता मालाणी, मंत्राणी मृधुबाला दरक, राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष मीना लाहोटी, अनीता सोनी, आप्रा माहेश्वरी महिला संगठन उपाध्यक्ष इंदिरा सोनी, शारदा बंग, नीतू बंग, सुमन मनियार, सरिता सोमाणी, शीतल शर्म, विजया जाजू, गीता जाखोटिया, प्रेमा मूंदड़ा सहित कई सदस्याएँ मौजूद थीं।

मूंदड़ा बनी महिला आयोग सदस्या

सीहोर. मप्र राज्य महिला आयोग की नीतिगत बैठक एवं विशेष बैठक में लिए गए निर्णयानुसार सीहोर निवासी प्रियंका मूंदड़ा को मप्र राज्य महिला आयोग की सखी संगिनी समिति की सदस्य चयनित किया गया है। उक्त समिति विकासखंड स्तर पर कार्य करेगी। समस्त स्नेहीजनों ने इस नियुक्ति पर हर्ष जताया है।

जब तक आप दौड़ने का साहस नहीं जुटाओगे, प्रतिस्पर्धा में जीतना आपके लिए असंभव बना रहेगा

संगठन मंत्री काबरा के पुत्र ने किया आदर्श विवाह

ब्यावर. विवाह के नाम पर करोड़ों व्यय कर शान-ए-शौकत परोस कर अपव्यय का आडम्बर करने वाले रइसों को ब्यावर के एक नवयुगल ने प्रेरक सीख देते हुए सादगी से आर्यवृत पद्धति से सप्तपदी कर विवाह रचा कर एक अनुकरणीय प्रेरक की मिसाल कायम की है। विवाह के नाम पर ना तो ढेरों व्यंजन ना चकाचौंध ना शहनाई ना जगमगाती रोशनी और ना ही अतिथियों का भारी भरकम जमावड़ा। ना ही निमंत्रण पत्र, ना घोड़ी ना बाजा, ना दहेज। मात्र घर परिवार के सान्निध्य में बहुत ही सादगी पूर्ण तरीके से जीवनसंगिनी के हस्त पकड़ कर मात्र सात कदम (सप्तपदी) चलकर कुछ ही मिनटों में विवाह की रस्में पूरी कर लीं। अभा माहेश्वरी महासभा के संगठन मंत्री अजय काबरा के सुपुत्र किशनगढ़ निवासी अंकित काबरा व किशनगढ़ निवासी मोना का। उल्लेखनीय है कि अंकित काबरा जौनपुर में कार्यरत हैं। अंकित की जीवनसाथी स्व. श्री श्यामसुंदर मालू की सुपुत्री मोना ने किया है। काबरा परिवार का यूपी के भदौई में वूलन कारपेट का लंबा चौड़ा कारोबार है। इसमें अंकित की सामयिक सामाजिक सोच थी कि विवाह पर फिजूलखर्ची रोककर जो भी पैसा विवाह पर खर्च हो वो रकम निर्धन छात्रों की शिक्षा पर खर्च की जाएगी। इस पावन अवसर पर आशीर्वाददाता के रूप में अभा माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामसुंदर सोनी, महामंत्री संदीप काबरा, समाज के पूर्व राष्ट्रीय सभापति रामपाल सोनी, अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला, महामंत्री रमेश छापरवाल, युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार कालिया, मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष केसरीमल तापड़िया, महामंत्री विजयशंकर मूंदड़ा, अजमेर जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रमाकांत बाल्दी, श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के अध्यक्ष सत्यनारायण हेड़ा, उपाध्यक्ष विष्णुगोपाल हेड़ा, मंत्री दिलीपकुमार जाजू, आर्य समाज ब्यावर अध्यक्ष इंद्रदेव आर्य, नगर परिषद सभापति बबिता चौहान, उपसभापति सुनील मूंदड़ा, मंडल अध्यक्ष जयकिशन बल्दुआ, दिनेश कटारिया, पूर्व विधायक देवीशंकर भूतड़ा, लायंस क्लब के प्रदीप राठी आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

दिव्यांग टीम का किया स्वागत

मुंबई. गौरेगांव स्पोर्ट्स क्लब में देश का पहला दिव्यांग व सिने अभिनेताओं के बीच मैच गत 14 नवंबर को देवरुक्श स्पोर्ट्स इवेंट संस्था एवं केडीसी द्वारा भारतीय दिव्यांग टीम के लिए आयोजित किया गया। इसका सीधा प्रसारण यू ट्यूब चैनल पर विश्व भर में देखा। गौरेगांव स्पोर्ट्स क्लब के सचिव सुनील देवली, किशोर शेट्टी (मुंबई), शैलश लांबे (पुणे), डॉ. नारायण मालपाणी (नारायणचंद्र ट्रस्ट मुंबई अनाथ विद्यार्थी छात्रालय विरार) द्वारा दिव्यांग टीम का स्वागत कर आभार व्यक्त किया गया।

> “जब तक आप दौड़ने का साहस नहीं जुटाओगे, प्रतिस्पर्धा में जीतना आपके लिए असंभव बना रहेगा।”

पश्चिमी उप्र महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

बरेली. पश्चिमी उत्तरप्रदेश के तत्वावधान में बरेली महिला मंडल द्वारा प्रदेश की द्वितीय कार्यसमिति की बैठक गत 19 नवम्बर का 'गीता पैलेस' मारवाड़ी गंज बरेली में आयोजि की गई। स्वागत गान एवं संरक्षिका कुमकुम काबरा के उद्बोधन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम सचिव मंजू हरकुट ने मीरापुर में आयोजित बैठक 'आकर्ष' की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई गई। उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी द्वारा आगामी खेल उत्सव 'उर्जिता' के विषय में बहनों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया। अध्यक्ष विनीता राठी द्वारा ब्रज सुदर्शन यात्रा में सहयोग देने वाली सभी बहनों को धन्यवाद दिया गया। सुदर्शन ब्रज मंडल यात्रा में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से सहयोग देने वाली एवं पूर्व में आयोजित सभी स्पर्धाओं के विजेताओं व प्रतिभागियों को प्रदेश द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया। कासगंज की प्रतिभ रेंदर ने अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला ट्रस्ट की ट्रस्टी बनने का गौरव प्राप्त किया। उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी, अध्यक्ष विनीता राठी, कोषाध्यक्ष मंजू चांडक, बरेली सरंक्षिका सुशीला साबू एवं कुमकुम काबरा आदि प्रमुख रूप से मौजूद थीं।

संगठन आपके द्वार का हुआ आयोजन

मालेगांव. श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल के सौजन्य से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यक्रम 'संगठन आपके द्वार' में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी प्रमुख वक्ता थे। श्री सोनी ने वक्तव्य में समाज संगठन, संयुक्त परिवार, स्त्री-शिक्षा और प्रगति, माहेश्वरी जनसंख्या को बढ़ावा देने, उत्सव और समारोहों में कम खर्च करने पर जोर दिया। माहेश्वरी समाज की घटती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए कहा समाज में 3 बच्चों के माता-पिता को सम्मानित करना चाहिए। अ.भा.मा. महासभा के उपसभापति अशोक बंग, महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री गणेश बाहेती, उपाध्यक्ष रामविलास बूब, अध्यक्ष मधुसूदन गांधी, नाशिक जिला माहेश्वरी सभा जिलाध्यक्ष उमेश मूंधड़ा, अ.भा. मा. महासभा सदस्य श्यामसुंदर लखोटिया, श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल अध्यक्ष आशीष झँवर मौजूद थे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन सुमिता मूंधड़ा एवं मधुसूदन काबरा ने किया। कृष्णा झँवर ने महेश वंदना प्रस्तुत की। श्री महेश वरिष्ठ नागरिक सभा, श्री माहेश्वरी युवा मंच, महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल, श्री माहेश्वरी महिला मंडल, माहेश्वरी बहू मंडल आदि स्थानीय मंडल के कार्यों की सराहना की गई और सम्मानित किया गया।

बच्चों तक पहुँचाए स्वेटर

मौसम के बदलते रुख को देखते हुए फ्लाइंग बड्र्स टीम ने लगातार तीन दिनों में अलग-जगह पहुँचकर 165 बच्चों को स्वेटर बांटे। संस्था की संस्थापिका अम्बिका हेड़ा ने बताया कि इसके अंतर्गत तीन दिन की गतिविधि रखी गई। शशि हेड़ा, अंजु जाजू, अंजू सोनी, संगीता अग्रवाल, पूर्णिमा मंत्री, कोमल नवल, ज्ञानधारा राठी, मीता अरोरा, डॉ. विष्णुकांता माहेश्वरी, बरखा शर्मा, सोनल गर्ग, अनीता सोमानी, राजकुमारी नवाल, अरुना मूंदड़ा आदि मौजूद रहीं।

"किसी के मस्तिष्क को पढ़ने के लिए उसके शब्दों को सुनें। उसी तरह दिल की बात जानने के लिए उनके हाव-भाव को समझें? 'समझदार बनिए'"

परिवार व रिश्तों में दरार पर चिंतन

दुर्ग. छत्तीसगढ़ प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा सृजन 2017 का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी देते हुए महामंत्री शशि गट्टानी ने बताया कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमला साबू व राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री मंगल मर्दा ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष आशा डोडिया ने की। कार्यक्रम को मध्यांचल सभापति मोहन राठी व ज्योति राठी ने भी संबोधित किया। विशेष अतिथि के रूप में प्रदेशाध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा, नारायण राठी, राजकुमार राठी, गणेश भट्टड़, रामरतन मूंधड़ा, राजकुमार गांधी, जगदीश चांडक, सुरेश सादानी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मधु सोमानी, सुनीता चांडक, शशिकला गांधी, आभा राठी, शोभा टुवानी, रुचि सोमानी, सविता राठी, ममता मूंधड़ा, उर्मिला टावरी, लता मंत्री, माया माहेश्वरी आदि सदस्याओं का सहयोग रहा। संचालन अंजलि लखोटिया ने किया। आभार निधि झँवर ने किया। पूरे कार्यक्रम का कुशल नेतृत्व प्रदेश सचिव शशि गट्टानी ने किया।

नववर्ष की समस्त
माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

सुभाषचन्द्र जागेटिया

राकेश जागेटिया
94144-25053

जिला अध्यक्ष - राकेश कुसुम जागेटिया
इन्टरनेशनल माहेश्वरी कपल क्लब भीलवाड़ा

रूपनारायण
तम्बाकू भण्डार

जर्दा, तम्बाकू व बीड़ी के व्यापारी

बाजार नं. 3, भोपालगंज, भीलवाड़ा (राज.)-311001 फोन : 01482-226393

रिद्धि–सिद्धि संग विराजे विनायक एवं महालक्ष्मी

कोलकाता. रिद्धि-सिद्धि संग विनायक एवं श्री महालक्ष्मी के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा निदिपुर हाईरोड कोलकाता में की गई। यह इलाका श्रमिक व मुस्लिम वर्ग का है। यहां जमीन दिलवाने में पार्षद अनवर खान का सहयोग रहा। मंदिर बनवाने में भागचंद मूंदड़ा परिवार का सहयोग रहा। मंदिर का गत 17 अक्टूबर को उद्घाटन मंत्री फिरदास हबीब शहरी विकास मंत्री पश्चिम बंगाल ने किया। इस अवसर पर अतिथि जगदीशचंद्र एन. मूंदड़ा, सुप्रसिद्ध समाजसेवी व पश्चिम बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष थे। प्रधान वक्ता विशंभर नेवर ताजा टीवी के निदेशक व दैनिक छपते-छपते के प्रमुख सम्पादक थे। कार्यक्रम में नवरत्न झँवर, केशव मूंदड़ा, कुलदीप सोमानी सहित कई समाजजन मौजूद थे।

मूंदड़ा का किया अभिनंदन

गुलबर्गा (कर्नाटक). कर्नाटक यात्रा के दौरान जगदीशचंद्र एन मूंदड़ा का अभिनंदन व स्वागत गुलबर्गा में कर्नाटक के प्रसिद्ध उद्योगपति, चैंबर व अन्य संस्थाओं के अध्यक्ष ने किया। शंकरलाल गिलड़ा ने शॉल ओढ़ाकर व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। श्री मूंदड़ा, श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के उपाध्यक्ष व पश्चिम बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष हैं। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी सुधा मूंदड़ा महिला समिति व पूर्वाध्यक्ष महिला संगठन भी थी।

परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

जालना. स्थानीय माहेश्वरी विवाह समिति द्वारा गत 12 नवंबर को परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। विवाह समिति जालना अध्यक्ष कांतिलाल राठी ने अध्यक्षता की। उद्घाटन बुलडाणा अर्बन के संस्थापक अध्यक्ष राधेश्याम चांडक ने किया। स्वागत अध्यक्ष सीए नितिन तोतला थे। सम्मेलन के समापन कार्यक्रम में रचना मालपाणी संगमनेर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस सम्मेलन में 61 प्रतिशत प्रत्याशियों के रजिस्ट्रेशन हुए थे, जिन में 214 युवतियां तथा 404 युवक शामिल थे। प्रत्यक्ष रूप से सम्मेलन में 156 युवतियां और 324 युवक मिलकर 480 प्रत्याशी उपस्थित थे। रामनिवास मानधनी के नेतृत्व में उपाध्यक्ष ताराचंद मालपानी, संतोष करवा, सचिव सुनील बियानी, कोषाध्यक्ष बालाप्रसाद लोहिया, सहसचिव मिट्ठू मंत्री, ओमप्रकाश मंत्री, सुभाष राठी, संतोष बाहेती, नंदलाल इंदाणी, सत्यनारायण मंत्री, दिनेश झँवर, गणेश बियानी, संजय नागौरी, बालू लाखोटिया, पूनमचंद जैथलिया आदि का सहयोग रहा।

> “उत्कृष्टता अपना बखान खुद करती है। उत्कृष्टता हो तो उसके बारे में बताने की ज़रूरत नहीं होती। जहाँ बखान करने की ज़रूरत पड़े, वहाँ उत्कृष्टता आपको शायद ही मिले ?”

नवर्ष की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएं

Omprakash Gattani
M. 94141 15004
M. 89499 50817

।। जय महेश ।।

Sandeep Gattani
M. 98334-50873
M. 93221 28953

।। जय महेश ।।

C.A. Manish Gattani
M. 93222 44764
M. 74986 80231

Sandeep Niwar Industries
Mfg. All Type High Class Niwar

Sandeep Tex Fab Pvt. Ltd.
Mfg. of High Quality Yarn

Nem Con International Pvt. Ltd.
Mfg. of Quality Suttings
Bhivandi (Mumbai)

Office : Opp. Bhadada Bagh, Bhilwara-311001, Ph. 01482-220295 (O)
Factory : Near Mahila Ashram, Bhilwara-311001, Ph. 01482-227491 (F)
Residence : 101, Ashok Nagar, Bhilwara-311001

संगठन आपके द्वार का हुआ आयोजन

ब्यावर. श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर व ब्यावर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा अभा माहेश्वरी महासभा के सभपति श्यामसुंदर सोनी व उनके कार्यकारिणी पदाधिकारियों का ब्यावर आगमन पर संगठन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत माहेश्वरी भवन पाली बाजार में अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष सत्यनारायण हेड़ा व क्षेत्रीय अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा ने की। सभापति श्री सोनी ने अपने उद्बोधन में महासभा के वर्तमान में चल रहे सभी प्रकल्पों की जानकारी दी। उनकी नीतियों के माध्यम से समाज में नई क्रांति का उद्गम कैसे हो इस पर संपूर्ण विचार रखे। कार्यक्रम के तहत महासभा महामंत्री संदीप काबरा ने भी अपने विचारों के माध्यम से समाज के युवाओं को नई धारा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। महासभा संगठन मंत्री अजय काबरा, प्रदेशाध्यक्ष केसरीमल तापड़िया, जिला अध्यक्ष रमाकांत बाल्दी, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष राजकुमार काहल्या आदि ने भी संबोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। क्षेत्रीय अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा व मंत्री सुनील झँवर ने आभार प्रकट किया। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश चितलांग्या, समाज मंत्री दिलीप जाजू, उपाध्यक्ष विष्णु हेड़ा, सत्यनारायण असावा, सुरेश लोहिया, नरेश झँवर, श्याम झँवर, विजय पोरवाल, गुमान झँवर, जुगल मणियार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रमेश भराड़िया ने किया।

डॉ. भंडारी को राष्ट्रबंधु पुरस्कार

चित्तौड़गढ़. सलूम्बर राजकुमार जैन 'राजन' फाउंडेशन, अकोला द्वारा चित्तौड़गढ़ में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय बाल साहित्य सम्मान समारोह में सलूम्बर की प्रख्यात साहित्यकार विमला भंडारी को डॉ. राष्ट्रबंधु पुरस्कार प्रदान कर नवाजा गया। अखिल भारतीय स्तर पर दिया जाने वाला यह सम्मान उन्हें बाल साहित्य उन्नयन व बाल कल्याण के क्षेत्र में समर्पित भाव से किए गए सराहनीय योगदान के लिए दिया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें 5100 रुपये की नकद राशि व सम्मान पत्र दिया गया एवं शॉल ओढ़ाकर मंचस्थ अतिथियों द्वारा चित्तौड़गढ़ के सांसद सीपी जोशी, देवपुत्र के संपादक विकास दवे, गोविंद शर्मा, जितेंद्र निर्मोही, प्रो एके जैन, चिराग जैन के हाथों सम्मान प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

महेश नवमी के पावन पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

।। जय महेश ।।

मुकेश काबरा

- पूर्व अध्यक्ष
  पुराना शहर माहेश्वरी युवा संगठन, भीलवाड़ा
- अध्यक्ष
  श्री माहेश्वरी बचत समिति, भीलवाड़ा
- सह सचिव
  महेश प्रगति संस्थान, भीलवाड़ा
- सचिव
  भीलवाड़ा क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन, बड़ा मन्दिर भीलवाड़ा
- उपाध्यक्ष
  माहेश्वरी सेवा सहयोग संस्थान, भीलवाड़ा
- संगठन मंत्री
  श्री माहेश्वरी समाज सम्पत्ति ट्रस्ट, भीलवाड़ा

M. 098291-09591

श्रीमद्भागवत कथा का हुआ आयोजन

आलीराजपुर. स्वामी व्यंकटेशाचार्यजी महाराज के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह का आयोजन किया गया। कथा के प्रारंभ में आयोजक नंगवाड़िया परिवार के बृजमोहन नंगवाड़िया, चंदादेवी नंगवाड़िया आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया। पांडाल में रांगोली झलक सोमानी, लाली मोदी, राधिका सोमानी व निकिता सोमानी ने बनाई। सभी ने रांगोली की जमकर प्रशंसा की। कथा के मीडिया प्रभारी कृष्णकान्त बेड़िया ने बताया कि कथा में नपाध्यक्ष सेना पटेल, कट्ठीवाड़ा जनपद अध्यक्ष भदु पचाया, नपा उपाध्यक्ष मकुल परवाल, वरिष्ठ भाजपा पार्षद ओछबलाल सोमानी, युवा कांग्रेस नेता मुकेश पटेल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम माहेश्वरी आदि भी शामिल हुए।

राठी द्वारा संपादित पत्रिका लोकार्पित

इंदौर. समकालीन महिला लघुकथा लेखन पर 'क्षितिज' संस्था इंदौर द्वारा लघुकथा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ. पदमा सिंह ने दिया। इस प्रसंग पर क्षितिज द्वारा सतीश राठी के संपादन में प्रकाशित पत्रिका के 'श्रंद्धाजलि अंक' का लोकार्पण प्रमुख अतिथि संतोष श्रीवास्तव भोपाल एवं कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. पदमा सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन अंतरा करवड़े द्वारा किया गया। आभार विनीता शर्मा के द्वारा माना गया। इस अवसर पर देशभर से आई कई ख्यात महिला लघुकथाकार उपस्थित थीं।

गीता पाठी बच्चों का किया अभिनंदन

अमरावती. गीता परिवार अंबापेठ शाखा अमरावती की ओर से प्रतिवर्ष 4 से 15 साल तक के बच्चों को गीता का एक अध्याय कंठस्थ कराया जाता है। इसमें इस बार सत्रहवें अध्याय को कंठस्थ करवा गया। संपूर्ण जिले से आए 650 से अधिक बच्चों को प्रथम व द्वितीय पुरस्कार प्रदान किए गए। गीता परिवार की ओर से प्रशिक्षिका शेवती करवा का भी सम्मान चिह्न देकर सत्कार किया गया। इस वर्ष विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से भी सभी बच्चों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। विदर्भ महिला संगठन की अध्यक्षा उषा करवा, प्रचार मंत्री शशि मूंदड़ा, अमरावती जिला सचिव रेणु केला, गीता परिवार अमरावती अध्यक्ष उर्मिला कलंत्री, कल्पना मूंदड़ा, शारदा मालाणी, गोमती राठी, गीता मूंदड़ा आदि उपस्थित थे।

माहेश्वरी सभा के कैलेंडर का विमोचन

बैंगलोर. स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा प्रकाशित कैलेंडर 2018 का विमोचन गत 17 दिसंबर को बैंगलोर यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड में मुख्य अतिथि शांतिलाल गिलड़ा द्वारा किया गया। सचिव निर्मलकुमार तापड़िया ने बताया कि इस अवसर पर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बसंतकुमार सारडा, माहेश्वरी महिला मंडल की उपाध्यक्षा कांता काबरा, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष रविकांत राठी, माहेवरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन बद्रीनारायण भंडारी, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन गौरीशंकर सारडा, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को ऑपरेटिव लिमिटेड के उपाध्यक्ष सुरेशकुमार लखोटिया सहित समाज के कई सदस्य मौजूद थे। इस कैलेंडर में भारत वर्ष में मनाए जाने वाले त्योहारों एवं राजकीय अवकाशों का सचित्र समावेश किया गया। यह कैलेंडर कर्नाटक गोवा प्रदेश में सभी माहेश्वरी बंधुओं को वितरित किया जाता है। इस कैलेंडर की साज-सज्जा में राजगोपाल भूतड़ा, निर्मलकुमार तापड़िया, नवलकिशोर मालू व भगवानदास लाहोटी की अहम भूमिका रही।

नोंदणी क्र. एन.एस.के./एम.एल.जी./आर.एस.आर./सी.आ. 1545/95

महेश नागरी सहकारी पतसंस्था मर्यादित, मालेगांव

89, रामभवन, टिळक रोड, मालेगांव फोन (02544) 234376

संचालक मंडळ

श्री. देवकिसन रामचंद्र बडाळे — चेअरमन
श्री. दिलीप लक्ष्मीनारायण मुंदड़ा — व्हा.चेअरमन
श्री. नारायणदास प्रल्हाददास मुंदड़ा — ऑन.सेक्रेटरी
श्री. जगदिश बालकिसन काबरा — संचालक
श्री. बल्लभदास श्रीकिसन आगीवाल — संचालक
श्री.नटवरलाल रामदयाल काबरा — संचालक
सौ. जयश्री नंदकिशोर पुरोहित — संचालिका
श्रीमती.छायादेवी मधुसुदन शर्मा — संचालिका
श्री.नितिन दशरथ शिंदे — संचालक
श्री.रमेश मिकुलाल चोरवाल — संचालक
श्री.सुरेश नथमल झंवर — तज्ञ संचालक
श्री.श्रेयस श्रीनिवास काकाणी — तज्ञ संचालक

श्री. देवकिसन बडाळे चेअरमन

ठेवीवरील आकर्षक व्याज दर

ठेवीवरील आकर्षक व्याजदर			
30 दिवस ते	45	दिवस	5%
46 दिवस ते	90	दिवस	6.5%
91 दिवस ते	180	दिवस	8%
181 दिवस ते	1	वर्षे	9%
13 महिने ते	2	वर्षे	10.5%
25 महिनेते	36	महिने	11%
37 महिनेव	त्यापुढे	12%	

13 महिन्यांपुढील ठेवीं वर जेष्ठ नागरीकांस अधा टक्का अधिक व्याज मिळेल.

दामदुप्पट फक्त 78 महिन्यांत

दामतिप्पट फक्त 115 महिने

नेत्रहीनों के लिए स्पर्धा

अमरावती. विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के सहयोग से भारतीय अंधजन विकास एवं पुनर्वसन संस्था द्वारा 4 दिवसीय पश्चिम विभागीय शतरंज स्पर्धा का आयोजन दोशी वाड़ी अमरावती में किया गया। प्रतियोगिता में संपूर्ण भारत से आये 240 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष उषा करवा के आह्वान सभी कार्यकर्ताओं ने सहयोग प्रदान किया। विदर्भ प्रादेशिक संगठन द्वारा आवास, निवास एवं भोजन की व्यवस्था की गई। पुनर्वसन संस्था द्वारा विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की उषा करवा, सरिता सोनी, आशा लड्ढा एवं भारती राठी की कृतज्ञता जताने हेतु गोविंद कासट को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। प्रादेशिक संगठन की डॉ. सुधा राठी (यवतमाल), डॉ. तारा राठी (अकोला), ज्योति बाहेती (अकोला), आशा लड्ढा (अमरावती), सरिता सोनी (अमरावती), ज्योत्सना तापड़िया (अकोला), संध्या केला, शशि मूंदड़ा (अमरावती), कमला मोहता, सुषमा बंग, विद्या लद्दड़ (नागपुर), निशा राठी, गीता भूतड़ा (यवतमाल) आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन भारती राठी ने किया।

युवा संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन

नागपुर. माहेश्वरी युवा संगठन सीताबर्डी की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष हेमंत राठी और सचिव शैलष मोकाती चुने गए। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष अभिजीत टावरी, उपाध्यक्ष मुकेश राठी, सहसचिव आशीष लाहोटी, अखिल राठी, कोषाध्यक्ष सुमित लाहोटी, प्रसार व संगठन मंत्री हिमांशु चांडक, सांस्कृतिक मंत्री आशीष तापड़िया, खेलकूद मंत्री गोपेश डांगरा चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों में श्रीकांत पनपालिया, निखिल मालपानी, यश गोदानी, मयूर राठी, निमिष बिसानी, शुभम मोहता, गौरव साबू, जय सोदानी, केशव बिंझाणी, शांतनु बजाज, संस्कार चांडक, सहयोजित सदस्य अक्षय बिसानी, अमोल टावरी, पदेन सदस्य सचिन बजाज, विशेष आमंत्रित अधि. योगेश सांवल शामिल हैं।

रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

जोधपुर. मानवता की सेवा में समर्पित संस्था सांवरिया द्वारा आगामी 6 जनवरी को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह प्रातः 8.30 बजे से भगवत निवास महामंदिर चौराहे के पास पावटा जोधपुर में आयोजित होगा। अधिक जानकारी के लिए डॉ. नीलम मूंदड़ा, कैलाशचंद्र लढ़ा, तरुण सोतवाल, सुनील मूंदड़ा, पवन मेवाड़ा, सोनू लढ़ा आदि से संपर्क किया जा सकता है।

नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएँ

राजेश दरगड़
94625-81000
99505-13494

॥ जय महेश ॥

शरद भदादा
9929762487
9782555706

राधिका साड़ीज
फैन्सी सुपर नेट, कॉटन, डोरिया साड़ियों के होलसेल विक्रेता
जी–9, हनुमान प्लाजा, आजाद चौक, भीलवाड़ा (राज.)

श्री लक्ष्मी बोरवेल
6½, 7 7½ व 8 इंच बोरिंग कुए, फार्म हाउस,
प्लाट व फैक्ट्री में बोरिंग करवाने हेतु सम्पर्क करें।

महाराष्ट्र प्रदेश ने किया समर्पिता का आयोजन

कोल्हापुर. महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यकारिणी बैठक 'समर्पिता' 2017 अहमदनगर जिला संगमनेर न्यू माहेश्वरी महिला मंडल के आतिथ्य में गत 28 व 29 अक्टूबर को 250 सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित हुई। उद्घाटनकर्ता लता लाहोटी व मंदा काबरा (मुंबई), शैला कलंत्री, सुवर्णा मालपाणी, ज्योत्सना लाहोटी, अनुसूया मालू एवं डॉ. संजय मालपाणी ने दीप प्रज्वलन किया। अहमदनगर जिला संगमनेर की सदस्याओं ने पौधे देकर सभी का स्वागत किया। सरपंच मदनलाल करवा, श्री माहेश्वरी सभा अध्यक्ष विट्ठलदास आसावा, सचिव अजय जाजू, राजस्थानी युवा संगठन अध्यक्ष मनीष मालपाणी, कैलाश सोमाणी, मनोज मनियार आदि उपस्थित थे। अहमदनगर जिला अध्यक्ष मंजूश्री धूत ने शाब्दिक स्वागत किया। महाराष्ट्र प्रदेश सुकीर्ति समिति संयोजिका रचना मालपाणी ने खेल महोत्सव के बारे में बताया। मंदा काबरा ने नेतृत्व के गुण एवं संगठन की मजबूती के बारे में सभी को मार्गदर्शन दिया। प्रमुख वक्ता संजय मालपानी थे। महाराष्ट्र प्रदेश सचिव अनुसूया मालू ने संगठन के कार्यों पर प्रकाश डाला। बैठक में सुकीर्ति समिति अंतर्गत समर्पिता सदस्याओं का सम्मान किया गया। अशोक बंग एवं रचना मालमाणी ने महिला के लिए आनंदी जीवन पर टॉक शो लिया गया व सुषमा समिति अंतर्गत स्लोगन एवं एक्ट प्रतियोगिता भी आयोजित करवाई गई।

प्रगति मंडल की नवीन कार्यकारिणी गठित

दांडेली. स्थानीय श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन गत 21 नवंबर को हुआ। इसमें वर्ष 2017-18 के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव जिला सभा द्वारा मनानोत पर्यवेक्षक बृज भूतड़ा हुबली निवासी की उपस्थिति में हुआ। नई कार्यकारिणी की घोषणा बृज भूतड़ा द्वारा की गई। इसमें चेयरमैन बीएच राठी, अध्यक्ष आरएल रांदड़, उपाध्यक्ष विट्ठल बंग व नरेंद्र माहेश्वरी, सचिव एसएस धूत तथा कोषाध्यक्ष आरएस राठी मनोनीत किए गए। कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का चयन भी हुआ। महिला मंडल अध्यक्ष शोभा राठी, कार्यकारिणी अध्यक्ष अर्चना बाहेती व सचिव भावना राठी तथा माहेश्वरी युवा मंडल अध्यक्ष अभिषेक टवानी तथा सचिव संकेत सारडा चुने गए।

> “जो भी कुछ हम सुनते हैं
> वे विचार होते हैं,
> ज़रूरी नहीं कि तथ्य ही हो।
> वैसे ही हम जो कुछ देखते हैं
> वह एक दृष्टिकोण होता है,
> ज़रूरी नहीं कि सत्य हो ?
> 'विवेकपूर्ण बनें'”

माहेश्वरी महिला गौरव ने की सेवा

उदयपुर. संस्था माहेश्वरी महिला गौरव अध्यक्ष कौशल्या गट्टानी के नेतृत्व में सेवा गतिविधियों का आयोजन करती रही है। इसके अंतर्गत माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अक्टूबर में सुगंधा व सुचिता समिति अंतर्गत दीपावली स्नेह मिलन व 56 भोग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। नवंबर में सुषमा समिति अंतर्गत महेश पब्लिक स्कूल चित्रकूट नगर में बच्चों के साथ बाल दिवस का आयोजन कर बच्चों को मिठाई व फल बांटे गए। विचित्र वेशभूषा का आयोजन कर सभी बच्चों को पुरस्कार वितरित गए। इसी माह असहाय औरतों के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन भी किया गया।

प्रवचन का किया आयोजन

बेंगलुरु. गत 10 दिसंबर को श्री सद्गुरु जन्म शताब्दी महामहोत्सव के क्रम में संत समागम एवं भक्त चरित्र पर मार्मिक प्रवचन का आयोजन महाराजा श्री अग्रसेन भवन में किया गया। गुरु वंदना आशा बिसानी द्वारा प्रस्तुत की गई। इसमें व्यासपीठ पर विराजमान मज्जगदगुरु मलूकपीठाधीश श्री राजेंद्र देवाचार्यजी महाराज (वृंदावन) द्वारा मनुष्य जीवन पर व्याख्यान दिया गया। इस कार्यक्रम को आयोजित करने में सुनील बजाज एवं चंद्रप्रकाश रामसिसरिया तथा व्यवस्था में माहेश्वरी सभा के सचिव निर्मलकुमार तापड़िया एवं अग्रवाल समाज (कर्नाटक) के उपाध्यक्ष संजय गुप्ता की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी द्वारा किया गया।

देहदान संकल्प से मनाया जन्मदिन

ब्यावर. समाज सदस्य प्रेमनारायण राठी द्वारा अपना 67वाँ जन्मदिवस गत 30 सितंबर को मरणोपरांत देहदान की घोषणा के साथ मनाया गया। इस पुनीत कार्य हेतु जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान कॉलेज एवं सामूहिक चिकित्सालय संघ, अजमेर से रजिस्ट्रेशन भी करवा लिया गया है।

मिथिलेश नीट में चयनित

मालेगांव (महराष्ट्र). डॉ. श्याम मानधणे के सुपुत्र मिथिलेश ने नीट 2017 में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त कर महाराष्ट्र राज्य में 330वाँ स्थान प्राप्त किया है। इसके आधार पर उनका एमबीबीएस प्रथम वर्ष के लिए एचबीटी मेडिकल कॉलेज व कूपर हॉस्पिटल मुंबई में चयन हुआ है।

प्रगति ने जीती स्पर्धा

मुंबई. समाज की प्रतिभा प्रगति एन. भट्टड़ ने अंतरराष्ट्रीय डांस काम्पीटिशन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि प्रगति ने वर्ष 2016 में इसी स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

प्रगति को मिला सिल्वर मेडल

अमरावती. छग मुख्यमंत्री कप स्पर्धा सरदार बलवीरसिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम राय में गत 7 से 10 सितंबर तक आयोजित हुई। इसमें अमरावती शहर की मशहूर रांगोली कलाकार माधुरी सतीश सुदा की सुपुत्री प्रगति सुदा ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। पूरे भारत देश से इसमें 30 टीमें शामिल हुईं। उद्घाटन गौरीशंकर अग्रवाल, अध्यक्ष छत्तीसगढ़विधानसभा के मुख्य आतिथ्य एवं छगनलाल मूंदड़ा अध्यक्ष किक बॉक्सिंग एसोएिशन ऑफ छग की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इसमें अमरावती शहर की प्रगति सुदा को किक बॉक्सिंग में सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ।

रो बॉल स्पर्धा में मोहित व राजा चयनित

भीलवाड़ा. शहर के दो खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय रो-बॉल स्पर्धा के लिए चयन हुआ है। सेंट्रल एकडमी के छात्र राजा सोडाणी व एमएलवी कॉलेज के छात्र मोहित सोडाणी प्रथम इंडो-बांग्लादेश ड्रॉप रो-बॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस स्पर्धा का आयोजन बांग्लादेश की राजधानी ढाका में होगा।

सोनम को 79 प्रतिशत अंक

मेरठ. समाज की प्रतिभा सोनम माहेश्वरी सुपुत्री भीकचंद्र माहेश्वरी ने एमसीए की परीक्षा में 79 प्रतिशत अंक प्राप्त कर आईआईएमटी महाविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने बीसीए में 82 प्रतिशत अंक प्राप्त करके महाविद्यालय में प्रथम तथा विवि मेरठ में दूसरा स्थान प्राप्त किया था।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

संजय कोगटा
संदीप कोगटा

सीमा कोगटा
सचिव - जिला माहेश्वरी महिला संगठन, भीलवाड़ा
मो. 9413057004

श्रीनाथ ऑटो एलपीजी स्टेशन
नेशनल हाइवे नं. 79, भदालीखेड़ा, भीलवाड़ा (राज.)

श्री वल्लभ कोगटा
एडव्होकेट एवं कर सलाहकार
मो. 93521-10266
कार्यालय एवं निवास
207, सिरकी मोहल्ला, भीलवाड़ा
फोन - 01482-227736

WABCO Rane TRW HOLSET TURBOCHARGERS
श्रीनाथ ऑटोमोबाइल्स
54, ट्रांसपोर्ट नगर, भीलवाड़ा - 311001 (राज.)
फोन - 01482-243568 मो. - 94141-12233
Email : skogta@yahoo.com

कहते हैं कि जो लोग सोने के चम्मच से खाना खाते हैं, वे हाथ से निवाले खाने वालों की परेशानी नहीं समझते। यह अर्द्धसत्य है। यह तब तक सत्य है, जब तक सम्पन्न व्यक्ति अपनी सम्पन्नता में ही कैद है। यदि वह आम व्यक्ति की तकलीफ देखने निकल पड़े तो सबकुछ बदलकर रह जाता है। आईये देखें किस तरह? इसके लिये जाने लातुर निवासी प्रदीप राठी की सच्ची कहानी।

MAHESHWARI OF THE YEAR 2017

कमजोर वर्ग के विकास के मसीहा

प्रदीप राठी

लातुर महाराष्ट्र निवासी प्रदीप राठी की पहचान एक सफल उद्यमी व राजनेता के साथ-साथ एक बड़े कृषक के रूप में भी है। कुल मिलाकर देखा जाए तो उनकी एक पहचान शहर के अत्यंत धनाढ्य व्यक्ति के रूप में है। इसके बावजूद उनकी दूसरी छवि एक अत्यंत सेवाभावी समाजसेवी के रूप में है। एक ऐसा समाजसेवी जो उन्नति को सिर्फ सम्पन्न वर्ग की बपौती नहीं समझता बल्कि समाज के अत्यंत गरीब वर्ग के विकास के लिये भी सपने देखता है, हर संभव प्रयास करता है। यही कारण है कि श्री राठी झुग्गी झोपड़ी में निवास करने वाले गरीब वर्ग के भी चहेते हैं। श्री राठी राजनीतिक रूप से महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी के रूप में समर्पित भाव से सेवा दे रहे हैं। परिवार भी उनके नक्शे कदम पर समाज सेवा में साथ-साथ है। पत्नी कमलादेवी राठी हाउसवाइफ हैं। बेटे राहुल बिजनेस देखते है। बहू अनू अष्टविनायक ट्रस्ट द्वारा पुणे में ब्राइडल कॉन्टेस्ट आयोजित करती हैं। परिवार में पोती पूजा, श्रद्धा व पौत्र आकाश हैं।

अत्यंत सम्पन्न परिवार में जन्म

श्री राठी का जन्म 1 नवंबर 1949 को ख्यात समाजसेवी स्व. श्री रामगोपाल राठी व गीतादेवी राठी के यहाँ लातूर (महाराष्ट्र) में हुआ था। भाई स्व. श्री महेन्द्र, स्व. श्री राजकुमार, रमेश राठी का भाई के रूप में साथ मिला। पूर्वज राजस्थान के नागौर जिले के भकरी गांव के रहने वाले थे। माता-पिता लगभग 100 साल पहले वहां से कासरखेड़ा गांव आए थे। उनका फाइनेंस का काम था और 7 हजार एकड़ जमीन थी। बाद में पिता ने लातूर में कॉटन बिजनेस शुरू किया। लातूर में जन्मे और वहीं स्कूलिंग होने के बाद बीएससी करने मुंबई गये। तभी परिवार में प्रॉपर्टी को लेकर अंकल के बीच डिस्पुट शुरू हो गए। लिहाजा बीच में ही पढ़ाई छोड़कर वापस आना पड़ा। बाद में लातूर से ही बी.कॉम किया। श्री राठी स्वयं बताते हैं कि मुंबई में पढ़ाई छोड़कर जब 1970 में वापस लातूर आया तभी बिजनेस ज्वाइन कर लिया। इस तरह जब मैं 21 साल का

पूर्व राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा सिंह देव साथ

पूर्व राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रणब मुखर्जी के साथ

था, तब से अपना कॅरियर मैने फैमेली बिजनेस से शुरू किया। मैंने इरिगेशन में काफी काम किया। हमारे पास काफी मात्रा में जमीन थी, लेकिन उसमे से बड़ा हिस्सा असिंचित था। मैंने उसे सींचा और वहाँ फॉर्मिंग शुरू कराई। हमारे पास इतने खेत थे कि मैं सुबह घोड़े पर खेत देखने निकलता तो शाम तक 50-60 किमी यात्रा करने के बाद भी पूरे खेत नहीं देख पाता था। हमारा एग्रीकल्चर का भी बड़ा काम था और बाम्बे डांइग का परचेज का बड़ा काम भी हमारे पास था। इस तरह इंडस्ट्री और एग्रीकल्चर दोनों से हम बड़े स्तर पर जुड़े थे। इसी दौरान मैंने आईस फैक्ट्री भी शुरू की। उस समय लातूर में एक भी आइस फैक्ट्री नहीं थी।

पैतृक माहौल ने दिखाई राजनीति की राह

श्री राठी राजनीतिक रूप से कांग्रेस पार्टी से सम्बद्ध है इसमें वे महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सर चिटणीस पद पर सेवा दे रहे हैं। इसके साथ संगठन के मुखपत्र शिदोरी के कार्यकारी संपादक का दायित्व भी सम्भाल रहे हैं। श्री राठी राजनीति से जुड़ाव की भी अनोखी कहानी सुनाते हैं। वे बताते हैं हम फॉर्मिंग से जुड़े थे और इसमें कुछ पॉलीटिकल प्राब्लम हो गई। हमारी जमीनें दूर-दूर तक थीं और कुछ लोगों को यह बात पसंद नहीं थी। फिर इन मामलों को निपटाने के लिए मैं पॉलीटिक्स में आया। दरअसल मुझे सोशल वर्क में शुरू से ही रुचि थी। मैंने पिता को हमेशा लोगों की मदद करते देखा था। मैं भी हमेशा ऐसा ही करना चाहता था। लिहाजा इस मकसद से भी पॉलीटिक्स से जुड़ा। मैंने और पूर्व सीएम विलासराव देशमुख ने एक साथ पॉलीटिकल सफर शुरू किया था। हमारे मार्गदर्शक शिवराज पाटिल रहे।

इस तरह बढ़े पीड़ित मानवता की सेवा में कदम

श्री राठी बताते हैं, मैं संजय निराधार योजना का अपने शहर का चेयरमैन था, उस योजना के जरिए हमने विधवाओं, अपंगों, अनाथों और बुजुर्गों के लिए काफी काम किया। इसने मुझे समाज के इस कमजोर वर्ग की समस्याओं को ज्यादा करीब से देखने का मौका दिया, यह मेरे लिए बहुत ही अच्छा अनुभव रहा। इस वर्ग के लिए सभी को काम करना चाहिए। ये समाज के लिए इंश्योरेंस की तरह है। यदि इन्हें इग्नोर किया तो समाज को बहुत नुकसान उठाना पड़ेगा।समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और महिलाओं व बच्चों के लिए काम करना उनकी प्राथमिकता होती है। अतः महिलाओं को रोजगार देने के लिए अष्टविनायक पापड़ उद्योग शुरू किया। इसमें 600 से ज्यादा महिलाएं पापड बनाने के काम से जुड़ी हैं। बच्चों के लिए कई स्कूल और कॉलेज चलाते हैं। लड़कियों के लिए स्टडी सेंटर बनाया है, जिसमें पूरे जिले से लड़कियां आकर शांत माहौल में बैठकर पढ़ाई करती हैं। इसकी सीटिंग कैपेसिटी 250 गर्ल्स की हैं। लातूर के 10 स्लम एरिया में स्कूल बनाएं हैं, ताकि झोपड़पट्टी में रहने वाले परिवारों के बच्चों को नई शिक्षा मिल सके। हर साल बड़े-बड़े आई कैम्प लगाते हैं, जिनमें हजार से ज्यादा लोगों का आई चैकअप होता है। उन्हें फ्री में चश्में देते हैं, केटरेक्ट सर्जरी करते हैं। अब तक ऐसे 40 से ज्यादा आईकैम्प आयोजित कर चुके हैं। हम लातूर में कैलाशरथ चलाते हैं। डेडबॉडीज के लिए चलने वाली यह एम्बूलेंस की सुविधा फ्री में देते हैं। साथ ही कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों को उनके परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए फ्री में सभी सामान भी उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा हम समाज को हमारी परंपरा और संस्कृति से जोड़े रखना चाहते हैं। लिहाजा मंदिर बनाने और कल्चरल एक्टिविटीज पर हमारा फोकस रहता है। हमने जो मंदिर बनाए हैं, वे मॉर्डन मंदिर की तरह हैं।

छोटे व्यापारियों के लिए शुरू की बैंक

श्री राठी उद्योग-व्यवसाय से सक्रिय रूप से सम्बद्ध हैं। अतः जब उन्होंने छोटे व्यापारियों की पूंजी की समस्याओं को निकट से देखा तो उनके लिए कुछ करने का संकल्प ले लिया। इसके लिए उन्होंने सन् 1995 में अपने कुछ साथियों के साथ लातूर को-ऑपरेटिव बैंक की

पूर्व प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह के साथ

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के साथ

पूर्व मुख्यमंत्री महाराष्ट्र - श्री चव्हाण एवं पूर्व गृहमंत्री श्री शिवराज पाटिल के साथ

पूर्व मुख्यमंत्री महाराष्ट्र - श्री विलासराव देशमुख के साथ

स्थापना की, लातूर के छोटे-छोटे व्यापारियों को मदद देने के लिए। इस बैंक से गांव के लोगों को भी काफी मदद मिलती थी। बैंक शुरु करने के लिए 5 लाख रुपये 4 दिन में इकटठा किए और बैंक शुरु कर दिया। इस बैंक का उदघाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने किया था। लातूर में बैंक का भव्य मुख्यालय है। यह राजस्थानी आर्किटेक्ट स्टाइल में बनायी सुंदर बिल्डिंग है और देखने लायक है। आज बैंक का टर्नओवर 500 करोड़ रुपए है और इसके 15,000 से ज्यादा स्टेक होल्डर्स हैं। मराठवाड़ा की यह पहली को-ऑपरेटिव बैंक है जिसकी ब्रांच पुणे में भी है। यह बैंक हाईटेक टेक्नोलॉजी से लैस है। यहां एटीएम, ऑटोमेटिक डोर, बायोमैट्रिक सिस्टम आदि सभी सुविधाएं हैं। टेक्नोलॉजी के मामले में बैंक नेशनलाइज्ड बैंकों का स्टैंडर्ड फॉलो करता हैं। वर्ष 1995 से लेकर अब तक बैंक में कभी इलेक्शन नहीं हुए और सर्वसम्मति से श्री राठी ही चेयरमैन रहे हैं। इसी तरह की स्थिति लातूर को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीज हाउस में भी है। शुरु से लेकर आज तक वे ही चैयरमैन हैं।

सेवा के लिए वृहद क्षेत्र

लातुर में गणपति का मंदिर नहीं था। सन् 1990 में अष्टविनायक ट्रस्ट बनाया और इसके जरिए कई मंदिर बनाए और कई सोशल एक्टीविटीज भी की। लातूर में अष्टविनायक मंदिर बनाया। इसमें अष्टविनायक की सभी आठों मूर्तियों की प्रतिमूर्ति स्थापित की। हर साल विनायक जयंती पर इसका वर्धापन दिवस आयोजित होता है, जिसे बड़े पैमाने पर मनाते हैं। इसके लिए गीत-नृत्य स्पर्धा आयोजित करते हैं। यह स्टेट लेवल की होती है और पूरे महाराष्ट्र के बच्चे इसमें भाग लेते हैं। इसमें भक्तिगीत और क्लासिकल डांस कॉम्पीटिशन भी होते हैं। इसमें कई कैटेगिरी हैं। जिसमें हर साल 3000 तक एंट्री आती है। 3 साल से यह कॉम्पीटिशन पुणे में भी आयोजित हो रहा है। कॉलेज गोइंग गर्ल्स के लिए हॉस्टल शुरू किया गया है। यह सुविधा फ्री में भी देते हैं। लातूर में बुद्धा गार्डन बनाया है। बोधगया से बोधिवृक्ष की जड़े लाकर यहां लगाई गईं हैं। यह बहुत सुंदर और शांत जगह है, लोग यहां आकर समय बिताते हैं, रिलेक्स होकर जाते हैं। महिलाएं सोशल गेदरिंग करती हैं।

कई संस्थाओं को समर्पित सेवा

अध्यक्ष	-	लातूर अर्बन-कॉआपरेटिव बैंक
		लातूर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट कोआपरेटिव
		अष्टविनायक प्रतिष्ठानम
		औंकारप्रतिष्ठान
		नेशनल ट्रेनिंग व रिसर्च सेंटर लातूर
		राष्ट्रीय विचारक मंच
		राजस्थानी फाउण्डेशन
पूर्व अध्यक्ष	-	लातूर नगर निकाय (वर्ष 1985)
		संजय गांधी निराधार व स्वावलंबन योजना (वर्ष 1982)
		लातूर व्यापारी व इण्डस्ट्रीयल को-आपरेटिव क्रेडिट सोसायटी
		लातूर एग्रीकल्चर मल्टीपर्पज सोसायटी
		परिवार कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
		हजरत सूरत सवाली दरगाह कमेटी
		सिद्धेश्वर रत्नेश्वर देवस्थान
		महाराष्ट्र स्पोर्ट्स क्लब
		चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज
सदस्य	-	जिला प्लानिंग व डिवलपमेंट कमेटी (वर्ष 1984)
		डिस्ट्रिक्ट इंडस्ट्रीज सेन्टर
उपाध्यक्ष	-	दयानंद एज्युकेशन सोसायटी
डायरेक्टर	-	नेशनल ट्रेनिंग व डिवलपमेंट कार्पोरेशन
		फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज ऑफ इंडिया
		टूरिज्म कमेटी ऑफ फिक्की नई दिल्ली
		फेडरेशन ऑफ महाराष्ट्र कोआपरेटिव इण्डस्ट्रीयल इस्टेट
		प्रज्ञा टूल्स लिमिटेड (रक्षा मंत्रालय के प्रतिष्ठान)

अमीर-गरीब का अंतर सबसे बड़ी समस्या

श्री राठी चाहे स्वयं सम्पन्न वर्ग से हैं, लेकिन वे अमीर-गरीब के अंतर के खिलाफ हैं। वे इसे सबसे गंभीर समस्या मानते हैं। उनका मानना है, अमीर और गरीब की बढ़ती खाई देश की सबसे बड़ी समस्या है। एक बात पूरे देश को समझनी होगी कि जो भी इस देश में पैदा हुआ है, उसकी जिम्मेदारी पूरे देश की है। अब बच्चा टाटा-बिरला के यहां पैदा हुआ या झुग्गी में, इसमें बच्चे की तो कोई गलती नही है। उसे अच्छे माहौल में पढ़ने-रहने, खाने व पहनने की बुनियादी सुविधाएँ देना समाज की जिम्मेदारी है। वरना आगे चलकर ऐसे बच्चे ही नक्सलवाद जैसी विचारधारा से जुड़ते हैं। अभी जिसके हाथ में जो आ रहा है, वो उसका संग्रह करने की कोशिश कर रहा है, चाहे वे धर्मगुरु हों, बिजनेसमैन हों या राजनेता हों। इस पैसे का, संसाधनों का समाज में बंटवारा ही नहीं हो रहा है, इसलिए इतनी समस्या हो रही है। आज पैसे कमाने का शास्त्र सभी के पास है, लेकिन उसे सही जगह खर्च करने का तरीका बहुत कम लोग जानते हैं, देखिए जहां संग्रह होगा, वहां संघर्ष होगा। लिहाजा सभी को हमेशा अपने से नीचे के वर्ग के लोगों को, जरूरतमंदों को बांटते रहना चाहिए। यदि बड़े बिजनसमैन छोटे बिजनसमैनों की मदद करें, समृद्ध लोग गरीबों को मदद करें तो देश की तस्वीर बदल जाएगी। इसके अलावा एजुकेशन और एम्प्लाइमेंट को लेकर भी प्रॉब्लम है। हमारे यहां आज भी ब्रिटिशकाल की एजुकेशन चल रही है। जबकि एजुकेशन व ट्रेनिंग बेस्ट होनी चाहिए, तभी युवाओं को काम के अच्छे मौके मिलेंगे। तब गाँवों में भी अच्छी संभावनाएं तैयार होंगी और लोग भागकर शहर नहीं आएंगे। इसी तरह लोग भाषण में बोलते हैं कि लड़का-लड़की बराबर हैं, लेकिन फिर भी लड़कियों को समाज में सेकंड पोजीशिन ही मिल रही है। वूमन एम्पावरमेंट पर काम करने की जरूरत है।

श्री राठी जी द्वारा निर्मित
अष्टविनायक (लातूर) भवन तिरूमाला

सहकारिता के प्रति हमेशा से नकारात्मक सोच रही है। यदि ऐसी सोच रखने वाले लोग बुलढाणा अर्बन को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी की सेवा को एक बार देख लें, तो कहेंगे कि आम व्यक्ति के जीवन स्तर को सुधारने का सहकारिता से अच्छा कोई रास्ता ही नहीं हो सकता। सहकारिता को एक आंदोलन का रूप देकर इस संस्था को इस गौरवशाली मुकाम तक पहुंचाने का श्रेय है, इसके संस्थापक भाई जी राधेश्याम चांडक को। श्री माहेश्वरी टाईम्स उनकी इन सेवाओं को नमन करते हुए सहकारिता में योगदान के लिये सम्मानित कर रही है, "माहेश्वरी ऑफ द ईयर २०१७" के सम्मान से।

MAHESHWARI OF THE YEAR 2017

सहकारिता आंदोलन के भीष्म
भाई जी राधेश्याम चांडक

जब भी देश के सहकारिता आंदोलन का इतिहास लिखा जाऐगा तो उसमें बुलढाणा निवासी भाई जी राधेश्याम चांडक का नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। कारण है उनके दिमाग व मन की कौमल भावनाओं की सोच की उपज "बुलढाणा अर्बन को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी"। इसकी शुरुआत तो एक छोटे से पौधे के रूप में हुई थी लेकिन वर्तमान में यह संस्था न सिर्फ देश बल्कि सम्पूर्ण एशिया की सबसे बड़ी सहकारी समिति बन चुकी है। इसका लक्ष्य था, ऐसे लोगों की आर्थिक सहायता करना जिन्हें किसी बैंक से ऋण प्राप्त नहीं होता और महाजनों के चक्कर में फंसने के सिवा जिनके पास कोई रास्ता ही नहीं होता। संस्था की सेवा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसने ऐसे सजायाफ्ता लोगों की भी ऋण देकर आर्थिक मदद दी है, जिनका कोई मददगार नहीं होता। यही कारण है कि अपने इन योगदानों से श्री चांडक की स्थिति ठीक वैसी बन गई कि "जिसका कोई नहीं उसके भाईजी हैं।"

ऐसे हुई थी शुरुआत

भाईजी स्वयं के अपने जीवन की शुरुआत आर्थिक परेशानियों से हुई थी। अतः उन्होंने आमव्यक्ति की तकलीफ को अत्यंत निकट से देखा। अतः आम व्यक्ति के विकास के लिये सहकारिता के महत्व को समझ श्री चांडक ने इस आंदोलन का शेष महाराष्ट्र में नेतृत्व करने की ठान ली और जून 1986 में बुलढाणा अर्बन को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी की

सम्मान के अवसर पर

स्थापना बुलढाणा में की। वैसे तो उनसे पूर्व भी कई लोगों ने सहकारिता आंदोलन की बागडोर संभाली लेकिन सभी असफल हो गये। अतः उनके इस प्रयास को भी लोगों ने दुस्साहस नाम ही दिया। अपनी लोकप्रियता के कारण लोगों के बीच भाईजी के नाम से जाने-जाने वाले श्री चांडक ने लोगों के विश्वास को अपना आधार बनाया और कार्य के प्रति समर्पण, योग्यता व अनुशासन को शक्ति और अपने प्रयासों को प्रारंभ कर दिया। उनकी तीक्ष्ण बुद्धि, भावनात्मक जनसंपर्क व मेहनत पर विश्वास ने उन्हें सफलता के मार्ग पर ऐसा अग्रसर किया कि उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। एक बीज रूप में प्रारंभ "बुलढाणा अर्बन को-ऑपरेटिव सोसायटी" धीरे-धीरे एक ऐसा वटवृक्ष बनती चली गई जिसकी छांव में सोसायटी के लगभग डेढ़लाख से अधिक सदस्य आर्थिक उन्नयन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इस सोसायटी की शुरुआत उन्होंने मात्र एक शाखा से 72 सदस्य व 12000 रुपये की कुल पूंजी से की थीं।

वर्तमान में सेवा की वटवृक्ष

एक छोटे से पौधे के रूप में स्थापित सोसायटी आज किस तरह सेवा का वटवृक्ष बन चुकी है, इसका अंदाजा आप उसकी वर्तमान स्थिति से लगा सकते हैं। वर्तमान में सोसायटी का 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक व्यवसाय, 5500 करोड़ से अधिक जमा, 4 से 5 हजार करोड़ से अधिक की ऋण देयता, 7 लाख 50 हजार से अधिक सदस्य, 405 से अधिक शाखाएं व 6000 से अधिक समर्पित कर्मचारी हैं। सोसायटी कितने वृहद स्तर पर कार्यरत है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसकी सेवा का क्षेत्र लगभग 420 वर्ग कि.मी. से अधिक है। 650 करोड स्थायी संपत्ति बुलढाणा अर्बन के पास होकर सात राज्यों में सहकारिता का बुलढाणा अर्बन ने विस्तार कर जमाधारकों की पूंजी एवं विश्वास को कायम रखने का श्रेय भाईजी को जाता है। सोसायटी वर्तमान में राष्ट्रीयकृत बैंकों की तरह एटीएम सहित समस्त उच्च स्तरीय बैंकिंग सुविधा दे रही है। इसकी सेवा भी अब सिर्फ सोश्यल बैंकिंग तक सीमित नहीं रही बल्कि उसके सेवा के क्षेत्र भी वृहद हो चुके हैं।

लोगों का आर्थिक विकास ही सपना

सोसायटी अब कई सेवा संस्थाओं के साथ ही 300 से अधिक वेयर हाउस, टोल प्लाजा, ग्रेन क्लीनिंग व ग्रेडिंग युनिट, 21 स्कूल, विभिन्न तीर्थ स्थानों पर 3 भक्त निवास, होस्टल, ओल्डएज होम्स, एग्रीकल्चर लेब व इंस्ट्रूमेंट बैंक, स्पीनिंग मिल, फार्मास्युटिकल कंपनी, कॉऊ शेल्टर, मिनरल वाटर प्लांट, वैदिक विद्यालय, रेसीडेंसी होटल आदि का संचालन कर रही है। लक्ष्य यही है कि लोगों को अधिक से अधिक रोजगार प्रदान करना और वह भी सम्मानजनक ढंग से। वास्तव में वह हुआ भी सोसायटी के जितने कर्मचारी हैं, उन्हें शासकीय कर्मचारियों से अधिक सुविधाएं मिलती हैं। सोसायटी के 10 प्रतिशत शेयर्स इनके लिये ही हैं, जिससे ये भी संस्था के लाभ के सीधे-सीधे हिस्सेदार हैं। संस्था सदस्यों को स्वास्थ्य सुविधा के साथ ही न्यूनतम मूल्य पर आवास सुविधा भी उपलब्ध करवाती है।

सहकार विद्या मंदिर, बुलढाणा में बच्चों के साथ

दोनों सुपुत्री एवं दामाद श्री मनीष कासट, डॉ. सुकेश झंवर के साथ

कई संस्थाओं को सेवा

भाईजी सिर्फ बुलढाणा अर्बन को ऑपरेटिव सोसायटी को ही अध्यक्ष के रूप में सेवा नहीं दे रहे हैं, बल्कि इनमें कई अन्य संस्थाएं भी शामिल हैं। भाईजी बुलढाणा अर्बन चेरिटेबल सोसायटी, बुलढाणा अर्बन को ऑपरेटिव ई-कंजुमर स्टोर्स, श्री संभाजी राजे विद्यालय डोंगर खंडाला, श्री अंबादेवी संस्थान तारापुर जिला बुलढाणा, गुड डे बेडमिंटन क्लब बुलढाणा, बुलढाणा डिस्ट्रिक्ट हॉकी एसोसिएशन, बुलढाणा क्लब, बुलढाणा डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन, बुलढाणा डिस्ट्रिक्ट शूटिंग बॉल एसोसिएशन बुलढाणा शाखा आदि को अध्यक्ष के रूप में सेवा प्रदान कर रहे हैं और भी कई ऐसी सेवा संस्थाएं हैं, जिनके माध्यम से सेवा की वृहद यात्रा चली है। भाईजी के प्रयास से रेलवे आरक्षण, नेत्र शिविर व डायग्नोस्टिक सेंटर, निःशक्तों के लिये ट्राईसिकल, कैलिपर्स व अन्य सहायक उपकरण वितरण निःशुल्क एम्बुलेंस सुविधा आदि का संचालन किया जा रहा है। उनकी संस्थाओं ने कई ग्रामों को गोद लेकर उनमें विकास यात्रा प्रारंभ की। यहां तक कि ऊर्जा के क्षेत्र में भी प्राकृतिक साधनों से ग्रामों को आत्मनिर्भर किया। बुलढाणा शहर के लिये पेयजल आपूर्ति के एक मात्र बांध के रखरखाव में भी उनकी सोसायटी अहम भूमिका निभा रही है।

धर्मपत्नि श्रीमती पुष्पा देवी एवं बेटी कोमल झंवर के साथ

संतश्री श्री गोविन्ददेव गिरी जी महाराज के साथ

सेवा ने दिलाया सम्मान

भाईजी की सेवाओं का वास्तविक प्रतिफल तो उनका आत्मसंतोष ही है, लेकिन उनकी सेवा ने प्रत्यक्ष रूप से उन्हें सम्मानित भी करवाया जबकि उन्होंने इसकी अपेक्षा ही कभी नहीं की। विगत वर्ष शिर्डी में आयोजित ''इंटरनेशनल को ऑपरेटिव कॉन्फ्रेंस'' में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के हाथों ''जीवन गौरव अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही भाईजी पद्मश्री स्व. विट्ठलराव विरवे पाटिल महाराष्ट्र कोऑपरेटिव एग्रो इनोवेशन अवार्ड-2001, पद्मश्री डॉ माणिकभाई देसाई नेशनल सर्विस अवार्ड-2002, सहकार सेवाश्री अवार्ड-2004, विशेष समाजसेवा के लिये ''जागृति अवार्ड'' शिक्षा आर्थिक विकास, समाजसेवा, संस्कृति व उद्योग कार्य के लिये ''जानिव-2005 अवार्ड'' अ.भा. छाबा मराठा एसोसिएशन के ''मराठा मित्र अवार्ड'', महाराष्ट्र स्टेट मराठी पत्रकार संघ के ''बाल शास्त्री जाम्भेकर'' स्वामी स्वरूपानंद संस्था के ''सहकार तपस्या अवार्ड'', जीजा माता सावित्री ट्रस्ट के ''फुले साहू अंबेडकर अवार्ड-2008'' शिक्षा व समाजसेवा के लिये ''स्व. सुवालालजी वाकेकर समाजभूषण अवार्ड'' छत्रपति शिवाजी बहुजन मित्र संस्था के ''छत्रपति शिवाजी बहुजन मित्र अवार्ड'' संस्था एनएएफसीयूबी के ''केपकॉन 2007 अवार्ड'' ''समाज भूषण 2006-07'' आदि सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं।

आम जनता के हर कदम पर साथ

सेवाभाव में समर्पित बुलढाणा अर्बन का मुख्य उद्देश्य आम जनता की ज्यादा से ज्यादा सहायता कर उन्हें एक मानवबद्ध सामाजिक शृंखला में जोड़ना ये भाईजी की दुरगामी सोच थी जो बहुत हद तक सफल हो चुकी है। नोटबंदी के दरम्यान सहकारिता क्षेत्र में धोखाधड़ी की स्थिति निर्मित होने पर भी बुलढाणा अर्बन एक वटवृक्ष की तरह खड़ी है। अपने सदस्यों द्वारा दिखाया गया विश्वास ही अपनी सफलता की पूंजी है, ऐसा भाईजी मार्गदर्शन में कहते है। पर्यावरण के बारे में सचेत होकर उन्हीं के द्वारा बुलढाणा शहर में विगत 3 वर्षों से स्वच्छ अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छ बुलढाणा शुद्ध बुलढाणा का सपना बुलढाणा में लगभग पूरा हो चुका है। भाईजी द्वारा देशहित की रक्षा में शहीद हुए जवान के बच्चों को शिक्षा का खर्च भी उठाया जा रहा है। भाईजी बुलढाणा के साथ-साथ पूरे महाराष्ट्र की शान भाईजी वास्तव में भाईजी ही हैं। हर व्यक्ति के भाई अत्यंत सरल सहज। इतनी बड़ी संस्था के अध्यक्ष रहते हुए भी आज भी इनसे मिलने के लिए अपाइन्टमेंट लेने की जरूरत नहीं होती। आम आदमी की तरह रहकर सीधी की सहायता करने को ही वे जीवन का आनंद मानते हैं।

मुख्य कार्यालय के शुभारंभ के अवसर पर

MAHESHWARI OF THE YEAR 2017

दवा उद्योग वैसे ही एक चुनौती पूर्ण उद्योग है और ऐसी चुनौतियों में भी यदि कोई ''बेस्ट'' होने का सम्मान प्राप्त करे तो यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। ऐसे ही दवा उद्योग के बेस्ट उद्यमी रायचुर के विष्णुकांत भूतड़ा को श्री माहेश्वरी टाईम्स कर रही है, ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2017 से सम्मानित।

एक्सपोर्ट व उत्पाद सभी में 'बेस्ट'

विष्णुकांत भूतड़ा

देश के उद्योग जगत में रायचुर निवासी विष्णुकांत भूतड़ा एक ऐसा प्रतिष्ठित नाम है, जिन पर सम्पूर्ण दवा उद्योग गर्व करता है। श्री भूतड़ा एक ऐसे दवा निर्माण क्षेत्र के उद्यमी हैं, जिनके उद्योग ने वर्ष 1995 से अभी तक कई बार ''बेस्ट इंटरप्रेन्यौर'' का सम्मान प्राप्त किया। इतना ही नहीं उनके उत्पादक अपनी उच्च गुणवत्ता के कारण अन्य देशों में भी अत्यंत लोकप्रिय है। उनकी इसी लोकप्रियता ने उन्हें ''एक्सीलेंस इन एक्सपोर्ट्स'' अवार्ड से भी सम्मानित करवाया। जब भी उद्यमियों के विदेश में प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठा तो वहां पर भी उद्योग मंत्रालय की पहली पसंद श्री भूतड़ा ही रहे। यही कारण है कि उद्योग जगत की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए श्री भूतड़ा हमेशा ही सेलिब्रिटी रहे हैं। ''आऊटलुक बिजनेस इंडिया 2017'' द्वारा तो श्री भूतड़ा को गत दिनों ''पॉवर ऑफ फर्स्ट'' अवार्ड से सम्मानित भी किया जा चुका है।

शिक्षा ने दिखाई राह

श्री भूतड़ा का जन्म 25 सितम्बर 1962 को जामखंडी, जिला बिजापुर (कर्नाटक) में स्व. श्री चतुर्भुज भूतड़ा के यहां हुआ। उन्होंने वर्ष 1986 में व्ही.एल. कॉलेज ऑफ फार्मेसी रायचुर के द्वारा गुलबर्गा युनिवर्सिटी से बेचलर ऑफ फार्मेसी की उपाधि प्राप्त की। उनके लिये उच्च पदों पर नौकरी के अवसर उपलब्ध थे लेकिन श्री भूतड़ा ने माहेश्वरी परम्परा के अनुसार स्व उद्योग प्रारंभ करने का संकल्प ले लिया। इसी संकल्प से वर्ष 1987 में दवा उद्योग ''शिल्पा मेडिकेयर लि.'' की शुरुआत हुई। शुरुआत तो अत्यंत छोटे स्वरूप में हुई, लेकिन फिर उनका यह छोटा सा उद्योग वृहद रूप लेता ही चला गया।

हासिल किया प्रतिष्ठित स्थान

प्रारंभ से ही श्री भूतड़ा "शिल्पा मेडिकेयर लि." को मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में संभाल रहे हैं। इसे उनका समर्पित प्रयास ही कहा जाना चाहिये कि वर्तमान में उनकी कंपनी बड़े पैमाने पर अपने उत्पादों का निर्यात कर अच्छा लाभ कमाने वाली कंपनी में शामिल है। यह बीएसई तथा एनएसई दोनों में सूचीबद्ध होकर दवा उद्योग के निवेशकों की खास पसंद बन चुकी है। इसके साथ ही आईसीई स्पॉ, अठली तथा एसएमएल के संयुक्त उद्यम "रायकेम मेडिकेयर प्रा.लि." के श्री भूतड़ा डायरेक्टर भी हैं। सेवा संस्था शिल्पा फाउंडेशन को अध्यक्ष रूप में भी अपनी सेवा दे रहे हैं।

"बेस्ट व एक्सीलेंस" का सम्मान

श्री भूतड़ा को वर्ष 1995 में प्रथम "बेस्ट इंटरप्रेन्यौर" राष्ट्रीय अवार्ड से तत्कालीन राष्ट्रपति श्री शंकरदयाल शर्मा के हाथों सम्मानित किया गया। इसके बाद वर्ष 1994-95 तथा 1995-96 में कर्नाटक राज्य शासन द्वारा उन्हें "बेस्ट इंटरप्रेन्यौर" के सम्मान से सम्मानित किया गया। विश्वेश्वरैया इंडस्ट्रीयल ट्रेड सेंटर बैंगलोर द्वारा वर्ष 1995 से सतत रूप से प्रतिवर्ष "एक्सीलेंस इन एक्सपोर्ट" अवार्ड से सम्मानित किया जाता रहा है। संस्था एफकेसीसीआई बैंगलोर द्वारा भी वर्ष 2006 से प्रतिवर्ष एक्सपोर्ट एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया जाता रहा है। वर्ष 1996 में भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय द्वारा उनका

चयन रूस जाने वाले ''ट्रेड डेलिगेशन'' के लिये किया गया था। वर्ष 2012 में राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा ड्रग एंड फार्मास्युटिकल सेक्टर में उन्हें ''नेशनल इनर्जी कन्जर्वेशन अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। इंडिया फार्मा अवार्ड 20015 के मुंबई में हुए आयोजन में उनकी कंपनी शिल्पा मेडिकेयर के यूबीएम एस एक्सिलेंस इन आर एंड डी अवार्ड से सम्मानित किया गया। बिजनेस मैंग्जीन '' बिजनेस वर्ल्ड-2 अप्रैल 2016 द्वारा मध्यम आकार की कम्पनियों के अंतर्गत श्री भूतड़ा को ''इंडियाज मोस्ट वेल्युएबल सीईओ'' में 35 वीं रैंक प्रदान की। फार्मास्युटिकल पेटेण्ट के लिये वर्ष 2015-16 में उन्हें ''पेटेण्ट अवार्ड'' से भी सम्मानित किया गया। टीवी चैनल ''सीएनबीसी टीवी 18'' पर उनके साक्षात्कार का प्रकाशन भी हो चुका है। सीएनबीसी टीवी-18 द्वारा ''इमर्जिंग इंडिया अवार्ड्स लंदन 2008 में उन्हें ''फर्स्ट रनरअप के अवार्ड से सम्मानित किया गया।

समाज सेवा में भी समर्पित

अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद श्री भूतड़ा समाजसेवा में भी अपना पूर्ण सक्रियता व समर्पित भाव से योगदान दे रहे हैं। वर्तमान में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा को ''इंडस्ट्रीयल एंड प्रोफेशनल सेल'' के संयोजक के रूप में सेवा दे रहे हैं। श्री भूतड़ा वर्ष 1998 से 2002 तक ''कर्नाटक-गोवा प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन'' को सचिव के रूप में सेवा दे चुके हैं। इसके साथ ही अ.भा. माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट व मुक्तिधाम रायचुर के ट्रस्टी तथा लोहार्गल प्रोजेक्ट (राजस्थान) तथा राधाबाई चतुर्भुज भूतड़ा चेरिटेबल ट्रस्ट के फाउंडर ट्रस्टी एवं बंसीलाल राठी बॉयज होस्टल पुणे के फाउंडर डोनर हैं। इसके साथ ही ''कर्नाटक प्रांतीय माहेश्वरी महासभा ट्रस्ट (कर्नाटक)'' के भी ट्रस्टी है। अपनी सेवा संस्था ''शिल्पा फाउंडेशन'' के माध्यम से विभिन्न विकास व समाजसेवी गतिविधियों में समर्पित भाव से अपना योगदान दे रहे हैं। उन्हीं के पदचिह्नों पर चलते हुए उनका परिवार भी इन सेवा कार्यों में उनका सहभागी है।

Aishwarya™

Premium Edible Oils

With Best Compliments from:

SRI AISHWARYA REFINERY PRIVATE LIMITED
MANIYAR REFINERY PRIVATE LIMITED

Manufacturers of All Kinds of Edible Refined Oils

Corporate Office: 16-11-1/5/A/A, Malakpet, Hyderabad – 500 036 (T.S)
Tel: 040-24544850,242544851, +91-9849010631,9849038253,
Email: aishwaryaoils@gmail.com, maniyaroils@gmail.com

Kailash Chand Maniyar

• Vijay Maniyar • Vinay Maniyar • Vishal Maniyar

With Best Compliments From

Deepak lakhotia
98950-19420

Vimal lakhotia
93880-19420

Vinayak Infotechs

DOOR NO -56/1679 - D, N.S.S. KARYOGAM JUNCTION,
K.P. VALLON ROAD, KADVANTHARA,
NEAR - INDIAN OVERSEAS BANK, ERNAKULAM - 682020 KERALA,
PHONE - 0484 - 4000440, 4063440, 4067440
Email : vinayak_infotechs@yahoo.com

खाओ कण भर फेंकों मन भर

"किसी समय कहावत प्रचलित थी ''खाओ मन भर, फेंको ना कण भर'' कहावत अब नया स्वरूप ले चुकी है। अब सम्पन्नता दिखाने के चक्कर में यह कहावत नया रूप ले चुकी है खाओ कण भर फेंको मन भर'' जो नये रूप में कहावत का अनुसरण करता है वह सम्पन्न और जो न करे वह ''भूखा''? क्या यह परिवर्तन सही है? इसी पर समाज के प्रबुद्ध पाठकों के विचार जानने का प्रयास किया है प्रतिष्ठित साहित्यकार व सामाजिक चिंतक सुमिता मूंधड़ा ने।"

एक कहावत सुनी थी खाओ मन भर फेंको ना कण भर। पर आज वर्तमान युग में यह चलन है कि खाओ कण भर, फेंको टन भर।

भारतीय संस्कृति में अन्न को देवता का दर्जा दिया जाता है और अन्न को जूठा छोड़ना यानी देवताओं का अनादर करना। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम विभिन्न समारोहों के भोजों में सैकड़ों टन खाना बर्बाद करते हैं। एक तरफ लोग दाने-दाने के लिए मोहताज हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अन्न को जूठन के रूप में बर्बाद करने से बाज नहीं आ रहे। लोग दिखावे के लिए भोजन की बर्बादी करने में भारत अव्वल नंबर पर है।

वास्तव में आजकल शादी-व्याह एवं दूसरे विभिन्न भोज समारोहों में खाद्यानों की बर्बादी होते हुए अपनी आँखों से देखते ही नहीं हम स्वयं भी बर्बादी करते हैं। ऐसे समारोहों में भूख और जरूरत से अधिक हम थाली को भर लेते हैं और 2-4 कौर खाकर भरी की भरी थाली छोड़ देते हैं। शादियों में अनगिनत व्यंजन बनने लगे हैं जिनमें अधिकतर तो ऐसे होते हैं जिनके नाम भी हमें पता नहीं होते। हम मात्र चखने के उद्देश्य से भी थाली में उनको भरते जाते हैं। मुफ्त में इतने व्यंजन एक साथ कहाँ देखने और चखने को मिलेंगे। चाहे बाद पसंद ना आने पर एक कौर चखने के बाद उन्हें कचरे के ही हवाले करना पड़े। भोज समारोहों में अनगिनत देसी ही नहीं विदेशी व्यंजनों का होना हमारे घर-घराने के स्तर में चार चांद लगा देता है। अगर भारतीय व्यंजनों के साथ विदेशी व्यंजन शामिल न हों तो मेजबान को आउटडेटेड की उपाधि भी अप्रत्यक्ष रूप से मिल ही जाती है।

हाँ एकबारगी तो जूठन के रूप में खाने की हो रही बर्बादी को देख मौन-मूक बने हर इंसान के मन में हलचल तो होती ही है पर 'मेरा क्या जाता है या मुझे क्या करना है या मैं क्यों पड़ूं समाजसेवा में' सोच कर हम आँखे मूंदे रहते हैं। हमारी यह सोच बहुत ही स्वार्थी है। हो सकता है, शायद हमारा एक कदम समाज को सुधारने में सहायक साबित हो और सैकड़ों भूखों के मुँह में निवाला पहुंचा दे।

इस दिखावे की होड़ में साधारण स्तर के परिवार को भी ना चाहते हुए अपनी बराबरी की सामाजिक पैठ बनाये रखने के लिए बलि का बकरा बनाना पड़ता है। वह अपनी चादर से बाहर पांव पसारकर कर्ज में डूबकर भी लोग दिखावे के लिए अमीरी दर्शाने भोज में खुलकर खर्च करता है और आजीवन उस दिखावटी भोज के कारण कर्ज ही चुकाता रहता है।

स्थानीय सामाजिक संगठनों द्वारा निर्धारित आचार-संहिता के अनुसार 11 या 15 व्यंजनों को ही भोज में रखना सिर्फ सामाजिक भाषणों में ही सुशोभित होता है। हकीकत में 1000 परिवारों में से एक सज्जन परिवार ही होता है जो आचार-संहिता का पालन करता है।

मैं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा संगठन परिवार से निवेदन करती हूं कि वे आचार-संहिता के समर्थन करते हुए कुछ कड़े सामाजिक नियम-कानून बनाएं। आचार-संहिता के अनुसार भोज रखने वालों को सम्मानित एवं आचार-संहिता का उल्लंघन करने वालों का बहिष्कार करें। स्थानीय सामाजिक संगठनों को भी प्रेरित करें कि वो सामाजिक कार्य में पूरा योगदान दें।

अगर हम इतने सामर्थ्यवान हैं कि सामाजिक भोज पर लाखों रुपए खर्च कर सकते हैं चाहे उसका तीन चौथाई हिस्सा कचरे के हवाले ही हो रहा हो तो कृपया इस अन्न-धन की बर्बादी को करने में भागीदार न बनें। अचार-संहिता का पूर्ण रूप से नहीं पर फिर भी कुछ नियम अवश्य बनायें और उन्ही सीमित व्यंजनों को ही सामाजिक भोज में स्थान दें जो सबको पसंद आये और सभी मन से पेट भर खा सकें। लोग दिखावे में न पड़कर अपने द्रव का सही सदुपयोग करें और जरूरतमंद लोगों की सहायता करें। सच्चे मन से किया हुआ परोपकार हमें आत्मिक संतुष्टि और असीम शांति प्रदान करेगा । इस विषय पर हमने समाज के प्रबुद्धजनों के विचार जानने का भी प्रयास किया।

क्या कहते हैं समाज के प्रबुद्धजन

अन्न 'माँ अन्नपूर्णा का वरदान'

इतिहास के पन्नों में जाएंगे तो पाएंगे कि माहेश्वरी गांवों के वासी थे। कृषि उनका आधार था। मोटा खाओ,मोटा पहनो उनका आधार-स्तंभ था।

कृषि के तौर-तरीके आज का मानव शहरी चकाचौंध में भूल चुका है। अन्न मंडियों की ढेरी से निकलकर मॉल में पैकेट्स में बंद होकर आज चुपके से हमारे घरों में पिछले दरवाजे से आने लग गया। पिसा-पिसाया, रेडीमेड। हम उसकी उसकी गुणवत्ता, उसकी महत्ता को भूल चुके। अन्नप्राशन की परंपरा ओझल हो गई। कीचन 'संस्कृति' की विकृति से शापित होकर नालियों में अन्न बेतहाशा भटक रहा है। शादी जैसे समारोहों में अन्न का भयंकर दुरुपयोग हो रहा है। अन्न को हमारे घर पहुँचने में करीब 180 या इससे भी कुछ ज्यादा दिन लगते हैं और बर्बाद होने में कुछ पल। किसान तनतोड़ मेहनत कर 90 दिन में अन्न को तैयार करता है। 30 दिनों में मंडी पहुँचाता है। 30 दिनों में सफाई के दौर से गुजरकर मिलों के माध्यम से वातानुकूलित मॉल पहुंचकर आपके घर पहुँचने में फिर 30 से ज्यादा दिन भटकता है। और हम बेरहमी से उसका दुरुपयोग कर उसका अस्तित्व कुछ पलों में ही खत्म कर देते हैं।

- जुगलकिशोर सोमाणी, जयपुर

संवेदनहीनता का प्रतीक

हमारी संस्कृति में अन्न को पूर्ण ब्रह्म कहा जाता है। अन्न-दान पुण्य कर्म माना जाता है। फिर उसे फेंकने में काहे की सद्भावना? उच्च स्तर की जीवन शैली की मानसिकता यह सब भूलकर दिखावा, प्रदर्शन में जुटी है। समारोह में अधिकाधिक व्यंजनों को खिलाने की होड़ में यजमान को पुण्य का भाव प्रतीत होता है पर बचा खाना किसी की तृप्ति करा दे इसकी फ्रिक ही नहीं। कुपोषित लोगों की भूक मिटाने जैसा कोई पुण्यर्चन नहीं। समारोह में अति खाने से सेहत की हानि, बचे खाने के सड़ने से पर्यावरण हानि, अनाज में लगने वाले प्राकृतिक जल संसाधन की हानि, और तो और देश की राशन को पूरा करने में जो अधिक अनाज विदेशों से आयात होता है उससे राष्ट्रीय संपत्ति की हानि इन सबसे निजात मिल सकती है अगर सरकार 2006 में बना 'विवाह समारोह अधिनियम' सख्ती से लागू करे तो। हर समाज में भी सख्ती से फिजूलखर्ची पर प्रतिबंध लगे और 3 दिन से अधिक चलने वाले विवाह, धार्मिक समारोह 1 ही दिन पर लाए जाए।

सोनाली काला, मालेगांव (नासिक)

अन्न-धन की बर्बादी

इंसानी फितरत है कि हमें जो आसानी से मिलता है हम उसकी कीमत और कदर नहीं करते। एक डायटीशियन के अनुसार एक समय की हमारी जरूरत सिर्फ 'हथेली भर' के खाने जितनी होती है। अभी हमारी स्थिति ऐसी हो गई कि 'खाओ कण भर, फेंको मण भर'। सारी परिस्थितियों को समझकर समय रहते हमें आदतों को बदलना बहुत जरूरी है। हमारे समाज की सामाजिक व आर्थिक संरचना बहुत विषम है। हमारी जनसंख्या 'हेव व हैव नॉट' में बंटी हुई है। समाज व इंसान तब तक शांत रहता है जब तक पेट भरा रहता है। अन्न का हर पेट में पहुंचाना जरूरी है।

एक ओर शहरीकरण के कारण कृषि भूमि धीरे-धीरे कम होती जा रही है। दूसरी ओर पिछले कई वर्षों में सरकार की लापरवाही, केमिकल खाद, सिंचाई की गलत नीतियों के कारण हमारी खेती लायक जमीन की क्वालिटी व जमीन में पानी का स्तर गिरता जा रहा है। तीसरी ओर हमारी जनसंख्या बढ़ती जा रही है। ऊपर की सारी बातों को भी अगर हम ध्यान रखें तो अन्न की बर्बादी रोकना बहुत जरूरी है। हम सब अपने आपको श्रेष्ठ, बड़ा, आधुनिक व दूसरे नीचा दिखाने की भेड़चाल में बहूत फिजुलखर्ची कर अन्न की बर्बादी कर रहे हैं। अन्न मानव जाति के लिये प्रकृति का वरदान प्रसाद स्वरूप है। इसका सही वितरण होना बहुत जरूरी है। इसके पहले की कुदरत, प्रकृति हमें सबक सीखाकर मजबूर करे, हमें अपने आप को बदलकर अन्न का सही उपयोग करना जरूरी है।

शरद बागड़ी, नागपुर

अन्न बर्बादी मानवता का अपमान

हमारे धर्म में अन्न को देव सदृश मान कर भी हम अन्न को जूठन में फेंकने से नहीं हिचकिचाते। शादी और समारोहों में खाने के स्टॉल दिनपर दिन बढ़ते ही जाते हैं। सामर्थ्यवानों में होड़ा-होड़ी मची रहती है कि मेरे समारोह में खाद्य स्टॉलों की गिनती दूसरे से अधिक हो। संपूर्ण भारतीय भोज ही नहीं विदेशी भोज भी सजा दिए जाते हैं ताकि मेहमानों के समक्ष प्रभुत्व दिखा सके। सिर्फ चखने-चखने में ढाई सौ ग्राम में पेट भरने वाला इंसान ढाई किलो की व्यंजन भरी प्लेट जूठन में छोड़ देता है।

भारतभूमि पर जहां एक तरफ इंसान खाली पेट सोता है और दूसरी तरफ अन्न का इतना अपमान होता है तो मानवता कराह उठती है। इतना ही नहीं अन्न-धन की बर्बादी आंखों से देखकर भी हम अंधे बने रहते हैं। अन्नदेवता के पुजारी होकर भी अपने सारे संस्कार भूल जाते हैं। सच तो यह है कि हमारा जमीर मर चुका है, घर पर कमाई के अन्न का सम्मान करते हैं। बच्चों को जूठन ना छोड़ने की सीख देते हैं और समारोहों में दूसरों के अन्न-धन की बर्बादी का प्रत्यक्ष-परोक्ष हिस्सा भी बनते हैं। समाज-बंधुओं द्वारा आचार-संहिता लगाने से भी इस बर्बादी का निवारण तब तक नहीं होगा जब तक हम स्वयं अन्न-धन की बर्बादी ना करने की ठान लें।

- सरोज लड्ढा, कोलकाता

अपने संस्कारों से ही दूर

जय महेश

बहुत ही महत्वपूर्ण, परंतु स्वान्तः सुखाय के चलते विषय को गंभीरतम परिस्थिति में लाने के लिए सर्वस्व हम ही उत्तरदायी हैं। धनोपार्जन कर उसे व्यय करना मनुष्य का स्वभाव है, परंतु एक समय था, जब हमारे पूर्वज उपार्जित धन को जनकल्याणकारी कामों में लगाते थे। परंतु आज परिस्थिति एकदम विपरीत हो चली है। आज हम मात्र अपने सुखों के लिए, स्वतुष्टीकरण के लिए और अपने वैभव को प्रदर्शित करने के लिए अन्न और धन का नाश करने में तनिक भी नहीं हिचकिचाते हैं। ईर्ष्या के चलते एक से बढ़कर एक होने की होड़ में लगे हैं। यह इसी का दुष्परिणाम है, कि आज हमारे समाज की कम होती जनसंख्या, उसमें भी धन-निर्धन में बढ़ती हुई दूरी। परिवारों का टूटना भी इसका महत्वपूर्ण कारण है। हमें इस विषय पर गंभीरता से चिंतन करना चाहिये। अन्यथा हमारी भावी पीढ़ी कौनसी दिशा में जायेगी, यह स्पष्ट है। और उसके उत्तरदायी आज की पीढ़ी के लोग ही होंगे। हमें खाओ कण भर फेंको मन भर कहावत को मिटाना ही पड़ेगा। तभी हम हमारे पुरुषार्थी, व्यवसायी, धार्मिक, परोपकारी और दानवीर कहलाने को सार्थक कर सकेंगे।

महेशकुमार मारू, मालेगांव (नासिक)

असभ्यता बनी सभ्यता

अनादिकाल से कहावत चली आ रही है कि मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता 'रोटी-कपड़ा और मकान' है। इनमें भी मुख्य रूप से रोटी यानी अन्न सर्वप्रथम है। आज के युग में भी यह इतना ही प्रासंगिक है। हमारे पूर्वज कहते थे कि खाओ मन भर, न फेंको कण भर यानी जिस कण-कण को कमाने के लिए हम अपना खून पसीना रात-दिन बहाते हैं। उसका एक भी कण व्यर्थ ना जाए। आज भी हिंदुस्तान के लाखों लोग ऐसे हैं जिन्हें 2 जून की रोटी भी नसीब नहीं होती। कितने लोगों के अथक प्रयास के बाद

रोटी तैयार होकर हमारी थाली तक पहुंचती है। दुर्भाग्य यह है कि आज इस कहावत का रूप बदलकर इस प्रकार हो गया है 'खाओ कण भर, फेंको मन भर' यह सिर्फ लिखने या कहने भर के लिए नहीं है, बल्कि 100 फीसदी सच है सभ्य (कहने भर को) समाज का चलन है कि अगर आपको किसी समारोह में नाश्ता परोसा गया है तो पूरी प्लेट खाली ना करें वर्ना आपको कोई हीन दृष्टि से देखेगा। उसमें कुछ ना कुछ जूठा छोड़ना आवश्यक है। इसके अलावा शादी समारोहों में तो होड़ ही लगी रहती है अपने आपको साबित करने की। लोग कहें कि फलां की शादी आयोजन में कितने प्रकार के व्यंजन परोसे गए चाहे कोई व्यक्ति सारे व्यंजन खाना तो दूर तक चख भी नहीं पाता। कई बार तो ऐसा होता है कि व्यंजन प्लेट में तो लिया लेकिन स्वाद पसंद नहीं आया तो तुरंत पास रखें कचरा पात्र में वह प्लेट ले जाकर उलट दी। मैं आप सभी से पूछती हूं कि हमने किसी शादी में क्या खाया था क्या यह किसी को याद है? अब बात रही सुधार की तो कहां से शुरू हो? सबसे पहले स्वयं से ही शुरू करें। स्वयं प्रण लें कि हम कभी भी जूठा नहीं छोड़ेंगे। फिर घर परिवार व फिर समाज में बदलाव लाएं।

- स्वाति मानधना, बालोतरा, राजस्थान

अन्न की बर्बादी नैतिक अपराध

भारत के धर्म धरा पर अन्न को देवता का दर्जा है और यही कारण है कि जूठा छोड़ना/अनादर करना पाप समझते हैं। मगर बढ़ती संपन्नता के साथ खाने के प्रति हम लोग और भी असंवेदनशील होते जा रहे हैं। आधुनिकता की आँधी दौड़ में आज हम सब अपने ही बुजुर्गों के बनाए संस्कारों को भूलते चले हैं। भारतवर्ष में गोत्र और वंश के नाम पर चलने वाले भोजों में इतने अधिक आदमी इकट्ठा हो जाते हैं कि बेचारे मेजबान की सारी कोठियाँ ही खाली कर जाते हैं और भोजन करने वाले इसे अपनी शान, और पुण्य वृद्धि का साधन मानते हैं। शादी हो या उत्सव 200-300आइटम परोसे जाते हैं। खाने वाले व्यक्ति के पेट की एक सीमा होती है, लेकिन हर तरह के नये-नये पकवान एवं व्यंजन चख लेने की चाह में खाने की बर्बादी ही देखने को मिलती है। इस भोजन की बर्बादी के लिए लिये न केवल सरकार बल्कि सामाजिक संगठन भी चिंतित हैं। गत दिनों से अपने मारवाड़ी समाज में फिजूलखर्ची, वैभव प्रदर्शन एवं दिखावे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने एवं भोजन के आइटमों को सीमित करने के लिये सभाएं चल रही हैं व नियम बन रहे हैं। इनका भोजन की बर्बादी को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। धर्मगुरुओं व समाज के गणमान्य पदाधिकारियों को संगठनों को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए। घर की महिलाएं इसमें सहयोगी हो सकती हैं। खासकर वे बच्चों में शुरू से यह आदत डालें कि उतना ही थाली में परोसें, जितनी भूख हो। कहते हैं 'अनारोग्य-मनायुष्यमस्वर्गं चाति भोजनम्। अपुण्यं लोक विद्विष्टम् तस्मात्तत् परिवर्जत। अर्थात अति भोजन स्वास्थ्य के विनाश का कारण, आयु नाश करने वाला, स्वर्ग का विरोधी, पुण्य नष्ट करने वाला तथा अपयश प्रदान करता है। अतः उससे दूर रहें और मितभोजी बनें। राष्ट्र व समाज के इस अन्नसंकट काल में उन्न की बर्बादी को एक महान नैतिक-अपराध तथा समाज व देशद्रोह भी कहा जा सकता है। **-राज मालपाणी, शोरापुर-कर्नाटक**

अन्न का मूल्य

धान और धन रोजमर्रा के जीवन में बोले जाने वाले साधारण शब्द मात्र नहीं हैं। आज हम और हमारे बच्चे अन्न का उतना मूल्य नहीं समझ पा रहे हैं जितना एक भूखा सोने वाला इंसान, जानवर या अन्न को पैदा करने वाला किसान का परिवार जानता है। आज हमें अन्न कुछ मूल्य चुकाने से आसानी से मिल जाता है इसलिए हम जब भी होटल में, शादियों में और मेहमानों के संग रहते हैं तब अन्न का सबसे ज्यादा दुरुपयोग करते हैं। मेरे परिवार में शादी थी और वहाँ पर अनेकों तरह के व्यंजन बनाए गये और सभी मेहमानों ने सभी व्यंजनों की खूब तारीफ की और मैं भी बहुत खुश हुआ। लेकिन जब मैंने सुबह वहाँ फेंके गए खाने को कुछ लोगों को और जानवरों के संग खाते देखा तो मेरी सारी खुशी काफूर हो गई थी। मैं बहुत देर तक यह ही सोचता रहा कि मैंने जो कल किया वो सुख देने वाला था या मैं उस बचे हुए खाने को किसी उचित स्थान पर ले जाकर किन्हीं लोगों को खिला पाता तो सच्ची खुशी मिलती? अगर मैं ऐसा कर पाता तो मुझे दोनों समय की खुशी मिल जाती और कई लोगों को मेरे धन की अन्न की प्राप्ति हो जाती। **- विमल बूब, जोधपुर**

प्रदर्शन मात्र है छप्पन भोग

अब पहले जैसी बात नहीं रही कि खास मौकों पर ही स्वादिष्ट भोजन खाने के लिए मिलेगा। नवीन पीढ़ी अपने शौक पहले पूरे करती है चाहे वह घूमने-फिरने का हो, नित नए कपड़े पहनने का हो अथवा भिन्न-भिन्न स्वादिष्ट खानपान से संबंधित। कहने का तात्पर्य यह है कि विभिन्न समारोहों में लगे छप्पन भोग की तरफ अब अधिक आकर्षण नहीं रहा। अब यह 56 भोग सिर्फ मेजबान अपने स्तर का प्रदर्शन के लिए करते हैं। यह मेजबान भी भली-भांति जानते हैं, पर लोग-दिखावे के लिये करना पड़ता है। जब मेजबान की मेहनत का पैसा यूं व्यर्थ में जूठन में जाता है तो सब कुछ देखते हुए भी मेहमानों को कुछ नहीं बोल पाता है। मेजबान को चाहिए कि समारोह में अन्न की बर्बादी को रोकने के लिए आचार संहिता के अनुसार भोजन की व्यवस्था रखे और वहां पर ही एक बड़ी धनराशि गोशाला/ वृद्धाश्रम/ अनाथाश्रम/ विधवाश्रम आदि किसी भी संस्था में दान करके सबके सामने मिसाल कायम करे। इससे मेजबान भी प्रशंसा का पात्र होगा और सबके लिए एक उदाहरण बन जायेगा अर्थात एक पंथ दो काज।

-श्रीकांता मूंधड़ा मालेगांव, महाराष्ट्र

झूठी शान की जगह वर्तमान में जियें

कुछ कण चावल से सृजनहार का पेट भर गया था, वहां हम लाखों करोड़ों कणों को झूठा छोड़ देते हैं। न जाने इसी अन्न से कितनों का पेट भर जाता। हमें क्या पता कितने लोग आधा पेट खाकर सोते हैं, तो कितनों को भोजन भी नसीब नहीं होता। हमें इस झूठी शान को छोड़ना होगा। वास्तविक दुनिया में जीना होगा। यदि हम भी सच्चे दिल से अन्न की बर्बादी रोकना चाहते हैं तो कम से कम व्यंजन बनाने होंगे और एक संतुलित आहार ही हमारे लिए लाभदायक रहेगा। व्यंजन कम हो पर रसों से परिपूर्ण हो तो खाएंगे मन भर के और कण भर भी नहीं फेंकेंगे। **- छाया राठी, जोधपुर**

सामाजिक अभियान की जरूरत

हमने अपनी भोजन बनाने व खाने में भी अपनी सांस्कृतिक धरोहर को त्याग कर अप्राकृतिक व्यवस्था अपना ली, इसके लिये किसी प्रकार का सामाजिक बंधन नहीं होने से तांडव होने लगा है। फास्ट फूड व चालीस-पचास तरह के व्यंजन बनाने की होड़ मची हुई है। खड़े-खड़े खाना, प्लेट में इतने व्यंजनों की लालसा के तहत जूठा छोड़ने का फैशन बन गया है। इस विषय पर सभी स्वजनों व समाज पदाधिकारियों को आत्मसात कर एक अभियान की तरह भागीरथी प्रयास करना होगा। सर्वप्रथम घर में आसन लगाकर नीचे बैठकर भोजन करने की पद्धति अपनानी चाहिए। सामाजिक स्तर पर बड़े भोज को संतुलित करवाने का प्रयास करना चाहिए। समाज के अग्रिम संगठनों को इसमें सहयोग करना चाहिए। यह कार्य सांस्कृतिक स्वरूप, आपसी भाईचारा बढ़ने के साथ, पर्यावरण व राष्ट्रवाद का अनुकरणीय उदाहरण बनेगा।

- सत्यनारायण भट्टड़ जोधपुर

अन्न का महत्व-भूखे को जीवनदान

अन्न हमारी दैनिक जरूरत है। इसी से जीवन है। इसकी उपयोगिता को मद्देनजर रखकर इसकी वर्तमान समय में हो रही बर्बादी की रोकथाम हम सब का कर्तव्य है। विभिन्न आयोजन जैसे विवाह भोज, मृत्यु भोज, ब्राह्मण भोज इत्यादि में हम बड़े-बड़े भोज करते हैं। इन समारोह में इतना दिखावा क्यों? इसका क्या औचित्य है? क्या यह उचित है? क्या इन विशाल आयोजनों में अप्रत्यक्ष रूप से हम अन्न-धन की बर्बादी नहीं कर रहे? यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि हम सबके एक समय के भोजन मे मात्रा सिर्फ 200 से 300 ग्राम है। बजाय इसके हम 300 से ज्यादा वैरायटी विवाह भोज में शामिल करते हैं। सारी वैरायटी को चखने भर में इतना जूठा छोड़ दिया जाता है कि जिस अन्न को हमारी संस्कृति में देवता का दर्जा दिया जाता है। क्या हम जानते भी हैं कि भारत देश में हर सातवां आदमी भूखा सोता है, जितना हम जूठा छोड़ते हैं उससे 2 अरब लोगों का पेट भर सकता है। देश में विवाह स्थल, रेस्त्रा के पास के कूड़ेदानों में 40 प्रतिशत खाना फेंका हुआ मिलता है।

- लता राठी, जोधपुर

जागरूकता ही समाधान

हमारी भारतीय संस्कृति में अन्न को देवता कहा गया है, इसीलिए भोजन को जूठा छोड़ने या तिरस्कार करने को हम पाप मानते हैं। आज इस आधुनिक युग में बदलते रिवाजों जैसे शादी-ब्याह में बुफे सिस्टम, अनेकानेक व्यंजनों के कारण लाखों टन खाना बर्बाद होता है। आज हम कहें तो भारत देश गरीब नहीं है पर अमीरों की संपन्नता जरूर असंवेदनशील हो गयी है। एक तरफ लाखों लोग अन्न के दाने-दाने को मोहताज, कुपोषण से पीड़ित, वहीं होटल-रेस्तरा में लाखों टन अन्न की बर्बादी। ये समस्या सिर्फ भारत की नहीं पूरे विश्व की है जिस पर हमें चिंतन करना होगा और इस अपव्यय को रोकना होगा। मेरा मानना है, इस बर्बादी को रोकने में महिलाओं की अहम भूमिका हो सकती है वे अपने बच्चों में शुरू से ही आदत डालें कि उतना ही ले थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में। हर वर्ग हर जाति के हर एक व्यक्ति के जागरूक होने पर ही अन्न की बर्बादी रुक सकती है। विवाहों में भी समाज की ओर से व्यंजनों पर सख्ती हो क्योंकि भय बिना सुधार संभव नहीं।

- स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया, जोधपुर

आवश्यकतानुसार बनाएं भोजन

'खाओ कण भर फेंकों मन भर' फिलहाल यह कथन सही साबित हो रहा है जो कि सर्वथा अनुचित है। आजकल शादियों में अनगिनत व्यंजन बनाना एक फैशन सा बन गया है। सच तो यह है कि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों को बनाकर हम खुश हो जाते हैं पर खाना तो दूर की बात है उनका स्वाद भी नहीं चख पाते हैं। मात्र तीन घंटे के समय के बाद यह सब व्यर्थ हो जाता है। आजकल तो जन्मदिन तथा शादी की सालगिरह जैसे पारिवारिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भी इस तरह अन्न की बर्बादी होती है। 4 दशक पहले सीमित मात्रा में खाना बनता था वो भी किसी अनुभवी बुजुर्ग की देखरेख में, जिसमे तिल मात्र भी व्यर्थता की गुंजाइश नहीं होती थी। उसमें भी कई गरीबों के निवाले बन जाते थे। वे थाली में जूठन छोड़ना अन्न देवता का अपमान समझते थे। उस समय यह कहावत प्रचलित थी 'खाओ मन भर, छोड़ो ना कण भर' उतना ही लो थाली में, बेकार ना हो नाली में।

श्वेता चेतन काबरा,
बैंगलोर, कर्नाटक

परिवर्तन की करें शुरुआत

आज इस विषय पर चर्चा जरूरी है। एक तरफ शादी-विवाह, त्योहारों एवं पारिवारिक आयोजनों में भोजन की बर्बादी बढ़ती जा रही है। तो दूसरी ओर भूखे लोगों द्वारा भोजन की लूटपाट देखने को मिल रही है। करोड़ों लोग दाने-दाने को मोहताज हैं। कुपोषण के शिकार हैं। इसके लिए खाने की बर्बादी रोकने के लिए 'निज पर शासन, फिर अनुशासन' की बात होनी चाहिए। महिलाएं बच्चों में शुरू से यह आदत डालें कि जूठा नहीं डालें। हर शहर में रोटी बैंक की स्थापना हो। यदि रेस्टोरेंट में खाना बच गया तो पैक करवा कर किसी जरूरतमंद को दे देवें। सरकार को इस बर्बादी को रोकने के लिए यह जिम्मेदारी देनी चाहिए और नेताओं को भाषण में कम से कम एक मिनट इस विषय पर बोलना चाहिए। स्कूल-कॉलेज में सप्ताह में एक बार इस विषय पर चर्चा आवश्यक रूप से होनी चाहिए और नाटिकाओं द्वारा इसको समझाना चाहिए।

- उर्मिला तापड़िया, पाली (जोधपुर)
प. राज. प्रादेशिक महिला संगठन (अध्यक्ष)

अन्न देवता का तेज

गायत्री के 'भर्गो देवस्य' मंत्र खंड में भी बताया गया है कि अन्न ही देवता का भर्ग अर्थात तेज है। इसी प्रकार हर शास्त्र में अन्न के महत्व को प्रतिपादित किया गया है। दूसरी तरफ देखें तो किसान अपने त्याग और मेहनत से आजीवन मिट्टी से सोना उत्पन्न करने की तपस्या करता है, परंतु आज भी 20 से 30 प्रतिशत किसानों के पास दो समय का भोजन नहीं है। यही उनके आत्महत्या का कारण बनता है। दुनियाभर में रोजाना 1 अरब 30 करोड़ टन भोजन बर्बाद चला जाता है। अकेले भारत में ही हर चौथा व्यक्ति भूखा सोने को विवश है। बढ़ती जनसंख्या, अन्न की बर्बादी, अनाज की बढ़ती हुई मांग, अनियंत्रित कीमतें, लूटपाट और बीमारी, इन सभी का परस्पर संबंध है। खाद्यान्नों की आपूर्ति हेतु विदेशों से अन्न का आयात विदेशी धन के ह्रास का महत्वपूर्ण कारण है। इसी अदूरदर्शिता के कारण खाद्यान्न का संकट गहराता जा रहा है। यदि अन्न बर्बाद करने के बजाए हम, ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे उगाएं, सिंचाई के लिए कुएं-तालाब बनवाएं, कृषि की नयी तकनीक का इस्तेमाल करें तभी हम महंगाई और कुपोषण जैसी भयंकर समस्याओं से निजात पा सकेंगे।

डॉ. श्रीमती सूरज माहेश्वरी
(डेंटल सर्जन) जोधपुर

स्वयं लें अन्न बचाने का संकल्प

कभी मौका पड़े तो एक बार वहां जाकर देखिए जहां इकट्ठा किया हुआ कचरा बड़े-बड़े ट्रकों में लादकर उखड़ी पर डाला जाता है। उसी समय टूट पड़ते हैं पापी पेट भरने के लिए भिखारी व मासूम बच्चे। उसमें से खाने लायक चीजों को चुन-चुनकर पेट में डालने के लिए। और हम हैं की इतने वर्षों से चले आ रहे अभियान कि जूठा न छोड़ें, के बाद भी न जाने कितना जूठा घर होटलों, उत्सवों में छोड़ आते हैं। गरीबी का मापदंड ही अनथन से हैं। हम कुछ बचाकर गरीबों में बांटने का काम करें तो पुण्य का काम होगा। हम इंसान हैं क्या तय नहीं कर सकते? बस एक छोटा सा संकल्प झूठा नहीं छोड़ेंगे व जितना उचित है उत्सवों में उतने ही आइटम बनाएंगे।

- शशिकुमार बिड़ला, जोधपुर

व्यवसाय से सेवा का पथ
रामकुमार माहेश्वरी

दिल्ली निवासी पेट्रोलियम व्यवसायी रामकुमार माहेश्वरी (टावरी) एक ऐसे व्यवसायी हैं, जिन्होंने अपने जीवन की लगभग शून्य से शुरुआत की थी। फिर संबंधों ने वह सम्बल दिया कि सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ते चले गए। व्यवसाय में सफलता के साथ सेवा पथ पर भी उनकी यात्रा सतत जारी रही और अब भी जारी है।

दिल्ली के पेट्रोलियम ही नहीं बल्कि ग्राहकों के बीच भी पेट्रोल पंप 'दिल्ली डीजल' एक अत्यंत प्रतिष्ठित नाम है। इसकी प्रतिष्ठा पेट्रोलियम पदार्थों की शुद्धता व उचित सेवा को लेकर है। ग्राहकों के विश्वास की कहानी शहर में तमाम पेट्रोल पंप होने के बावजूद यहाँ लगने वाली वाहनों की कतारें स्वयं कह देती हैं। इस प्रतिष्ठा को स्थापित करने का श्रेय है, पार्टनरशिप में इसे स्थापित करने वाले समाज के वरिष्ठ रामकुमार माहेश्वरी (टावरी) को, जिन्होंने अपने श्रम व समर्पण से इसे पोषित किया। गत 20 वर्षों से उनका व्यवसाय दोनों पुत्र विनोदकुमार व आशीष संभाल रहे हैं।

संघर्ष से की जीवन की शुरुआत

श्री टावरी का परिवार मूल रूप से पोखरन (राजस्थान) का मूल निवासी है। लगभग 325 वर्ष पूर्व उनके पूर्वज पोखरन से रोहतक (हरियाणा) आ गये। यहां 7 नवंबर 1944 को स्व. श्री बद्रीप्रसाद व स्व. श्रीमती सरस्वती देवी टावरी के सुपुत्र के रूप में रामकुमार टावरी का जन्म नाना के गाँव लाख जिला मुजफ्फरनगर (यूपी) में हुआ। लगभग 73 वर्ष पूर्व पिताजी व्यावसायिक कारणों से रोहतक से दिल्ली आ गए। वे यहाँ किराना आदि का छोटा-मोटा व्यवसाय करते थे। श्री टावरी की शिक्षा मैट्रिक तक भी नहीं हो पाई थी कि परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें भी व्यवसाय में उतरना पड़ा।

संबंध बने सफलता के आधार

व्यवसाय जगत में पहला कदम तो श्री टावरी ने अपने पैतृक व्यवसाय में ही रखा, लेकिन उनके सपने बड़े थे। वे कुछ और करना चाहते थे। अतः आर्थिक परेशानियाँ भी उनके दृढ़संकल्प के सामने बौनी साबित हुईं। पैसे की इस कमी को उन्होंने अपने संबंधों से पूर्ण किया। सभी के सहयोग से वर्ष 1970 में पेट्रोलियम पदार्थों के व्यवसाय में पहला कदम रख दिया। इसमें वे लुब्रिकेटिंग ऑयल व लाइट डीजल ऑयल का व्यवसाय कर रहे थे। फिर इनका व्यवसाय शनैः-शनैः बढ़ता ही चला गया। वर्तमान में इंडियन ऑयल का उनका 'दिल्ली डीजल' के नाम से पेट्रोल पंप भी है। यह प्रारंभ से ही पार्टनरशिप में संचालित है। आप कंपनी 'सन लीजिंग लि.' के मैनेजिंग डायरेक्टर रहे हैं।

मानवता की सेवा

श्री टावरी ने व्यक्तिगत खर्च से अपने पिताजी की स्मृति में 1 लाख रुपए की लागत से बुद्ध विहार, करोलबाग, देवनगर दिल्ली में प्याऊ बनवाई हैं। बाढ़राहत कोष में दिल्ली डीजल की ओर से 1 लाख रुपए का चेक भेंट किया गया। आप पेट्रोलियम ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन दिल्ली के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। अपने कार्यकाल में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न मुकदमे जीतकर कई साथी व्यवसायियों को वे कमर्शियल प्लॉट दिलवाये, जो प्रशासन उनसे लेना चाहता था। पेट्रोल-डीजल सप्लाई करने वाले टैंकर ट्रांसपोर्ट्स को व्यवसाय के लिए ऑफिस भी उपलब्ध करवाए।

सेवा के वृहद आयाम

श्री टावरी महाराज अग्रसेन हॉस्पिटल चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। इसके द्वारा पंजाबी बाग दिल्ली में हॉस्पिटल का संचालन किया जाता है। अब उनका ट्रस्ट बहादुरगढ़हरियाणा व द्वारिका में भी अस्पताल बनवा रहा है। इसके साथ ही सुखधाम भवन वृंदावन (उप्र) के भी ट्रस्टी हैं और होमगार्ड दिल्ली सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के बटालियन कमांडर रहे हैं। माहेश्वरी समाज के अंतर्गत अभा माहेश्वरी महासभा के श्री चुन्नीलाल सोमानी के सभापति काल के दौरान संयुक्त सचिव उत्तरांचल रहे तथा श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र को सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। आपके परिवार में धर्मपत्नी उर्मिला माहेश्वरी, पुत्र विनोद, आशीष तथा दो विवाहित पुत्रियाँ शामिल हैं। सभी आपके पदचिह्नों पर चल रहे हैं।

संबंध धन से कीमती

श्री टावरी का कहना है कि सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता। यह सिर्फ समर्पित भाव व ईमानदारी से किये गये कार्य से ही प्राप्त होती है। व्यवसाय में धन तो जरूरी है लेकिन संबंध से बढ़कर नहीं। संबंध धन से भी अधिक कीमती हैं। जो कार्य पैसा नहीं कर सकता, वह संबंध कर सकते हैं। अतः इन्हें जरूर संजोयें। ये सफलता का आधार बनते हैं।

आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

(अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की प्रादेशिक ईकाई)

''सम्यक सोच, सुदूर दृष्टि, सुदृढ़ कार्य, सजाए सृष्टि''

अध्यक्ष

श्रीमती रेणु सारड़ा

मंत्री

श्रीमती उर्मिला साबू

कोषाध्यक्ष

श्रीमती रजनी राठी

निवृत्तमान अध्यक्ष

श्रीमती कलावती जाजू

वरिष्ठ उपाध्यक्ष

श्रीमती प्रेमलता माहेश्वरी

उपाध्यक्ष

श्रीमती संगीता भूतड़ा

उपाध्यक्ष

श्रीमती सरला मालपानी

उपाध्यक्ष

श्रीमती पुष्पा सोमानी

उपाध्यक्ष

श्रीमती इंदिरा सोनी

सहमंत्री

श्रीमती विष्णुकांता लोया

सहमंत्री

श्रीमती ललिता मारू

सहमंत्री

श्रीमती सुमन बूब

सहमंत्री

श्रीमती शशिकला राठी

संगठन मंत्री

श्रीमती शोभा डागा

समिति संयोजिकाएं – ■ सुश्रीता समित – श्रीमती वंदना राठी ■ सुचिता समिति – श्रीमती राजश्री करवा ■ संचारिका समिति – श्रीमती इंदिरा बजाज, श्रीमती कलावती दरक ■ सुलेशा समिति – श्रीमती रमा भूतड़ा ■ सौष्ठ समिति – श्रीमती निर्मला मोदानी ■ सुरभि समिति – श्रीमती लता तोष्णीवाल ■ सुरम्या समिति – श्रीमती संगीता भूतड़ा ■ सुषमा समिति – श्रीमती इंदिरा सोनी ■ सुगंधा समिति – श्रीमती अरूणा झंवर ■ सकीर्ति समिति – श्रीमती मीना नावंदर ■ संवरणा समिति – श्रीमती रत्नमाला साबू

समस्त महिला पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्यगण

हार्दिक शुभकामनाएं.....

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

श्री निवास एंड ब्रदर्स
SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ब्रेड-ए
सच्चा साबू एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in web : www.dalias.in

खुश रहें... खुश रखें...

पीड़ा को विस्मृत करें, सृजन के संकल्प को स्मृति में रखें

दुर्घटनाएँ सभी की जिंदगी में होती रहती है। आदमी बड़ा हो या छोटा, जीवन में कभी न कभी हादसों से गुजरना ही पड़ता है। सभी महान व्यक्ति जीवन में विपरीत हालात का सामना कर चुके हैं लेकिन यदि दृष्टि आध्यात्मिक हो तो हादसे से हुए विनाश में भी सृजन किया जा सकता है। सृजन की यही वृत्ति हमें दुख, पीड़ा, कष्ट, परेशानी और निराशा से उबार लेगी।

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

श्रीराम ने सीता अपहरण जैसे विपरीत हालात देखे थे तो श्रीकृष्ण ने अपने बचपन में दुर्घटनाओं की लंबी शृंखला देखी थी। वृंदावन के वन में आग लग जाना, पिता नंदबाबा पर राक्षसों के आक्रमण आदि। महावीर ने अपनो से दुर्घटनाएं झेलीं तो मोहम्मद ने इस्लाम को हादसों के बीच गुजारकर सलामत स्थापित किया था। कौन बचा है कुदरत की मार से।

हादसे तो होते ही हैं, सवाल है कि उनका सामना कैसे किया जाए। भागवत में कहा है याद करने पर बीता हुआ सुख भी दुख देता है तो फिर दुख तो दुख देगा ही। जीवन में हुई दुर्घटनाओं के बाद उसकी पीड़ा को जितनी जल्दी विस्मृत कर देंगे उतनी ही शीघ्रता से नया सृजन कर पाएंगे। इसलिए पीड़ा को विस्मृत करें और सृजन के संकल्प को स्मृति में रखें।

राम-कृष्ण से लेकर अब तक जितने भी महान लोग हुए हैं उन्होंने जीवन के विपरीत हालात में पीड़ा को भी सुख में बदलने की कला सिखाई। अध्यात्म ने कहा है अपने साक्षी हो जाओ। राम-कृष्ण से लेकर अब तक जितने भी महान लोग हुए हैं उन्होंने जीवन के विपरीत हालात में पीड़ा को भी सुख में बदलने की कला सिखाई। अध्यात्म ने कहा है अपने साक्षी हो जाओ। इसी साक्षी भाव को जागरण, ध्यान, मुक्ति कहा गया है, जो भीरू होते हैं वे भगवान को उपलब्ध नहीं होते। भगवान ने कहा, "मैंने जो जीवन दिया है उसे विपरीत परिस्थितियों में आपने कैसे गुजारा, मैं उसका भी हिसाब रखता हूँ।"

इसलिए जब संकट आए तो बाहर की व्यवस्थाएँ तो हमें अपने कर्म से जुटानी हैं लेकिन अंतरमन की व्यवस्थाओं को अध्यात्म से सुनियोजित करना है। परिणामतः भीतर से हम शांत होंगे और बाहर बेहतर नवसृजन कर पाएंगे।

किचन का खजाना

आंवला सबको खाना चाहिये। इसके काफी लाभ होते हैं। जैसे बालों के लिए, पाचन के लिए आदि। आंवले का जैम ब्रैड, रोटी आदि के साथ खा सकते हैं।

सामग्री- आंवला 1/2 किलो, काली मिर्च-1/2 छोटी चम्मच, चीनी-1/2 किलो, लाल मिर्च-1/2 छोटी चम्मच, गरम मसाला-1/2 छोटी चम्मच, काला नमक-1/2 छोटी चम्मच, सफेद नमक-1/2 छोटी चम्मच, जीरा भुना हुआ-1 छोटी चम्मच, इलाइची पाउडर-1 छोटी चम्मच

विधि- आंवलों को धोकर कदूकस कर लीजिये। एक पैन में इन्हें अच्छी तरह से उबाल लीजिये। उसके बाद ठंडा होने के लिए रख दीजिये। फिर आंवलों को मिक्सर में डालकर पीस लीजिये। उसके बाद एक पैन लीजिये और और उसमे पीसे आंवले, चीनी और सारे मसाले (इलाइची नहीं डालनी) डालकर तब तक उबलने दीजिये जब तक चीनी का सारा पानी सूख जाए और आंवला गाढ़ा नहीं हो जाता। जब आंवला गाढ़ा हो जाए तब उसमे इलाइची पाउडर डाल कर ठंडा होने के लिए रख दीजिये। आंवले का जैम बनकर तैयार है। उसके बाद किसी जार में भरकर रख दीजिये।

पुनम राठी, नागपुर

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
PC Kaa Doctor
Net Protector
AntiVirus
WEST COAST LABS CHECKMARK
Internationally
Tested & Certified
ISO 9001:2008
WhatsApp
92.72.70.70.50
98.22.88.25.66

Computerised
Horoscope
Most Advanced
Mathematical
Software in India
Windows
based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer -
Dot Matrix or Inkjet or Laser.
Choice
of 6
Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu
Call: 922.566.48.17
98.22.88.25.66
Kundali 2018
www.kundalisoftware.com

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

PRESENTS

Platinum Sponsor
JAY JAGDAMBA

Silver Sponsor
Surya Exim Limited

Kit Sponsor

BiZ CON 2018

HOSTED BY MSF, SURAT | INITIATIVE BY MIG, PUNE

Connect → Create → Collaborate

MIG, Pune | maheshwari STARTERS' FOUNDATION MSF, Surat

VENTURES & MENTORS

IDEAS | CONNECTIONS | INSPIRATIONS

Saturday, 13th January, 2018

THE GRAND BHAGWATI, SURAT

LEADERS SPEAK

(8:31AM - 4:30PM)

Sh. SS Mundra
Ex. Dy Governor (Reserve Bank of India)
"Sustainability in the Face of Disruption"

Sh. Kamal Kishore Sarda
CMD (Sarda Energy & Minerals ltd.)
"Spirituality in Business"

Sh. Shreegopal Kabra
MD (R R Kabel ltd.)
"Branding & Marketing"

Sh. Madhusudan Kela
Advisor (Reliance Capital)
"Impact on SME with Changing Government Regulations in Growing Economy"

Sh.Rajesh Somani
MD Swiss Singapore Overseas Enterprises pte. ltd. (Aditya Birla Group)
"Disruption & the Changing Business Model"

Sh.Manish Mandhana
MD (The Mandhana Retail Ventures ltd. Being Human Clothing)
"Fabric to Garment-Role in FMB for Youngsters"

Sh.Dilip Chandak
MD (Vega Auto Accessories pvt. ltd.)
"How to Shape Global Business"

AREA OF INTEREST – GROUP DISCUSSION

(5:01PM - 8:30PM Followed by Dinner)

A. E-VEHICLES, CHARGING STN & RENEWABLE ENERGY
Sh. Anurag Mundada - Indore, Sh.Bajrang Lohia - Pune

B. INFORMATION TECHNOLOGY & MEDIA
Sh.Anand Damani - Indore, Sh. Ashwin Chandak - Pune
Sh. Kapil Maheshwari

C. AGRICULTURE / FOOD INDUSTRY
Sh. Mahesh Periwal - Kolkata, Sh. Ramakant Kasat,
Sh. Anand Karwa - Pune

D. IMPORTS
Sh.Girdhar Jhawar - China, Sh. Lalit Periwal - Pune,
Sh. Pankaj Maheshwari

E. COLLABORATION & CSR
Sh.Jitendra Muchhal - USA, Sh.BR Jajoo - Mumbai,
Sh.Suresh Rathi - Jodhpur

F. FINANCE & INVESTMENT STRATEGIES
Sh. Ashish Maheshwari, Sh. Govind Jhawar,
Sh. Yogesh Birla - Jodhpur

G. SKILL DEVELOPMENT
Sh.Rajendra Tapadia - Pune, Sh. Rajesh Maheshwari

CREATIVE THEATRE PERFORMANCE

(2:01PM - 2:30PM)

Watch how traditional family business operate with the new generation and how to synergise the experience of seniors along with tech-savvy new generation

REGISTRATION

Male	Female	Student
Rs.2500	Rs.2000	Rs.1500

GST included

- Includes Welcome Kit, Breakfast, Lunch & High Tea.
- Networking Dinner @ Rs.1000 (optional)
- Accommodation at Maheshwari Bhawan subject to availability.(Complimentary)
- Stay & Travel Contact Sh. Ayush Mundhra +91 95746 36066

VENTURES & MENTORS PRESENTS

"Who's the Smartest Startups of the Contest"
(10:31AM - 12:30PM)

Opportunity to understand the sharpest and the most innovative brains present to unveil their business ideas and providing insights into analysis of their business

BIZCON 2018 TEAM

Sh. Suresh Lakhotia Bizcon Founder Chairman +91 98230 90411	Sh. Shyam Rathi Bizcon Chairman +91 96875 50000
Sh. Naval Rathi Co-Chairman +91 98251 18941	Sh. Manish Jajoo Chief Coordinator +91 93747 13145

SPECIAL ATTRACTIONS

- **Diamond Factory Visit**
- **Business Opportunities in Surat**
- **Franchise Opportunity (Give and Take)**
- **Networking Dinner**

"After attending Bizcon 2015, I feel myself more networked with other Maheshwari entrepreneurs across India and learnt the importance of brand building and building a Global business. Also, became aware of the numerous, hitherto unconventional sources of raising finance and scale my business idea with even a small percentage of ownership.Interestingly, realised the importance of CSR and how to synergise the energies of young generation. Above all, listening to Industry stalwarts gave me lifetime business learnings"
- a BIZCON 2015 delegate.

+91 76220 20461 | www.bizconindia.org | surat@bizconindia.org

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

ता हिरदै हरि आप

खम्मा घणी सा हुक्म आप बताओ कि संसार मे ऐड़ा कोई मिनख या लुगाई है जिने हमेशा अच्छो कार्य ही कियो है यानी कदेई झूठ नही बोलियों? किन्हीं संग बेवफाई नही की? कदेई आपरी बात सुं नही मुकरियों? सच मे ऐड़ो कोई व्यक्ति है जो कदेई पाप नही करियों तो म्हे उन्हें कोटि कोटि वंदन करूँ क्योंकि वो इंसान नही देवता ही है । और हुक्म म्हे तो केऊ इण कलुयग में अगरो एड़ो इंसान है तो वो इण पापमयी धरती रे काबिल नही है उन्हें तो स्वर्ग में रेवणो चईजे... यानी कि स्वर्गवासी हूँ जाणो चईजे। म्हे तो अपने आपने निम्न कोटि रा इंसान माना और उच्च कोटि के लोगो ने दंडवत नमन करा क्योंकि उच्चकोटि री उपाधि सुं नवाजित ऐड़ा कई व्यक्ति देखिया जो जनता रो पैसों खावे, दलाली रा धंधा करे सार्वजनिक धन ने आपरो धन मान ने आपरे और आपरे खानदान पर खर्च करे, जनता सुं वायदा करने मुकर जावे, आमजनों रे बीच मे दीवार खड़ी कर ने आपरो प्रभुत्व बतावे,स्त्रियों रो सम्मान नही करे, घमण्ड में चूर रेव्हे, ये उच्चकोटि रा लोग निम्न कोटि रे लोगो ने कीड़ा- मकोड़ा माने। मनुष्यता रा एक लक्षण भी नही हुवे पर विशिष्ट उपाधि सुं सम्मानित हूँ ने अपने आपने देवता ज्यूँ पूजा करवावे। हुक्म अगर आदमी ईमानदारी सुं खुद रे कर्मों पर गौर करे तो उन्हें आपरी निचता रो अहसास हुवे। हुक्म दुनिया में आपरी पूजा करावण वाळा कई संत साधु वीर लोगो ने देखिया जिना कारनामा उजागर हुआ वे जेलों में आपरे कर्मों रो दण्ड भुगत रियाँ है हुक्म ईश्वर रे न्याय री व्यवस्था गजब री है उठे देर है अंधेर नही ...इन्हों उदारहण प्रत्यक्ष गुजरात मे चुनाव में भी देखनने मिल गयो .. बीजेपी री जीत मोदी रे कार्यों में निष्काम भाव सुं किया कार्य रा परिणाम है। आ एक ईमानदार कर्मठ आदमी री जीत है। साँच रे प्रकाश आगे झूठ रो अंधेरो कठे टिके। इन वास्ते ही बापू केवता मारो सत्य मारी किताब में नही मारी जीवन शैली में है। मारो जीवन मारो उपदेश है। कबीर भी आपरे एक दोहा में कई खूब लिख्यो' साँच बराबर तप नहीं झूठ बराबर पाप, जाके हिरदै साँच है ता हिरदै हरि आप'. आपाणे हृदय में अव्यवस्थित सत्य ईश्वर रूप है। गीता रे अंतिम श्लोक में भी भगवान कैवे' जठे सत्य है, सत्य रो सारथी थारे जेड़ो कर्मयोगी है, वठै मै साक्षात हूँ और जठे मैं हूँ विजय सुनिश्चित हैं।

हाईकू

ताल्लुक है मेरा...
उस संस्कृति से
जिसमें बेटी अगर
गुड़िया भी खरीदे तो
दुपट्टा साथ लेती है...!!

वो सूफ़ी का क़ौल हो
या पंडित का ज्ञान,
जितनी बीते आप पर उतना ही सच मान.

तरक्कियां अपने हिस्से
में भी आती बहुत,
मगर हमारी खुद्दारियाँ कुछ जियादा रहीं.

एक उम्र वो थी कि जादू में भी यक़ीन था...
एक उम्र ये है कि हक़ीक़त पर भी शक़ है...

जरा सा वक्त लगता है
कहीं से उठ के जाने में,
मगर फिर लौटकर आने में
कितनी देर लगती है।

नफ़रत करता,
तो अहमियत बढ़ जाती. मैंने माफ़ करके,
उसे शर्मिंदा कर दिया.
सलीका इतना अदब का,
तो बरकरार रहे,
रंजिशें अपनी जगह हों,
सलाम अपनी जगह !

▸▸ राम भूतड़ा, इन्दौर

प्रथम पुण्य स्मरण 12 दिसंबर

धामनोद को पहचान दे गये श्री रंगनाथ न्याती

वर्तमान में छोटा सा कस्बा धामनोद जिला धार (मप्र) शिक्षा, समाजसेवा व धार्मिक क्षेत्र में प्रदेश में एक विशिष्ट पहचान बना चुका है। इसे यह पहचान दिलाने का श्रेय जाता है, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति स्व. श्री रंगनाथजी न्याती को। समाज ही नहीं बल्कि संपूर्ण शहर उनको उनके योगदानों के लिये नमन कर रहा है।

धामनोद शहर के लिए स्व. श्री रंगनाथजी न्याती एक ऐसे फरिश्ते थे, जिन्होंने शहर की पहचान ही बदलकर रख दी। धामनोद पहले क्या था, एक अत्यंत पिछड़ा हुआ कस्बा। श्री न्याती ने वहाँ शिक्षा की ऐसी ज्योति जलाई कि कायाकल्प ही हो गया। उन्होंने अपने स्तर पर तो कई शिक्षण संस्थाएँ प्रारंभ की ही साथ ही कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं को वहाँ शुरुआत के लिए प्रेरित भी किया। धार्मिक आयोजनों की तो जैसे उन्होंने गंगा ही बहा दी थी। यही कारण है कि स्व. श्री न्यातीजी की स्थिति क्षेत्र के लिए तो एक सफल व्यवसायी होने के बावजूद किसी संत की तरह ही थी। जो सभी के कल्याण का सपना संजोये थे। जीवन सिर्फ जन्म लेकर मृत्यु तक का सफर नहीं है। बल्कि दुनिया को ऐसा कुछ दे जाना है, जिसके लिये दुनिया हमेशा याद करे। ऐसी ही विभूति थे, श्री रंगनाथ न्यातीजी जिनके जोश ने हर कदम पर उनसे एक नया इतिहास रचवाया। और तो और अंतिम समय तक भी उनका यह जोश कभी थमा नहीं और न ही उनकी यह यात्रा।

कर्म से व्यवसायी मन से संत

न्यातीजी का जन्म 2 अक्टूबर 1937 को ग्राम गुजरी जिला धार (मप्र) में प्रतिष्ठित व्यवसायी श्री मन्नालाल न्याती के यहां हुआ था। व्यवसाय के गुर इन्हें बचपन से अपने पिताजी से स्वतः मिल गये। अपनी शिक्षा श्री न्याती ने क्रमशः ग्राम गुजरी, धामनोद व उज्जैन में प्राप्त की। इसके पश्चात श्री न्याती का विवाह सेंधवा (निमाड़) के स्व. श्री भागीरथ भराड़िया की सुपुत्री कमलादेवी से हो गया। ससुर स्व. श्री भराड़िया का इनके जीवन पर ऐसा प्रभाव पड़ा कि वे एक संत व्यवसायी बन गए। आप कई व्यवसायों का भी सफलतापूर्वक संचालन कर रहे थे। एक सफल व्यवसायी होने के बावजूद वे इतने सहृदय थे कि उनके पास पहुँचा कोई भी जरूरतमंद कभी खाली नहीं लौटता था। इसी का परिणाम है कि जब गत 12 दिसंबर 2016 को उन्होंने अंतिम विदाई ली तो पूरे शहर में शोक का माहौल उत्पन्न हो गया। हर किसी की आँखें नम थीं।

सेवा के लिए तन-मन-धन से थे समर्पित

क्षेत्र की समस्त जनता के कल्याणार्थ आपके मुख्य प्रतिनिधित्व में अनेक बार भागवत कथा का आयोजन हुआ। श्री राजराजेश्वरी धाम ग्राम धामनोद में मंदिरों की स्थापना, संस्कृत पाठशाला हेतु भवन निर्माण एवं पूज्य माताजी की स्मृति में विद्यालय आदि इन्हीं के उदार मन व जनसेवा के प्रमाण हैं। उम्र के अंतिम पड़ाव पर भी श्री न्याती आरएम न्याती पब्लिक स्कूल धामनोद के संस्थापक, अभा माहेश्वरी महासभा के उपसभापति, धामनोद माहेश्वरी समाज व न्याती पारमार्थिक न्यास इंदौर के अध्यक्ष आदि के रूप में अपनी सेवा दे रहे थे। ट्रस्टी के रूप में आप बालमुकुंद झालरिया ज्ञान प्रसार न्यास गुमाश्ता नगर, भारतीय संस्कृति शिक्षा संस्थान इंदौर, मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी पारमार्थिक न्यास, श्री गिरिराजधरण माहेश्वरी सेवा सदन गोवर्धन व श्री माहेश्वरी एजुकेशनल एंड चेरिटेबल ट्रस्ट भीलवाड़ा से सम्बद्ध रहे। समाज की शीर्ष सेवा संस्था आदित्य विक्रम बिरला व्यापार सहयोग केंद्र चेन्नई व श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के सदस्य के रूप में भी आप अपनी सेवा दे रहे थे।

किशोर गोयदानी

नागपुर बिछायत केन्द्र

76, महात्मा फुले मार्केट, नागपूर – 440018
फोन – (घर) 2548379 (दुकान) 2726216
भागवत भवन, गीता मंदिर रोड, नागपुर

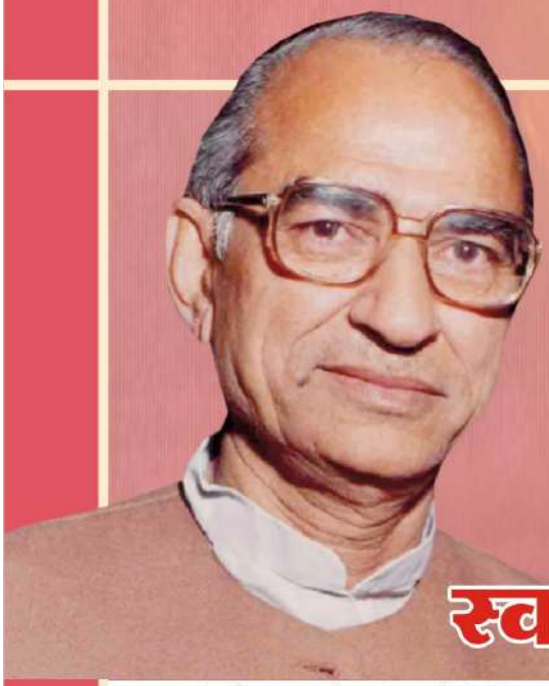

आगामी 19 जनवरी वह दिवस है, जब 3 वर्ष पूर्व समाज के इतिहासकार प्रख्यात समाजसेवी श्री राधेश्याम धूत ने अंतिम विदाई ली थी। वे तो विदा हो गये लेकिन जयपुर के माहेश्वरी पब्लिक स्कूलों की विशाल शृंखला ही नहीं बल्कि राजस्थान विवि के अंतर्गत संचालित ''वैष्णव साहित्य संरक्षण एवं शोध संस्थान'' आदि उनके योगदानों की सदा स्मृति दिलाते रहेंगे।

स्वर्णिम इतिहास के इतिहास पुरुष

स्व. श्री राधेश्याम धूत

स्व. श्री राधेश्याम धूत के व्यक्तित्व को किसी शब्द विशेष से व्यक्त कर पाना संभव नहीं है। वे एक सफल उद्यमी तो थे ही, साथ ही उनकी छवि सरस्वती का वरदहस्त प्राप्त साहित्यकार तथा एक अविस्मरणीय समाजसेवी के रूप में भी थी। समाज से विदा लिये उन्हें तीन वर्ष हो गए। लेकिन उनकी मधुर स्मृतियाँ आज भी समाजजनों के मन मस्तिष्क में रची बसी हुई है। उनके योगदानों और उनसे लोगों के लगाव का अनुमान इससे भी लगाया जा सकता है कि उन्हें अंतिम बिदाई देने वालों में साहित्य, शिक्षा, बुद्धिजीवी, समाजसेवा एवं राजनीति लगभग हर क्षेत्र के कई प्रख्यात लोग शामिल थे। लोहार्गल दर्शन यात्रा संघ ने तो शोक स्वरूप सूर्य सप्तमी पर आयोजित लोहार्गल दर्शन यात्रा ही स्थगित कर दी थी।

समाज के इतिहास को भी संजोया

नावां जिला नागौर में 6 अक्टूबर 1933 में श्री सुगनचंद धूत के यहाँ जन्में राधेश्याम धूत स्टोन क्राफ्ट प्राइवेट लि. एवं धूत संगमरमर प्रालि मकराना व जयपुर तथा नवभारत उद्योग, नावां जैसे मार्बल व ग्रेनाइट आदि पत्थरों के उद्योगों का सफलतापूर्वक संचालन कर पत्थर व्यवसाय में एक प्रतिष्ठित स्थान रखते थे। यह उनकी अनोखी विशेषता थी कि एक लक्ष्मी पुत्र होने के साथ उन्हें सरस्वती का भी वरदहस्त प्राप्त हुआ। आपकी लेखनी ने इतिहास व साहित्य की कई कालजयी पुस्तकों का भी लेखन किया। माहेश्वरी जाति के इतिहास माहेश्वरी कुल शुद्ध दर्पण के साथ ही आपकी लेखनी ने ललित निबंध संग्रह साहित्य एवं संस्कृति चिंतन, जस्टिस भगवतीप्रसाद बेरी अभिनंदन ग्रंथ, धार्मिक ग्रंथ ''शीश राम के चरणों में'' व अनेक स्मारिकाओं का संपादन भी किया। आपके द्वारा रचित कृति 'तुलसी मत' 'महाभारत' और 'श्रीमद्भागवत महापुराण मेरी दृष्टि में' अत्यंत प्रशंसनीय कृति हैं।

सेवा पथ के थे चहुंमुखी सेवक

वर्तमान में जयपुर अत्यंत प्रतिष्ठित माहेश्वरी पब्लिक स्कूलों की विशाल शृंखला व कॉलेजों के संचालन के साथ देशभर में समाज के लिये एक शिक्षा तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित है। इन स्कूलों में एडमिशन मिलना जयपुर में सौभाग्य की बात मानी जाती है। अंग्रेजी माध्यम से जयपुर को माहेश्वरी स्कूलों की यह सौगात देने वाले श्री धूत ही थे। उन्हीं की सोच आज वटवृक्ष बनकर जयपुर माहेश्वरी समाज का गौरव बढ़ा रही है। श्री धूत श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ के अध्यक्ष व जयपुर की वाणी परिषद तथा प्रीति क्लब के संस्थापक अध्यक्ष, जयपुर की केशव विद्यापीठ समिति व तुलसी मानस संस्थान के उपाध्यक्ष तथा चिन्मय मिशन के संरक्षक भी थे। इसके अतिरिक्त राजस्थान साहित्य अकादमी, राजस्थान राज्य पुस्तकालय विकास समिति, डॉ. राधाकृष्णन केंद्रीय पुस्तकालय समिति व अभा साहित्य परिषद आदि संस्थाओं से लगभग 10 वर्षों से सदस्य के रूप में भी सम्बद्ध रहे। आप 8 वर्ष तक श्री माहेश्वरी समाज जयपुर व राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष तथा श्री माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के संस्थापक सचिव भी रहे। लोहार्गल दर्शन यात्रा संघ को भी संरक्षक के रूप में अपनी सेवा देते रहे थे।

वैष्णव साहित्य पर शोध की सौगात

स्व. श्री धूत ने अपना संपूर्ण जीवन समाज व समाजसेवा को समर्पित कर दिया तो जीवन के अंतिम क्षण में भी दे गये, ''वैष्णव साहित्य शोध एवं संरक्षण केंद्र'' के रूप में ऐसी सौगात, जिसके लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। जब भी वैष्णव साहित्य की प्रतिष्ठा का मुद्दा उठेगा तो उसे प्रतिष्ठित करवाने में नींव के पत्थर की तरह हर कोई स्व. श्री धूत के योगदानों को नमन करने से नहीं चूकेगा। स्व. श्री धूत ने राजस्थान विवि में वैष्णव साहित्य संरक्षण एवं शोध संस्थान प्रारंभ करवाने का बीड़ा उठाया था। उनके देहावसान के बाद इस संस्थान की शुरुआत स्व. श्री धूत के पुत्र व उनके सहयोगियों के प्रयासों से लगभग एक वर्ष पूर्व हो चुकी है। यह शोध संस्थान विवि के हिंदी विभाग के अंतर्गत एक पृथक कक्ष में संचालित है। संस्था द्वारा वैष्णव साहित्य पर शोध करने वाले शोधार्थी को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है। इसके साथ संस्थान वैष्णव साहित्य पर संगोष्ठी आदि विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर वैष्णव साहित्य को प्रतिष्ठित करवाने के अपने संकल्प में दृढ़ता से जुटा हुआ है।

वैसे तो श्वसनिक दमा बच्चों में लगभग हर मौसम में होने वाली बीमारी है, लेकिन शीत ऋतु में इसकी स्थिति अधिक विकट हो जाती है। परेशानी होती है तो यह कि आम तौर पर अधिकांश माता-पिता भी अपनी अज्ञानता के कारण इसे नजरअंदाज कर जाते हैं।

बच्चों की परेशानी का सबब श्वसनिक दमा

▸▸ डॉ. आर.डी. तापड़िया

बच्चों की परेशानी माता-पिता के लिये सबसे बड़ा कष्ट है। बच्चों की विभिन्न परेशानियों में से एक है, श्वसनिक दमा। यह एक ऐसा रोग है, जिसमें एलर्जी अथवा संक्रमण के कारण श्वसनियों अथवा श्वांस नलियों में सिकुड़न पैदा होती है, जिससे खांसी तथा सांस लेने में कठिनाई होती है। दमा दो प्रकार का होता है। बहिस्थ अर्थात बाह्य दमा और अंतःस्थ (आंतरिक) दमा। बहिस्थ (बाह्य दमा) किसी प्रकार के एलर्जन अथवा एलर्जी उत्पन्न करने वाले पदार्थ के संपर्क में आने से उत्पन्न होता है। वहीं अंतःस्थ (आंतरिक दमा) यह संक्रमण द्वारा उत्पन्न होता है। याद रखें लगभग 75-80 प्रतिशत दमे से पीड़ित बच्चों में किसी न किसी प्रकार की एलर्जी अवश्य पाई जाती है।

क्या हैं इसके लक्षण

दमे के तीव्र प्रकोप के लक्षणों में सांस लेने में तकलीफ होना, खांसी, व्हीजिंग अर्थात सांस लेते समय सीटी जैसी आवाज आना छाती में दबाव महसूस होना आदि प्रमुख हैं। उपरोक्त लक्षण अलग-अलग व्यक्तियों में भिन्न हो सकते हैं, अथवा एक ही व्यक्ति में अलग-अलग साम्य पर विभिन्न रूप से प्रदर्शित हो सकते हैं। किसी-किसी में केवल खाँसी एवं सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

क्यों होती है यह बीमारी

पेड़-पौधों के परागकणों अथवा कटी हुई घास एवं मिट्टी आदि के संपर्क में आने से, पालतू जानवरों के बालों अथवा पंखों, कालीन तथा दरियों में पड़ी धूल के कणों, काकरोच शमन आदि तथा घर के अंदर की धूल, मिट्टी आदि के संपर्क में आने से होती है। इसके अतिरिक्त श्वसनिक दमा ठंडे मौसम में अधिक शारीरिक क्रिया जैसे दौड़ना और खेलकूद आदि से, ऊपरी श्वसन तंत्र के संक्रमण जैसे जुकाम अथवा फ्लू इत्यादि के साथ मानसिक तनाव आदि भी प्रमुख कारण हैं। क्षोभक पदार्थ जैसे ठंडी हवा, तेज गंध तथा रासायनिक स्प्रे जैसे इत्र, पेंट (रंगरोगन) तथा सफाई में प्रयोग होने वाले द्रव्य (चॉक, धूल, मिट्टी, मैदान तथा लॉन आदि में छिड़के जाने वाली दवाइयाँ), मौसम में बदलाव, सिगरेट एवं तंबाकू के धुएँ से भी रोग हो सकता है।

न करें बिलकुल नजरअंदाज

इस बीमारी के उपचार से ज्यादा अच्छा तो यह है कि इसे होने ही नहीं दिया जाए। इसके लिए इसके प्रकोप के कारणों के प्रति सतर्कता बरतें। फिर भी यदि अनियंत्रित खांसी तथा सांस लेने में तकलीफ, छाती मेंदबाव तथा जकड़न महसूस होने एवं सांस लेने में ज्यादा कठिनाई हो तो नजरअंदाज न करें, तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इसमें अस्पताल में भर्ती भी करना पड़ सकता है। इस बीमारी में होम्योपैथिक चिकित्सा भी अत्यंत कारगार है। ये शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती हैं। औषधियों के कोई दुष्प्रभाव नहीं होते हैं तथा ये आगे होने वाले प्रकोप की तीव्रता एवं बारंबारता को भी कम करती हैं।

वार्षिक राशिफल

आप पर क्या प्रभाव डालेगी नववर्ष 2018 में ग्रहों की चाल

डॉ. महेश शर्मा, जयपुर

नव उत्साह के साथ नववर्ष 2018 का आगमन हो चुका है। हर कोई यह जानना चाहता है कि कैसा रहेगा उनका यह नववर्ष? इस वर्ष में राशि परिवर्तन करेंगे केवल बृहस्पति। आईये देखें इस ग्रह के राशि परिवर्तन की दृष्टि से कैसा रहेगा, आपका नववर्ष 2018 और क्या करें क्या न करें आप?

गोचर भ्रमणवश ग्रहों के राशि परिवर्तन से समस्त राशियां प्रभावित होती हैं। वर्षारंभ में तुला राशि में गतिशील देवगुरु बृहस्पति 11 अक्टूबर को राशि परिवर्तित कर तुला से वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। इसके अनुसार वर्षारंभ में तुला राशि में गतिशील देवगुरु बृहस्पति 11 अक्टूबर को रात 7.18 बजे विशाखा नक्षत्र के चौथे चरण में प्रवेश कर वृश्चिक राशि में गतिशील होंगे। मानव जीवन को अत्यधिक प्रभावित करने वाले तमो ग्रह राहु-केतु वर्षभर कर्क-मकर राशि में ही गतिशील रहेंगे। वर्षारंभ में धनु राशि में अस्त चल रहे शनिदेव 7 जनवरी शाम 5.53 बजे पश्चिम दिशा में उदय होकर 18 अप्रैल को धनु में ही वक्री होंगे। 6 सितंबर को पुनः मार्गी होकर 16 दिसंबर सायं 7.04 बजे धनु राशि में पश्चिम दिशा में अस्त होंगे।

क्या होगा बृहस्पति का प्रभाव

गोचर फलित के अनुसार जब गुरु आपकी राशि से 1, 4, 8 अथवा 12वें स्थान पर आते हैं तो कष्टदायक, हानिप्रद व व्यवसाय में असफलता प्रदान करते हैं। वर्षारंभ में गुरु के तुला राशि में परिभ्रमण से यह तुला, कर्क, मीन तथा वृश्चिक राशि के लिए क्रमशः 1, 4, 8 व 12वां होने के कारण अशुभ फलदायक है। अन्य राशि के जातकों के लिए गुरु गोचर में प्रायः शुभ फलदायक है। 11 अक्टूबर को देवगुरु बृहस्पति के वृश्चिक राशि में प्रवेश करते ही तुला, कर्क और मीन राशि के जातक तो गुरु के अशुभ प्रभाव से मुक्त हो जाएंगे, परंतु मेष, सिंह, वृश्चिक और धनु राशि के लिए गुरु अशुभ कारक बनेगा। अन्य राशियां भी गुरु के शुभाशुभ फलों से प्रभावित होंगी। गोचर में गुरु द्वारा प्रदत्त अशुभफल जन्म कुंडली में स्थित ग्रहों के योगायोग तथा दशान्तर्दशा के अधीन होते हैं। गुरु के व्रत, दान, जप तथा विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ करने से इनकी अशुभता में कमी आकर शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

शनि की साढ़ेसाती और ढैया का प्रभाव

गोचर भ्रमणवश जब शनि किसी जातक की राशि से बारहवें, प्रथम या द्वितीय स्थान में हो, तो यह शनि की साढ़ेसाती कहलाती है। चौथे या आठवें स्थान पर शनि संचार करे तब शनि की ढ़ैया कहलाती है। वर्षभर वृश्चिक, धनु और मकर राशि पर शनि की साढ़ेसाती तथा वृष और कन्या राशि पर शनि की ढ़ैया चलेगी। शनि की ढैया और साढ़ेसाती से प्रभावित व्यक्तियों को मानसिक अशांति, धनाभाव, शारीरिक कष्ट, नौकरी व्यवसाय में परेशानी आदि कष्ट हो सकते हैं। परंतु ध्यान रखें जिनकी जन्म कुंडली में शनि श्रेष्ठ स्थान उच्च, स्वग्रही या मित्र राशि में हो और दशान्तर्दशा श्रेष्ठ चल रही हो तो उनके लिए शनि ढैया और साढ़ेसाती काल में अशुभ न होकर शुभ फलदायक ही रहेगा। परंतु चंद्र और शनि अशुभ ग्रहों से युक्त होकर अशुभ भावों में बैठे हों तो ढैया और साढ़ेसाती नेष्ट फलप्रद होती है। शनि के अनिष्ट फल निवारणार्थ शनि की प्रिय वस्तुओं का यथाशक्ति दान करें। न्याय पर चलें और कर्मनिष्ठ बनें। महिला कुष्ठ रोगी, अपंग, बेसहारा तथा वृद्धजनों का सम्मान एवं यथासंभव उनकी मदद करें। शनि का दान किसी वृद्ध ब्राह्मण या असहाय, दीन-हीन गरीब व्यक्ति को सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा सहित करना शुभ होता है।

राहु-केतु भी दिखाएंगे अपना प्रभाव

गोचर फलित के अनुसार राहु-केतु आपकी राशि से 3, 6, 10 एवं 11वें स्थान पर होते हैं तो शुभ फल देते हैं। अन्य स्थानों में इनका भ्रमण कष्टकारी होता है। परंतु ध्यान रखें गोचर का शुभाशुभ फल इनकी दशान्तर्दशा के दौरान विशेष रूप से प्रकट होता है। वर्तमान में कर्क राशि में गतिशील राहु मेष, कर्क, सिंह और धनु राशि को तथा मकर राशिगत केतु मिथुन, तुला, मकर और कुंभ राशि के जातकों को अशुभ प्रभाव से प्रभावित कर रहे हैं। फलित ज्योतिष के अनुसार राहु-केतु बहुत ही आकस्मिक रूप से ऐसे-ऐसे शुभाशुभ फल प्रदान करने की क्षमता रखते हैं जिनके विषय में पूर्व अनुमान लगाना लगभग असंभव है। कुछ परिस्थितियों वश इनके द्वारा शुभफल भी प्रदान किये जाते हैं। जन्म कुंडली में राहु-केतु योगकारक हों तो गोचर में अशुभ होने पर भी शुभफल ही प्रदान करेंगे। अनिष्ट राहु-केतु की शांति के लिए इनके मंत्र जप करें, प्रिय वस्तुओं का दान करें। गजेंद्र मोक्ष का पाठ करना शुभ फलदायक रहेगा। गणेश स्त्रोत एवं अपराजिता स्त्रोत का पाठ करना लाभकारी रहेगा।

आपकी राशि और वर्ष 2018

राशिफल का विवेचन प्रायः गोचर भ्रमणवश ग्रहों के लिए राशियों पर परिभ्रमण के प्रभावानुसार किया जाता है। परंतु ध्यान रखें गोचरीय राशिफल का शुभाशुभ प्रभाव, जन्म कुंडली में निर्मित योग, दशा-महादशा आदि के अधीन होता है। जन्म कुंडली के अनुसार यदि योगकारक ग्रहों की दशा-महादशा गतिशील हो तो गोचर में अशुभता होने पर भी शुभफल ही प्राप्त होंगे।

मेष- शनि का भ्रमण चांदी के पाया से नवम भाग्य स्थान पर है। बृहस्पति की सप्तम पूर्ण दृष्टि 10 अक्टूबर तक रहने से सुख-समृद्धि के योग रहेंगे। चतुर्थ राहु और 6 मार्च तक अष्टमस्थ मंगल के प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी कष्ट तथा परिस्थितियां विपरीत होंगी।

क्या करें उपाय- विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना लाभप्रद रहेगा। राहु मंत्र के जप करें, मंगल की प्रिय लाल वस्तुओं का दान करें।

जपनीय राशि मंत्र-'ॐ ह्री श्री लक्ष्मीनारायणाय नमः'।

वृष- इस वर्ष लौह पाद से शनि की ढैय्या रहेगी। अतः स्थान परिवर्तन तथा अकारण चिंता बढ़ेगी। धनहानि तथा बंधु वर्ग को पीड़ा रहेगी। स्वास्थ्य शिथिलिता, शत्रुत्व में वृद्धि के योग हैं। जन्मकाल में शनि बलवान हो तो शत्रुनाश करता है, यशस्वी अधिकारी के गुण पैदा करेगा। राज्य से अटके कार्यों में सफलता मिलेगी।

क्या करें उपाय-शनिवार का व्रत, छायादान और शनि की प्रिय वस्तुओं का दान करें। शनि मंत्र 'शन्नो देवीरभिष्टऽआपो भवंतुपीतये शय्योरभिस्त्रवंतु नः' की एक माला जप प्रति शनिवार को करें।

जपनीय राशि मंत्र-'ॐ गोपालाय उत्तरध्वजाय नमः।'

मिथुन- इस राशि पर शनि और मंगल की दृष्टियां होने से व्यवसाय में संघर्ष अधिक व खर्च बढ़ेगा। परंतु शनि ताम्रपाया तथा 10 अक्टूबर तक गुरु की कृपा दृष्टि के कारण स्वास्थ्य लाभ, धर्म में रुचि एवं लाभ-उन्नति के अवसर भी मिलेंगे। अष्टमस्थ केतु के कारण समाज विरोधी कार्य तथा मनो-मालिन्यता में वृद्धि होगी। अड़चन के साथ कार्ययोजनाएं सफल होंगी।

क्या करें उपाय-यदि आपको उक्त परेशानी हो तो केतु शांति के लिए अपने वजन के बराबर सप्तधान्य (जौ, गेहूं, चावल, तिल, कांगनी, उड़द, मूंग) का दान करें। केतु मंत्र 'ॐ ह्रीं ऐं केतवे नमः' के 17000 जप रात्रिकाल में करें।

जपनीय राशि मंत्र-ॐ क्लीं कृष्णाय नमः।

कर्क-शनि स्वर्ण पाद से छटे (शत्रु) स्थान में संचार करेगा तथा इस राशि पर राहु का भी विचरण होने से अशुभ फल घटित होंगे। रोग एवं शत्रु भय, धन का अपव्यय, मानसिक तनाव, गृहक्लेश तथा व्यवसाय में उलझनें बढ़ने के संकेत हैं। परंतु केतु के शुभ प्रभाव एवं 10 अक्टूबर से गुरु की उच्च दृष्टि के कारण पदोन्नति, धन लाभ, उत्साह में वृद्धि व मांगलिक कार्य होंगे। नकारात्मक प्रभाव से बचें।

क्या करें उपाय-राहु की प्रिय वस्तुओं गेहूं, उड़द, सप्तधान्य, अभ्रक, नारियल, काला पुष्प, चांदी का सर्प, गोमेद आदि का दक्षिणा सहित दान करें। राहु के बीज मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं राहवे नमः' के 18000 जप रात्रिकाल में करें। गजेंद्र मोक्ष का पाठ करना शुभ फलदायक रहेगा।

जपनीय राशि मंत्र- ॐ हिरण्यगर्भाय अव्यक्तरूपिणे नमः।

सिंह- चांदी के पाया से पंचमस्थ शनि के प्रभाव से धर्म कर्म में रुचि बढ़ेगी, धन ऐश्वर्य का लाभ, सम्मान, मांगलिक कार्य, मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। बारहवें राहु के कारण आवास एवं पारिवारिक परेशानियां बढ़ेंगी, चिंता से मन में अशांति रहेगी।

क्या करें उपाय-राहु की प्रिय वस्तुओं गेहूं, उड़द, सप्तधान्य, अभ्रक, नारियल, काला पुष्प, चांदी का सर्प, गोमेद आदि का दक्षिणा सहित दान करें। राहु के बीज मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं राहवे नमः' के 18000 जप रात्रिकाल में करें। गजेंद्र मोक्ष का पाठ करना शुभ फलदायक रहेगा।

जपनीय राशि मंत्र- ॐ क्लीं ब्रह्मणे जगधाराय नमः।

कन्या- लौह पाया से चर्तुस्थ शनि की अशुभ ढैय्या गतिशील है। धनभाव के कारण घरेलू अशांति, कार्य व्यापार में हानि तथा स्वास्थ्य बाधा बढ़ सकती है। शारीरिक कष्ट तथा व्यय वृद्धि के योग पैदा होंगे।

क्या करें उपाय- शनिवार का व्रत करें, शनि की प्रिय वस्तुओं का दान करें, लौहवानयुक्त बत्ती बनाकर सरसों के तेल का दीपक संध्या के समय पीपल वृक्ष के नीचे जलाएं। 'ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः' मंत्र का प्रत्येक शनिवार को जप करें।

जपनीय राशि मंत्र- 'ॐ नमो प्रीं पीताम्बराय नमः'।

तुला- इस राशि पर शनि तृतीयस्थ ताम्र पाया से विचरण करेगा जो शुभ फलदायक बना रहेगा। भाग्योन्नति, राज्य से लाभ, धन लाभ, विदेश गमन तथा भूमि-वाहनादि सुखों की प्राप्ति होगी। कूटनीति से राजनीति में सफलता मिलेगी। चतुर्थ केतु एवं 10 अक्टूबर तक लग्नस्थ गुरु शारीरिक कष्ट तथा मानसिक अशांति देगा।

क्या करें उपाय- रामरक्षास्तोत्र का पाठ करें। गुरु मंत्र 'ॐ ऐं क्लीं बृहस्पतये नमः' का जप करें। केले के वृक्ष को हल्दी मिश्रित जल से सींचें, गुरु की प्रिय वस्तुओं का दान करें। केतु शांति के लिए गणेशस्त्रोत एवं अपराजिता स्त्रोत का पाठ करना लाभकारी रहेगा।

जपनीय राशि मंत्र-'ॐ तत्त्वनिरंजनाय तारकरामाय नमः'।

वृश्चिक- वर्षभर शनि की साढ़ेसाती गतिशील रहेगी। आय कम व खर्च अधिक होंगे, शरीर कष्ट, तनाव एवं संघर्ष अधिक रहेगा। परंतु शनि पाया चांदी का होने के कारण अकस्मात धन लाभ, पदोन्नति व विदेश भ्रमण के योग बनेंगे। 10 अक्टूबर से इस राशि पर लग्नस्थ गुरु कष्टकारक बनेगा। यदि जन्म समय में शनि वक्री हो तो आय के साधन बढ़ेंगे।

क्या करें उपाय-भक्तिपूर्वक शनिवार का व्रत करें। शनि महाराज का तेलाभिषेक कर कंगन, खीर, कचौरी, काले गुलाब जामुन आदि का भोग लगाएं। लोहवान युक्त रुई की वर्तिका (बत्ती) बनाकर उसे कड़वे तेल में डालकर संध्या के समय पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक जलाएं। अनिष्ट फल निवारणार्थ शनि की प्रिय वस्तुओं का दान करें। दीन-हीन, गरीब व्यक्ति, अपंग, बेसहारा आदि को अपनी सार्मथ्य के अनुसार सहायता व दान करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। शनि दशनाम स्त्रोत का पाठ करें।

जपनीय राशि मंत्र- 'ॐ नारायण सुरसिंहाय नमः'।

धनु-शनि की साढ़ेसाती के कारण कार्य व्यवसाय में आर्थिक उलझने, आय कम व खर्च अधिक रहेंगे। घरेलू परेशानियों का सामना रहेगा। शनि पाया सुवर्ण होने से सगे संबंधियों के साथ विवाद के योग बनेंगे। वर्ष के उतरार्द्ध में अचानक कार्यसिद्धि तथा मंगल कार्ययोजना बनेंगी। चापलूसों से सावधान रहें। उत्साह तथा धैर्य में वृद्धि से बिगड़े काम बनेंगे, नई योजनाएं सफल होंगी।

क्या करें उपाय-लौहवानयुक्त बत्ती बनाकर सरसों के तेल का दीपक संध्या के समय शनि मंदिर में जलाएं। शनि मंत्र ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः' का जप करें। छाया दान, तुला दान करें। शनिवज्र पंजर कवच एवं गजेंद्र मोक्ष का पाठ करें।

जपनीय राशि मंत्र- 'ॐ श्रीं देवकृष्णाय ऊर्ध्वशताय नमः'।

मकर-वर्ष पर्यंत इस राशि पर शनि द्वादस्थ (साढ़ेसाती) होने के कारण घरेलू व व्यापारिक कार्य में उलझन बढ़ेगी। खर्चा बढ़ेगा। शनि पाया लौह होने के कारण शारीरिक कष्ट, मानसिक तनाव, संघर्ष व पारिवारिक क्लेश के कारण अचानक संकट व धन हानि के योग हैं। अनावश्यक खर्च में वृद्धि होगी, इन दिनों कर्ज लेने से बचें।

क्या करें उपाय- शनि की प्रिय वस्तुओं तिल, तेल, कुलथी, काला वस्त्र, काला पुष्प, जूता, चप्पल, कस्तूरी, नीलम, कटैला आदि का दान करें। 'ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः' मंत्र का जप करें।

जपनीय राशि मंत्र- 'ॐ श्रीं वत्सलाय नमः'।

कुंभ-इस राशि पर शनि ग्यारहवें (लाभ स्थान) में होने से शनि की स्वग्रही दृष्टि रहेगी। फलस्वरूप शनि वर्षभर शुभ प्रभाव में रहेंगे। कार्य व्यवसाय में सफलता तथा राज्य सत्त से लाभ होगा। परंतु शनि का पाया स्वर्ण होने एवं बारहवें केतु के कारण भाग्योन्नति में विलंब एवं अड़चनें आएंगी। स्थान परिवर्तन, धन के दुरुपयोग तथा शासन से भय की आशंका रहेगी।

क्या करें उपाय-केतु की वस्तुओं का दान करें। कुष्ठाश्रम में बर्तन व भोजन दान करें। केतु बीज मंत्र 'ॐ ह्रीं ऐं केतवे नमः' के 17000 जप रात्रिकाल में करें तथा दषमांश का हवन करें। अपराजिता स्त्रोत एवं गणेश स्त्रोत का नियमित पाठ करें।

जपनीय राशि मंत्र- 'ॐ श्रीं उपेंद्राय अच्युताय नमः'।

मीन-इस राशि पर दशमस्थ शनि ताम्र पाया से विचरण करेगा। 10 अक्टूबर तक अष्टमस्थ गुरु का भी प्रभाव रहेगा। नए काम की योजना बनेगी, पुराने कार्यों में सफलता मिलेगी। परंतु यह समय कष्टकारक तथा आर्थिक तंगी देगा। यदि जन्मकाल में गुरु शुभ प्रभाव में हो तो अशुभ फलों में न्यूनता आएगी। अन्यथा रोगजन्य पीड़ा, पारिवारिक क्लेश, प्रवास और शत्रु भय जैसी समस्यायों का सामना करना पड़ेगा। कठोर परिश्रम से कुछ लाभ की संभावना बनेगी। सुविवेक से कार्य करना उचित रहेगा।

क्या करें उपाय-वृद्धजनों का आशीर्वाद लें, गुरुवार को केले नहीं खाएं, इनका दान करें। गुरुवार का व्रत करें और गुरु की प्रिय वस्तुओं का दान करें। **जपनीय राशि मंत्र-** 'ॐ क्लीं उद्धृताय उद्धारिणे नमः'।

समुद्री नमक की जगह खाएँ सेंधा नमक

वास्तव में देखा जाए तो हम आज जो नमक खा रहे हैं, वह समुद्री नमक है, जो किसी समय अखाद्य नमक माना जाता था। खाने में सेंधा नमक ही काम आता था। आईयें देखें ऐसा क्यों?

कैलाशचन्द्र लड्ढा, भीलवाड़ा

नमक हमारे शरीर के लिये बहुत जरूरी है। इसके बावजूद हम सब घटिया किस्म का नमक खाते हैं। यह शायद आश्चर्यजनक लगे, पर यह एक हकीकत है। नमक विशेषज्ञ एन.के. भारद्वाज का कहना है कि भारत में अधिकांश लोग समुद्र से बना नमक खाते हैं। वर्तमान में हम जो नमक खाते हैं, वह समुद्र से उत्पन्न है। प्रख्यात वैद्य मुकेश पानेरी कहते हैं कि आयुर्वेद की बहुत सी दवाइयों में सेंधा नमक का उपयोग होता है। आम तौर से उपयोग में लाए जाने वाले समुद्री नमक से उच्च रक्तचाप का भय रहता है। इसके विपरीत सेंधा नमक के उपयोग से रक्तचाप पर नियंत्रण रहता है। इसकी शुद्धता के कारण ही इसका उपयोग व्रत के भोजन में होता है।

क्या है सेंधा नमक

सेंधा नमक की सबसे बड़ी समस्या है कि भारत में यह काफी कम मात्रा में होता है, और वह भी शुद्ध नहीं होता। भारत में 80 प्रतिशत नमक समुद्री है, 15 प्रतिशत जमीनी और केवल पांच प्रतिशत पहाड़ी यानी सेंधा नमक। सबसे अधिक सेंधा नमक पाकिस्तान की मुल्तान की पहाड़ियों में मिलता है। ऐतिहासिक रूप से पूरे उत्तर भारतीय उपमहाद्वीप में खनिज पत्थर के नमक को 'सेंधा नमक' या 'सेंधव नमक' कहा जाता है, जिसका मतलब है 'सिंध या सिंधु के इलाके से आया हुआ। अक्सर यह नमक इसी खान से आया करता था। सेंधे नमक को 'लाहौरी नमक' भी कहा जाता है क्योंकि यह व्यापारिक रूप से अक्सर लाहौर से होता हुआ पूरे उत्तर भारत में बेचा जाता था।

क्यों होता है समुद्री नमक का उपयोग

समुद्री और सेंधा नमक के दाम मेंइतना अधिक अंतर है जिसके कारण लोग समुद्री नमक खरीदते हैं। समुद्री नमक जहां नौ रुपए किलो है तो सेंधा नमक का दाम 40 रुपए प्रतिकिलो है। सेंधा नमक समुद्री नमक से कम नमकीन होता है। साफ है कि इसका अधिक उपयोग करना पड़ता है और इसीलिए लाख उपयोगी होने के बावजूद लोग इसकी जगह समुद्री नमक से ही चला लेते हैं। पर अगर उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियाँ हुईं तो इसके इलाज में जो हजारों रुपए खर्च होंगे, इसकी तुलना में दाम का ये फर्क कुछ भी नहीं। सिर्फ आयोडीन के चक्कर में ज्यादा नमक खाना समझदारी नहीं है। क्योंकि आयोडीन हमें आलू, अरवी के साथ हरी सब्जियों से भी मिल जाता है।

सेंधा नमक के क्या फायदे?

सेंधा नमक सफेद व लाल रंग में पाया जाता है। सफेद रंग वाला नमक उत्तम होता है। यह हृदय के लिये उत्तम, दीपन और पाचन में मदद रूप, त्रिदोष शामक, शीतवीर्य अर्थात ठंडी तासीर वाला, पचने मे हल्का है। इससे पाचक रस बढ़ते हैं। रक्त विकार आदि के रोग जिसमें नमक खाने की मनाही हो उसमें भी इसका उपयोग किया जा सकता है। यह पित्त नाशक और आंखों के लिए हितकारी है। दस्त, कृमिजन्य रोगों व रह्यूमेटिज्म में काफी उपयोगी होता है। हिंगाष्ठक चूर्ण, लवण भास्कर और शंखवटी इसके ही कुछ विशिष्ट योग हैं। फिर भी याद रखें नमक आवश्यक है, पर उसे कम से कम मात्रा में ही खाना चाहिए।

कैसा रहेगा आपका
दाम्पत्य जीवन

कैसी रहेगी आपकी पत्नी

जब सप्तमेश सौम्य ग्रह होता है तथा स्वग्रही होकर सप्तम भाव में ही उपस्थित होता है तो जातक को सुंदर, आकर्षक, प्रभामंडल से युक्त एवं सौभाग्यशाली पत्नी प्राप्त होती है। जब सप्तमेश सौम्य ग्रह होकर भाग्य भाव में उपस्थित होता है तो जातक को शीलयुक्त, रमणी एवं सुंदर पत्नी प्राप्त होती है तथा विवाह के पश्चात जातक का निश्चित भाग्योदय होता है।

जब सप्तमेश एकादश भाव में उपस्थित हो तो जातक की पत्नी रूपवती, संस्कारयुक्त, मृदुभाषी व सुंदर होती है तथा विवाह के पश्चात जातक की आर्थिक आय में वृद्धि होती है या पत्नी के माध्यम से भी उसे आर्थिक लाभ प्राप्त होते हैं।

यदि जातक की जन्मकुंडली के सप्तम भाव में वृषभ या तुला राशि होती है तो जातक को चतुर, मृदुभाषी, सुंदर, सुशिक्षित, संस्कारवान, तीखे नाक-नक्श वाली, गौरवर्ण, संगीत, कला आदि में दक्ष, भावुक एवं चुंबकीय आकर्षण वाली, कामकला में प्रवीण पत्नी प्राप्त होती है।

यदि जातक की जन्मकुंडली में सप्तम भाव में मिथुन या कन्या राशि उपस्थित हो तो जातक को कोमलांगी, आकर्षक व्यक्तित्व वाली, सौभाग्यशाली, मृदुभाषी, सत्य बोलने वाली, नीति एवं मर्यादाओं से युक्त बात करने वाली, श्रृंगारप्रिय, कठिन समय में पति का साथ देने वाली तथा सदैव मुस्कुराती रहने वाली पत्नी प्राप्त होती है। उन्हें वस्त्र एवं आभूषण बहुत प्रिय होते हैं।

जिस जातक के सप्तम भाव में कर्क राशि स्थित होती है, उसे अत्यंत सुंदर, भावुक, कल्पनाप्रिय, मधुरभाषी, लंबे कद वाली, छरहरी तथा तीखे नाक-नक्श वाली, सौभाग्यशाली तथा वस्त्र एवं आभूषणों से प्रेम करने वाली पत्नी प्राप्त होती है।

यदि किसी जातक की जन्मकुंडली के सप्तम भाव में कुंभ राशि स्थित हो तो ऐसे जातक की पत्नी गुणों से युक्त धार्मिक, आध्यात्मिक कार्यों में गहरी अभिरुचि रखने वाली एवं दूसरों की सेवा और सहयोग करने वाली होती है।

सप्तम भाव में धनु या मीन राशि होने पर जातक को धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पुण्य के कार्यों में रुचि रखने वाली, सुंदर, न्याय एवं नीति से युक्त बातें करने वाली, वाक्पटु, पति के भाग्य में वृद्धि करने वाली, सत्य का आचरण करने वाली और शास्त्र एवं पुराणों का अध्ययन करने वाली पत्नी प्राप्त होती है।

कैसा रहेगा आपका पति

जिस कन्या की जन्म कुंडली के लग्न में चंद्र, बुध, गुरु या शुक्र उपस्थित होता है, उसे धनवान पति प्राप्त होता है। लग्न में गुरु उपस्थित हो तो उसे सुंदर, धनवान, बुद्धिमान पति व श्रेष्ठ संतान मिलती है। भाग्य भाव में या सप्तम, अष्टम और नवम भाव में शुभ ग्रह होने से ससुराल धनाढ्य एवं वैभवपूर्ण प्राप्त होती है।

कन्या की जन्मकुंडली में चंद्र से सप्तम स्थान पर शुभ ग्रह बुध, गुरु, शुक्र आदि में से कोई उपस्थित हो तो उसका पति राज्य में उच्च पद प्राप्त करता है तथा उसे सुख व वैभव प्राप्त होता है।

कुंडली के लग्न में चंद्र हो तो ऐसी कन्या पति को प्रिय होती है और चंद्र व शुक्र की युति हो तो कन्या ससुराल में अपार संपत्ति एवं समस्त भौतिक सुख-सुविधा प्राप्त करती है।

कन्या की कुंडली में वृषभ, कन्या, तुला लग्न हो तो वह प्रशंसा पाकर पति एवं धनवान ससुराल में प्रतिष्ठा प्राप्त करती है।

कन्या की कुंडली में जितने अधिक शुभ ग्रह गुरु, शुक्र, बुध या चंद्र लग्न को देखते हैं या सप्तम भाव को देखते हैं, उसे उतना धनवान एवं प्रतिष्ठित परिवार एवं पति प्राप्त होता है।

कन्या की जन्मकुंडली में लग्न व ग्रहों की स्थिति की गणनानुसार त्रिशांश कुंडली का निर्माण करना चाहिए तथा देखना चाहिए कि यदि कन्या का जन्म मिथुन या कन्या लग्न में हुआ है तथा लग्नेश गुरु या शुक्र के त्रिशांश में है तो उसके पति के पास अटूट संपत्ति होती है तथा कन्या सदैव ही सुंदर वस्त्र एवं आभूषण धारण करने वाली होती है।

कुंडली के सप्तम भाव में शुक्र उपस्थित होकर अपने नवांश अर्थात वृषभ या तुला के नवांश में हो तो पति धनाढ्य होता है।

सप्तम भाव में बुध होने से पति विद्वान, गुणवान, धनवान होता है, गुरु होने से दीर्घायु, राजा के समान संपत्ति वाला एवं गुणी तथा शुक्र या चंद्र हो तो ससुराल धनवान एवं वैभवशाली होता है।

एकादश भाव में वृष, तुला राशि हो या इस भाव में चंद्र, बुध या शुक्र हो तो ससुराल धनाढ्य और पति सौम्य व विद्वान होता है।

इनसे बनती है विशिष्ट स्थिति

हर पुरुष सुंदर पत्नी और स्त्री धनवान पति की कामना करती है। लेकिन यह तभी संभव है, जब आपकी जन्म कुंडली में सितारों का योग उत्तम हो। कुंडली पर पड़ रही ग्रहों की दृष्टि और लग्न योग ही बताते हैं कि पत्नी कितनी रूपवान और पति कितना धनवान होगा। यदि जातक की जन्म कुंडली के सप्तम भाव में सूर्य हो तो उसकी पत्नी शिक्षित, सुशील, सुंदर एवं कार्यों में दक्ष होती है, किंतु ऐसी स्थिति में सप्तम भाव पर यदि किसी शुभ ग्रह की दृष्टि न हो तो दाम्पत्य जीवन में कलह और सुखों का अभाव होता है। जातक की जन्म कुंडली में स्वग्रही, उच्च या मित्र क्षेत्री चंद्र हो तो जातक का दाम्पत्य जीवन सुखी रहता है तथा उसे सुंदर, सुशील, भावुक, गौरवर्ण एवं सघन केश राशि वाली रमणी पत्नी प्राप्त होती है। सप्तम भाव में क्षीण चंद्र दाम्पत्य जीवन में न्यूनता उत्पन्न करता है। जातक की कुंडली में सप्तमेश केंद्र में उपस्थित हो तथा उस पर शुभ ग्रह की दृष्टि होती है, तभी जातक को गुणवान, सुंदर एवं सुशील पत्नी प्राप्त होती है। पुरुष जातक की जन्म कुंडली के सप्तम भाव में शुभ ग्रह बुध, गुरु या शुक्र उपस्थित हो तो ऐसा जातक सौभाग्यशाली होता है तथा उसकी पत्नी सुंदर, सुशिक्षित होती है और कला, नाट्य, संगीत, लेखन, संपादन में प्रसिद्धि प्राप्त करती है। ऐसी पत्नी सलाहकार, दयालु, धार्मिक-आध्यात्मिक क्षेत्र में रुचि रखती है।

अच्छे जीवन साथी के लिए मंत्र साधना

हमारे धर्मशास्त्रों में उल्लेखित मंत्र अत्यंत कारगर हैं। इनके अनुसार योग्य जीवन साथी के लिये मंत्र साधना की जाती है।

सुंदर पत्नी प्राप्ति के लिए निम्न श्लोक का जाप करें

"पत्नी मनोरमां देहि मनोवृतानुसारिणीम्
तारिणीं दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम्।"

इसी प्रकार अच्छे वर की प्राप्ति के लिए निम्न श्लोक का जाप करें-

"कात्यायनी महामाये महायोगिन्यधीश्वरि।
नन्दगोपसुतं देहि पतिं में कुरु ते नमः?

या

"धाता दाधार पृथिवीं धाता द्यामुत सूर्यम्
धातास्या अग्रुवे पतिं दधातु प्रतिकाम्यम्।"

मंज़िल

पुरुष प्रधान समाज होने से एक आम नारी के लिये अपनी पहचान बना पाना एक बहुत बड़ी चुनौती होती है, लेकिन जब हौसला बुलंद हो तो यह चुनौती भी बौनी साबित होती है। इसी स्थिति का सजीव चित्रण कर रही है, श्रीमती विद्यादेवी चाँडक (कटोल-नागपुर) की प्रस्तुत कहानी।

कैसे दिन बीत जाते हैं, पता ही नहीं चलता? सब सहेलियाँ स्कूल में पढ़ती थीं। देखते-देखते सभी की शादी हो चुकी है। सब अपने-अपने संसार में रम चुकी थी। कुछ सहेलियाँ पढ़ने में, हिंदी में, संगीत में हर काम में बड़ी होशियार थीं। उनमें से गीता और ममता हम सबको सही मार्गदर्शन देती थीं। शादी के बाद कौन कहां गया पता ही नहीं चला। हर कोई अपने संसार और बच्चों में सबकुछ भूल चुके थे। दिन-साल बीतते चले गए।

मेरा ससुराल राजस्थान होने से मुझे राजस्थान जाना पड़ा। आते समय हम दोनों बातों और ताश के पत्तों में इस तरह मग्न थे कि ट्रेन में कौन आया और गया इसका पता ही नहीं चल रहा था। हम दोनों अपनी मौज-मस्ती की दुनिया में खो गए थे। बाजू में एक बच्चा खाने के लिए बहुत जिद कर रहा था। उसकी माँ बहुत समझा रही थी। स्टेशन चला गया और वह चुप हो गया, लेकिन दूसरे स्टेशन पर गाड़ी रुकी तो बच्चा फिर रोने लगा।

मैंने मेरे पति से कहा कि कैसी माँ है ये, अपने बच्चे को कुछ भी नहीं देती। मैंने पलटकर देखा, माँ को कुछ कहूँ लेकिन मेरी नजर और बालक की माँ की नजर एक-दूसरे को देखती ही रह गई। ''गीता तू'' मैंने कहा। वह बोली ''कमला तूं।'' दोनों एक साथ बोलीं। मुझे गीता की हालत, कुछ ठीक नहीं दिखी। मैंने मेरे पति से कहा 'अजी सुनते हो, यह मेरी सहेली गीता है, आप बच्चों को कुछ खिला-पिलाकर लाओ।

उनके जाने के बाद गीता ने मेरा हाथ पकड़ा और रोने लगी। मैंने पूछा 'क्या बात है, गीता?' गीता रोते-रोते बोली, क्या बताऊँ, मैं बहुत सुखी थी, लेकिन मेरे पति को जुआँ खेलना, शराब पीना, कोठे पर जाना ऐसी कई बुरी आदतें लग गई थीं। मैंने बहुत समझाया था, लेकिन कुछ काम नहीं आया, सब कुछ खो दिया। बीमार रहने लगे, दवाई, डॉक्टरों में बहुत खर्च हो गया। तभी एक दिन डॉक्टरों ने बताया कि उनको 'एड्स' है और पाँच-छह महीनों के मेहमान हैं। मेरे जेठ उनके पास हैं, मैं घर जा रही हूँ, लेकिन आगे क्या होगा, इस बात की चिंता मुझे बहुत सता रही है।

एड्स का नाम सुनते ही मेरे होश उड़ गए। थोड़ी देर बाद मैंने उसको धीरज दिया-गीता, क्या संसार नहीं है? तू तो पढ़ाई में, संगीत में, डाँस में, हर क्षेत्र में टॉपर रही थी। अभी भी तू टॉप बन सकती है। जिसके पास हर कला हो वह क्या नहीं बन सकता? थोड़ा हिम्मत से काम लेने की जरूरत है। रेल न पीछे देखती है, न दाएँ न बाएँ देखती है। बस आगे चलती जाती है और सफलता प्राप्त करती है।

इतने में मेरे पति ने आवाज दी ''सामान रख लो, उतरना है। स्टेशन आ रहा है।'' गीता को समझाकर हम दूसरे स्टेशन पर उतरने लगे, हम अपना सामान उतारने लगे और गाड़ी चल पड़ी।

घर आने के बाद मुझे गीता की याद बहुत सता रही थी। एड्स बीमारी का नाम मुझे बहुत चुभता था। कुछ दिन बाद यह बात मैं भूल गई। छह महीने बाद एक खत आया उस पर गीता का नाम लिखा हुआ था। गीता का खत देखकर मेरा मन चल-विचल होने लगा। खत पढ़ने लगी, पढ़ते-पढ़ते आनंदित हुई। जीवन में कौन सी कला कब काम आएगी, इसका कोई नियम नहीं है। गीता ने लिखा था 'कमला तूने मुझे अपनी बुद्धि और क्षमता की याद दिलाई और मैं रेल की तरह चल पड़ी। मैं सुखी हूँ। मेरे पति दुनिया में नहीं हैं, पर फिर भी मैं रेल की तरह चलती रहूँगी और अपनी मंजिल खुद बनाऊँगी।

Swastik
Supplying Company
MARRIAGE DECORATORS, UTENSIL'S SUPPLIERS & EXHIBITS SYSTEMS
Anil Lakhotiya
93930-33260, 98490-15470
14-7-362 BEGUM BAZAR, HYDERABAD-500012

Swastik Decor
SERVICES PRIVATE LIMITED
MARRIAGE DECORATORS, UTENSIL'S SUPPLIERS & EXHIBITS SYSTEMS
14-7-362, begum Bazar, HYDERABAD-500012
Tel : 24614196, 93930-33251, 93930-33250
E-mail : swastiksupplying@gmail.com

परिणय सूत्र में बंधे ऋषि और रुचि

उज्जैन. श्री माहेश्वरी टाईम्स के सम्पादक पुष्कर बाहेती व सरिता बाहेती के ज्येष्ठ सुपुत्र ऋषि बाहेती का विवाह गत 3 दिसंबर को शहर की एक प्रतिष्ठित होटल में अहमदाबाद के ख्यात टैक्स प्रैक्टिशनर सुरेश माहेश्वरी की सुपुत्री रुचि के साथ गरिमामय आयोजन में सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि ऋषि सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर बहुराष्ट्रीय कंपनी टीसीएस में स्वीडन में कार्यरत हैं। रुचि चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। इस आयोजन में अभा माहेश्वरी महासभा, माहेश्वरी समाज, पत्रकार वर्ग सहित सभी वर्गों से बड़ी संख्या में कई गणमान्यजन आशीर्वादाता के रूप में उपस्थित थे। म.प्र. के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने उपस्थित न हो पाने से शुभकामना संदेश प्रेषित कर आशीर्वाद प्रदान किया।

ये भी थे आशीर्वाददाता

इस अवसर पर आशीर्वाददाता के रूप में रामकुमार भूतड़ा (प्रदेश कोषाध्यक्ष - राजस्थान भाजपा, पूर्व महामंत्री-अ.भा. माहेश्वरी महासभा), रामगोपाल मूंदड़ा (पूर्व उपसभापति), मदनमोहन पेड़ीवाल (निवृत्तमान गुजरात प्रदेशाध्यक्ष), रामअवतार साबू (पूर्व गुजरात प्रदेशाध्यक्ष), विमलादेवी साबू (पूर्व अध्यक्ष-अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन), रामकुमार टावरी (पूर्व कार्यकारिणी सदस्य) प्रकाश माहेश्वरी (पूर्व प्रेसिडेंट - ग्रेसिम इण्डस्ट्रीज,नागदा) प्रकाश बाहेती (मुख्य चुनाव अधिकारी), महेश तोतला (पूर्व प्रदेशाध्यक्ष), बंशीलाल भूतड़ा 'किरण', राजेन्द्र ईनाणी (प्रदेशाध्यक्ष) तथा ख्यात पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू, भीलवाड़ा (पीपुल फॉर एनीमल संस्था के प्रदेश अध्यक्ष), भीलवाड़ा विकास प्राधिकरण के पूर्व चेयरमेन लक्ष्मीनाराण दाड़, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय उपसभापति देवकरण गग्गड़ (भीलवाड़ा), म.प्र. मुख्यमंत्री के विशेष सचिव व भोपाल विकास प्राधिकरण के सीईओ नीरज वशिष्ठ, उज्जैन के ख्यात भारतीय ज्ञानपीठ के अध्यक्ष वरिष्ठ एडव्होकेट व गाँधीवादी कृष्णमंगलसिंह कुलश्रेष्ठ व श्रीमती कृष्णा कुलश्रेष्ठ आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

परिणय सूत्र में बंधे निशांत और नुपुर

इंदौर। म.प्र. खनिज विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष गोविंद मालू के अनुज एवं श्रीमती विद्यादेवी मालू के सुपौत्र, हरि-सुषमा मालू के ज्येष्ठ सुपुत्र निशांत का परिणय इंदौर के समाजसेवी श्री कृष्णचंद्र जी बल्दवा की सुपुत्री नुपुर के साथ गत 10 दिसम्बर को सम्पन्न हुआ। इस मांगलिक अवसर पर प्रदेश की कई राजनीतिक हस्तियां, सांसद, विधायक तथा मंत्री एवं माहेश्वरी समाज के कई गणमान्यजन आशीर्वाददाता के रूप में उपस्थित थे।

यदि जीवन में लोकप्रिय होना हो तो
सबसे ज्यादा 'आप' शब्द का
इसके बाद 'हम' शब्द का और
सबसे कम 'मैं' शब्द का उपयोग करना चाहिये।

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री विक्रमादित्य पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या
विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान
कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में

90, विद्या नगर, टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे, सांवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526761, मो. 094250-91161, 98275-59522

सभी प्रमुख बुक स्टॉलों पर उपलब्ध

देशभर के समाजजनों उज्जैन शहर में आवास हेतु समाज भवन न होने से छत्री चौक स्थित ''मंत्री लॉज'' ही हमेशा से अपनी संस्कृति के अनुरूप आवास की एकमात्र सुविधा के रूप में प्रतिष्ठित रही है। इसे एक व्यवसाय की जगह विशुद्ध सेवा भाव से संचालित कर रहे वरिष्ठ समाजसेवी श्री रामगोपाल मंत्री नहीं रहे, लेकिन उनके द्वारा लगाया गया यह सेवा वृक्ष हमेशा तीर्थ यात्रियों को सतत सेवा देता रहेगा।

नहीं रहे तीर्थ यात्रियों के सहयोगी
श्री रामगोपाल मंत्री

उज्जैन में तीर्थ दर्शन अथवा अन्य किसी कार्य से आकर मंत्री लॉज में ठहरने वाला कोई भी समाज सदस्य 93 वर्षीय वरिष्ठ श्री रामगोपाल मंत्री को कभी नहीं भूल सकता। इसका कारण समाजसेवा की तरह अत्यंत कम शुल्क में लॉज का संचालन तो था ही, साथ ही उनका वह मधुर व्यवहार भी था, जो घर सा अहसास दिलाता था। स्थानीय समाज संगठन की गतिविधियों में तो वे सक्रिय थे ही साथ ही समाज के भवनों के निर्माण में भी उन्होंने अपनी निःस्वार्थ भूमिका निभाई थी। श्री मंत्री का गत दिनों देहावसान हो गया। स्व. श्री मंत्री को अंतिम विदाई देने के लिये समाजसेवी, स्नेहीजनों तथा गणमान्यजनों का भारी जनसमुदाय उपस्थित था। आप अपने पीछे पुत्र मनमोहन मंत्री तथा स्व. श्री घनश्याम मंत्री का पौत्र-पौत्री आदि से भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

व्यवसायी जगत में प्रतिष्ठित नाम

श्री मंत्री का जन्म 10 मार्च 1926 को उज्जैन में ही स्व. श्री हेमराज मंत्री व स्व. श्रीमती मथुरादेवी के यहाँ हुआ था। पैतृक संपत्ति में से श्री मंत्री ने अपने हिस्से में आये विश्रांति भवन का जीर्णोद्धार करवाकर इसे मंत्री लॉज बना दिया। व्यावसायिक रूप होने के बावजूद यह तीर्थ यात्रियों की सेवा का केंद्र रहे इसके लिए उन्होंने हमेशा इसका किराया बहुत कम ही रखा गया। इसके बाद पैतृक कमोडिटी व्यवसाय को उन्होंने पंख लगाना प्रारंभ किया। इसके अंतर्गत शीघ्र ही वे सेंट्रल इंडिया कॉटन एसोसिएशन उज्जैन व फिर ग्वालियर के भी सदस्य बन गए। इसके साथ ही संगठन ''आगरा मर्चेंट आगरा'' तथा ''नेशनल बोर्ड ऑफ ट्रेड इंदौर'' की सदस्यता ले ली। क्षेत्र की सबसे ख्यात कृषि उपज मंडी चिमनगंज मंडी उज्जैन में भी ''ग्रेन मर्चेंट कमीशन एजेंट'' के रूप में प्रतिष्ठित थे।

समाज की एकता की भी मिसाल

श्री मंत्री का संपूर्ण जीवन ही समाज की एकता को समर्पित रहा था। जब भी गुटों में समाज के बंटने की स्थिति बनी तो श्री मंत्री ने सेतु की तरह प्रयास कर सभी को फिर से एक कर दिया। श्री मंत्री का विवाह स्वयं अपने आप में समाज की एकता का ही परिचायक था। उस समय ही नहीं बल्कि वर्तमान में भी माहेश्वरी समाज मारवाड़ी तथा मेवाड़ा दो वर्ग में विभाजित है। श्री मंत्री मेवाड़ा माहेश्वरी थे, लेकिन उन्होंने विवाह संवत 2002 (लगभग सन् 1945 ई.) में किशनगज-मदनगंज के बियानी परिवार में किया। ससुराल पक्ष मारवाड़ी माहेश्वरी था। अतः स्वयं श्री मंत्री व उनकी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती चंद्रकांता मंत्री, मारवाड़ी व मेवाड़ा माहेश्वरी समाज की एकता के सेतु बन गए। कोई भी सामाजिक मुद्दा रहा तो उसमें उन्होंने दोनों पक्षों के प्रतिनिधि की तरह ही कार्य किया।

श्रद्धा सुमन

उज्जैन आने का अर्थ मंत्री जी से भेंट

स्व.श्री मंत्री का देहावसान वास्तव में सिर्फ उज्जैन नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज की क्षति है। वे स्थानीय ही नहीं अपितु सम्पूर्ण देश की समाजसेवी गतिविधियों में निःस्वार्थ भाव से सहयोग व मार्गदर्शन प्रदान कर रहे थे। मैं तो लम्बे समय से आपके सम्पर्क में था। मेरा तो उनसे इतना लगाव था कि मेरे लिये उज्जैन आने का अर्थ ही भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन करना व मंत्रीजी से मिलना था। यह मेरे लिये तो व्यक्तिगत क्षति है।

रामकुमार भूतड़ा
प्रदेशाध्यक्ष - राजस्थान प्रदेश भाजपा
पूर्व महामंत्री अ.भा.माहेश्वरी महासभा

एक निःस्वार्थ समाजसेवी का बिछोह

स्व.श्री मंत्री एक ऐसे निःस्वार्थ समाजसेवी थे जिन्होंने कभी किसी पद प्रतिष्ठा की अपेक्षा नहीं की। लेकिन अपनी ओर से तन-मन-धन से न सिर्फ समाज को हर सम्भव सहयोग दिया बल्कि अन्यों से भी दिलाया, आप समाज की एकता के भी पर्याय थे। आपने अपनी कथनी और करनी हर प्रकार से समाज को एकजुट रखने का सदैव प्रयास किया। आज वे नहीं हैं लेकिन उनका दिखाया मार्ग सदैव हमें मार्गदर्शित करता रहेगा।

कमलकिशोर चाँडक
पूर्व कोषाध्यक्ष - अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह घर-परिवार में आनंद, मांगलिक कार्य, लंबी यात्रा के लिये सुखद रहेगा। मित्रों, परिजनों से मुलाकात होगी। विद्यार्थी को अधिक परिश्रम करना होगा। नौकरी एवं कार्य व्यवसाय में परेशानी के साथ सफलता मिलेगी। राजकीय पक्ष से लाभ होगा, सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगा। विवाह संबंध तय होगा, दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। पुराने, लंबित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। नये समाचार मिलेंगे, नवीन वाहन के योग रहेंगे। नौकरी मिलने एवं नवीन कार्य व्यवसाय प्रारंभ करने के योग रहेंगे।

वृषभ- इस माह आपको स्वास्थ्य से संबंधित पुरानी बीमारी से छुटकारा मिलेगा एवं स्वास्थ्य उत्तम बना रहेगा। व्यापार में अच्छा काम होकर लाभ कमाएंगे। वाहन सुख में वृद्धि होगी, अपनो की मदद एवं शुभकामनाओं से प्रत्येक क्षेत्र में सफलता अर्जित होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा, नौकरी में पदोन्नति के सुअवसर प्राप्त होंगे। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। जान-पहचान का क्षेत्र बढ़ेगा किंतु अज्ञात भय बना रहेगा।

मिथुन- यह माह आपको मान-सम्मान एवं पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि दायक रहेगा। अच्छे कार्य एवं पहले के अधूरे पड़े कार्यों में प्रगति होगी। अपने बल पर परिश्रम करते हुए सफलता अर्जित होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को परिश्रम के उपरांत अच्छे परिणाम की संभावना रहेगी। शुभ कार्यों एवं नियमित गतिविधि से सफलता के सुअवसर प्राप्त होंगे। विवाह संबंध तय होंगे, सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। खुश खबरी मिलेगी, संतान के कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क- यह माह आरंभ में आप के लिए कुछ परेशानी से युक्त रहेगा। किंतु आप अपने दृढ़ निश्चय एवं साहस के बल पर समस्याओं से निजात पायेंगे एवं सफलता प्राप्त करें। आर्थिक सम्पन्नता में वृद्धि होगी। जल्दीबाजी में निर्णय ना करें। किसी भी कार्य को करने से पूर्व उसके महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार कर ही निर्णय लेवें। धार्मिक यात्रा एवं विवाह समारोह में भाग लेंगे। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी, संतान प्राप्ति के योग रहेंगे। अज्ञात भय बना रहेगा, पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

सिंह- यह माह आपको आर्थिक रूप से संपन्नता प्रदान करने वाला होगा। लंबी यात्रा होगी, शौक, मौज-मस्ती में समय व्यय करेंगे। विरोधी परास्त होंगे। आँखों में कष्ट रहेगा। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी, शिक्षा में सफलता मिलेगी। मामा परिवार से परेशानी उठाना होगी। माह के उत्तरार्द्ध में पुराने रुके कार्यों में सफलता मिलेगी एवं पूर्ण होंगे। प्रियजनों से भेंट होगी। स्थायी सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। विवाह संबंध का निर्धारण होगा। संतान के कार्य पूर्ण होंगे। रुका हुआ धन प्राप्त होगा।

कन्या- यह माह सम्पत्ति में वृद्धि प्रदान करने वाला होगा, शुभ कार्यों में भाग लेंगे। विद्या अध्ययन में सफलता मिलेगी। निर्णय लेने में असहाय महसूस करेंगे। किंतु अचानक धन प्राप्ति के योग भी रहेंगे। परिवार में आनंद की प्राप्ति होगी। आत्मविश्वास के कारण बड़ी सफलता की प्राप्ति की संभावना अधिक रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें अन्यथा परेशानी उठाना पड़ सकती है। प्रियजन से भेंट होगी, विरोधी परास्त होंगे। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला- यह माह आपके लिये चुनौती पूर्ण कार्यों को करने एवं सफलता प्राप्ति के लिये श्रेष्ठ माना जाएगा। धार्मिक यात्रा के अवसर मिलेंगे। मांगलिक कार्य होगा। विवाह संबंध तय होने के योग हैं। संतान के कार्यों से यश एवं लाभ प्राप्त होगा। अचानक धन प्राप्ति के योग रहेंगे, किंतु मन बेचैन बना रहेगा एवं निर्णय लेने में काफी विचार-विमर्श करेंगे। राजकीय पक्ष एवं राजनेताओं के संपर्क का लाभ मिलेगा। हड्डी एवं दांतों से कष्ट के योग रहेंगे। कार्य की अधिकता बनी रहेगी, बड़ी नौकरी के योग रहेंगे।

वृश्चिक- यह माह पुराने रुके कार्यों में परिश्रम के पश्चात सफलता प्रदान करने वाला होगा। धार्मिक, मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। आर्थिक सम्पन्नता बढ़ेगी, नवीन सम्पत्ति क्रय करने के योग बनेंगे, वाहन सुख में वृद्धि होगी। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, सामाजिक कार्यों एवं संगठनों में हिस्सा लेंगे एवं सम्मान के साथ परिचय के क्षेत्र में भी वृद्धि होगी। भाई परिवारजनों एवं व्यस्तता से बचने का प्रयास करें अन्यथा शरीर कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

धनु- यह माह आपको खट्टा-मीठा अनुभव प्रदान करने वाला होगा। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नवीन नौकरी के अवसर मिलेंगे, किंतु कुछ झंझटों का सामना करना पड़ेगा। जैसे व्यापार में उधारी, नौकरी में दूर स्थानांतरण आदि घर से दूर जाना, अभाव में रहना, नवीन ज्ञान प्राप्त करना सभी आपको भविष्य बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। सामाजिक सम्मान प्राप्त होगा, किंतु दिया हुए धन अटकने-रुकने के योग प्रबल रहेंगे।

मकर- यह माह आपके लिए कुछ चुनौती भरा रहेगा, किंतु आप अपनी सुझबुझ एवं समझदारी से उनसे पार पाने में सफल होंगे। आय के साधनों की प्राप्ति होगी। रुकावटों के साथ धन आगमन होगा, स्थायी सम्पत्ति के योग रहेंगे। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी, राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। धार्मिक यात्रा एवं मांगलिक कार्यों में व्यय होगा, शुभ समाचार प्राप्त होंगे। अनावश्यक एवं अचानक खर्च से चिंता बढ़ेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कुंभ- यह माह आपको पर्याप्त आय प्रदान करने वाला होगा। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रमोशन-व्यापार में उन्नति एवं नवीन प्रतिष्ठान के योग बनेंगे, भाग्योदय होगा। समय अनुकूल रहेगा। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। धार्मिक आयोजन में भाग लेंगे, राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। विरोधी परास्त होंगे। हड्डी एवं दांतों का कष्ट रहेगा। जैसी आय होगी उसी अनुपात में खर्च भी बढ़ा-चढ़ा रहेगा। मौज-मस्ती एवं दिखावे पर व्यय होगा।

मीन- यह माह आप के लिए आर्थिक रूप से उत्तम रहेगा किंतु शरीर कष्ट व पाचन तंत्र में परेशानी दे सकता है। किसी गूढ़ रहस्य ज्ञान की प्राप्ति होगी। धार्मिक यात्रा होगी संतान के कार्यों से यश-कीर्ति मिलेगी। सम्पत्ति में वृद्धि के योग रहेंगे। अचानक आय होगी, चौकाने वाले कार्य होंगे। संतान एवं पत्नी पक्ष के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। मित्रों से भेंट होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे, किंतु आपका कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे।

श्री नंदलाल काबरा

मालेगाँव. समाजसेवी व उद्यमी श्री नंदलालजी काबरा का 88 वर्ष की अवस्था में गत 9 दिसंबर को स्वर्गवास हो गया। आप मालेगाँव के प्रतिष्ठित काबरा कंपनी के संचालक थे। मालेगाँव के प्रसिद्ध समाजसेवक स्वर्गीय श्री सूर्यनारायणजी काबरा एवं मुंबई के श्री सत्यनारायण काबरा के अनुज थे। उन्होंने माहेश्वरी प्रगति मंडल, राजस्थानी शिक्षक प्रसारक मंडल, श्री राजस्थानी मंडल आदि संस्थाओं के अध्यक्ष पद पर श्रेष्ठ कार्य किये थे। उनकी इच्छानुसार उनके नेत्र दान किए गए। वे धार्मिक प्रवृत्ति एवमं बहुत ही हंसमुख स्वभाव के धनी थे। समाज एवं शहर के सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आप माहेश्वरी प्रगति मंडल मुम्बई के पूर्व अध्यक्ष दामोदर काबरा, मनोहर काबरा (नाईजीरिया), अनिल काबरा, राजेश एवं संजय काबरा के काकाजी थे। पुत्र रामरतन, शिवरतन, पुरुषोत्तम, मालेगाँव, पुना व सूरत में व्यवसाय में संलग्न हैं। वे हरसूद निवासी कृष्णमोहन एवं इंदौर निवासी समाजसेवी रोहित सोमानी के मामाजी थे।

श्रीमती गीताबाई चांडक

आर्वी (वर्धा). समाज सदस्य मुरलीधर तथा डॉ. जीवनलाल चांडक की माता श्रीमती गीताबाई-छोगालाल चांडक का 90 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया है। आप अपने पीछे 2 पुत्र तथा 3 पुत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। आप आध्यात्मिक तथा सामाजिक कार्य में सक्रिय थीं।

श्रीमती परमेश्वरी देवी चौधरी

देवास. समाज के वरिष्ठ सदस्य नारायणदास चौधरी की धर्मपत्नी एवं [illegible], सत्यनारायण, नृसिंह, सूरज (संगठन मंत्री माहेश्वरी समाज देवास) की भौजाईजी एवं प्रेमनारायण की माता श्रीमती परमेश्वरी देवी चौधरी का आकस्मिक निधन गत 19 दिसंबर को हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री गेंदालाल सोमानी

वडोदरा. ख्यात समाजसेवी तथा वरिष्ठ समाजसेवी श्री गेंदालाल सोमानी का गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र-पुत्री व पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं। स्व. श्री सोमानी एक सफल उद्यमी होने के साथ एक ऐसे समाजसेवी थे, जिनके सहयोग से कई समाजसेवी संस्थाएँ पोषित हो रही थीं। धार्मिक क्षेत्र में आपने भव्य मंदिर निर्माण के साथ ही कई वृहद धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया था। उनके इन्हीं योगदानों को लेकर श्री माहेश्वरी टाईम्स श्री सोमानी को "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" के सम्मान से भी सम्मानित कर चुकी है।

श्री चुन्नीलाल मंत्री

अमरावती. सुविख्यात समाजसेवी पानी वाले के नाम से प्रसिद्ध चुन्नीलाल मंत्री के ज्येष्ठ पुत्र श्री ओमप्रकाश मंत्री का 68 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे गडगडेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्टी एवं राजस्थानी, राधारानी, सौभाग्यवती, सुंदरी सिल्क व निज कमल साडीज जवाहर रोड अमरावती के संचालक थे। आप अपने पीछे पिताजी तथा 3 भाई, दो बहनें, दो सुपुत्र विक्रांत तथा राम व नाती-पोतों से भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

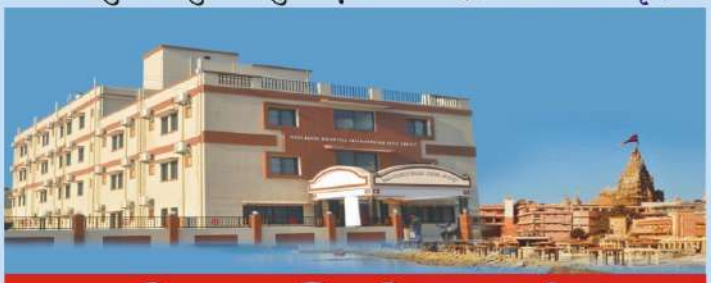

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई–मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

हार्दिक आमंत्रण

प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमानाथ में आयोजित

सोमनाथ सम्मेलन

24-25 फरवरी 2018

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के 28वें सत्र की चतुर्थ कार्यसमिति व तृतीय कार्यकारी मंडल बैठक

जो फिर लिखेगी सेवा का नवीन पृष्ठ

कृष्ण कुमार चाण्डक
मंत्री

त्रिभुवन काबरा
अध्यक्ष

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा

सुरेशचन्द्र मूंधड़ा
स्वागत अध्यक्ष

राधेश्याम मणियार
स्वागत मंत्री

शरद गट्टानी
सहमंत्री

श्यामसुन्दर राठी
कार्यसमिति सदस्य

स्वागत समिति

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

DSPL DSPL

धूत संगेमरमर प्रा॰ लिमिटेड

जैन एवं वैष्णव मंदिरो व मूर्तियो के निर्माता एवं निर्यातकर्ता

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री राधेश्याम जी धूत

गृह निर्माण एवं गृह सज्जा हेतु

विभिन्न प्रकार की जालियाँ, पिलर, फाउन्टेन, मूर्तियों के निर्माता एवं निर्यातकर्ता

शोरुम :–
बी–9, बाईस गोदाम,
इन्डिस्ट्रियल एस्टेट,
जयपुर
फोन : 0141–2212714, 2213286
फैक्स : 0141–2212738

इ–मेल : raghav@dhootstonecraft.com
dspldesign@gmail.com

वेबसाईट : www.dhootstonecraft.com

फैक्ट्री :–
मंगलाना रोड़ रेलवेक्रोसिंग
मकराना
फोन : 01588–285303,
फैक्स : 01588–285351

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 January 2018

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com